राष्ट्रीय दैनिक

प्रातःकिरण

दिल्ली एवं पटना से प्रकाशित

हर खबर पर पकड़

/Pratahkiran /Pratahkiran /Pratahkiran

11 ऋषभ पंत या संजू सैमसन, टी20 विश्व कप के लिए युवराज सिंह ने ...

नॉर्वे और स्पेन समेत तीन देशों ने फलस्तीन को दी मान्यता, फैसले पर ... 12

वर्ष : 15 | अंक : 42 | नई दिल्ली, गुरुवार, 23 मई, 2024 | विक्रम संवत् 2081 | पेज : 12 | मूल्य ₹ : 03.00 | www.pratahkiran.com

संक्षिप्त खबरें

उपेंद्र कुशवाहा को हराने की साजिश : तेजस्वी

पटना। भोजपुरी स्टार पवन सिंह को भाजपा ने पार्टी से निष्कासित कर दिया है। पार्टी की ओर से की गई इस कार्रवाई के बाद प्रतिक्रियाओं का दौर जारी है। इसी कड़ी में बिहार विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने भी प्रतिक्रिया दी है। तेजस्वी यादव हालांकि पहले इस मामले में प्रतिक्रिया देने से बचते नजर आए। उन्होंने कहा कि हमें इससे क्या, यह उनकी पार्टी का मामला है। हमें तो लगता है कि एनडीए प्रत्याशी उपेंद्र कुशवाहा को हराने के लिए भाजपा साजिश कर रही है। इस वजह से पार्टी की ओर से इस तरह की दिखावटी कार्रवाई की गई है। वहीं, चिराग पासवान को लेकर तेजस्वी यादव ने कहा कि चिराग पासवान को हार की सबसे पहले मुबारकबाद। हमारे पास जो इंफॉर्मेशन आ रही है, उसके हिसाब से चिराग पासवान अच्छे मार्जिन से हार रहे हैं। भाजपा के ही लोग उन्हें हरा रहे हैं।

पुणे में उजनी बांध में नाव पलटने से छह लोग डूबे

पुणे। महाराष्ट्र के पुणे जिले में उजनी बांध में नाव पलटने से दो बच्चों समेत छह लोग डूब गए। अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि यह घटना मंगलवार शाम को तेज हवाएं चलने और बारिश के बाद हुई। इंदापुर के तहसीलदार श्रीकांत पाटिल ने बताया कि डूबने वालों में तीन पुरुष, एक महिला और दो बच्चे शामिल हैं। उन्होंने बताया कि नाव सेवा कलाशी और भूगांव गांव के बीच संचालित होती है। उन्होंने बताया कि मंगलवार शाम सात लोगों को ले जा रही नाव तेज हवाओं और बारिश के बाद पलट गई।

संविधान की दुहाई देने वाली कांग्रेस ने अपनी पार्टी के संविधान की धज्जियां उड़ाई : मोदी

पीएम बोलें- भारत का पूरी दुनिया में बढा है कद और सम्मान

प्रात : किरण

बस्ती/एजेंसी। कांग्रेस और समाजवादी पार्टी को पाकिस्तान का सरपरस्त करार देते हुये प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को कहा कि संविधान की दुहाई देने वाली कांग्रेस ने आपातकाल लागू कर और पिछड़े वर्ग के तत्कालीन अध्यक्ष सीताराम केसरी को फुटपाथ पर फेंक कर अपनी ही पार्टी के संविधान की धज्जियां उड़ाई थीं। पालीटेक्निक ग्राउंड पर बस्ती,सिद्धार्थनगर और डुमरियागंज के भाजपा प्रत्याशियों के समर्थन में आयोजित चुनावी सभा को संबोधित करते हुये श्री मोदी ने कहा कांग्रेस और सपा वालों को अचानक संविधान की याद आ गयी है। इसी कांग्रेस ने 70 के दशक में आपातकाल लगाकर संविधान को खत्म करने की भरपूर कोशश की थी। यह वहीं पार्टी है जिसने अति पिछडे वर्ग के पार्टी अध्यक्ष सीताराम केसरी को एक शाम कांग्रेस दफ्तर के बाथरुम में बंद कर दिया था और मैडम सोनिया जी की टोली ने उन्हे फुटपाथ पर फेंक दिया था और रातों रात सोनिया गांधी को कांग्रेस का अध्यक्ष बना दिया गया था। जिस कांग्रेस ने अपनी पार्टी के संविधान की परवाह नहीं की वह आज देश के संविधान को बचाने की बात कर रही है। सपा पर निशाना साधते हुये उन्होने कहा बाबा साहब डा भीमराव अंबेडकर के संविधान की कद्र न करते हुये सपा ने हमेशा दलितों के आरक्षण का विरोध किया और संविधान के परे जाकर आज दलितो एवं पिछडों को आरक्षण छीनकर वोट जिहाद करने वालों को इसका हिस्सा देना चाहते हैं। कांग्रेस मुस्लिमों को आरक्षण

देने के लिये अंबेडकर का संविधान बदलना चाहती है जबकि सपा भी दलित पिछडों के विरोध में कांग्रेस के साथ खडी है। इनको पक्का सबक सिखाना है। अयोध्या में राम मंदिर का जिक्र करते हुये उन्होने कहा कि कई लोगों को अपने बच्चे का जन्मदिन और शादी की वर्षगांठ याद नहीं रहती मगर वे 22 जनवरी 2024 को कभी नहीं भूलते क्योंकि इसी दिन अयोध्या में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा हुयी थी। पूरा देश राम से राष्ट्र, विरासत से विकास और अध्यात्म से आधुनिकता के मंत्र को आत्मसात करते हुये आगे बढ़ रह है।

भारत आज दुनिया की पांचवीं सबसे बडी अर्थव्यवस्था बन चुका है। भारत का पूरी दुनिया में कद और सम्मान बढा है। भारत अब वैश्विक मंचों पर बोलता है तो पूरी दुनिया बडे ध्यान से सुनती है। भारत फैसले लेता है तो दुनिया उसके साथ अपने कदम मिलाने की कोशिश करती है। आतंक का सरपरस्त देश जो आंख दिखाता है और धमकियां देता था। आज उनकी हैसियत न घर का न घाट का का जैसी हो गयी है। उन्होने कहा पाकिस्तान तो पस्त पड गया है मगर उसके हमदर्द सपा कांग्रेस भारत को डराने मे जुटे हैं। वे कहते हैं कि पाकिस्तान से डरो, उसके पास एटम बम है। उन्हे यह नहीं पता कि 56 इंच का सीना क्या होता है। उन्हे पता होना चाहिये कि आज देश में कांग्रेस की कमजोर सरकार नहीं बल्कि मोदी की मजबूत सरकार है। अगर डरना है तो वो लोग डरे जो मानवता में विश्वास नहीं करते। जो आये दिन खून की नदियां बहाते है। भारत न किसी को डराना चाहता है मगर डराने वालों को भी बख्शेगा नहीं। इसलिये आज का भारत घर में घुस कर मारता है।

सीतामढ़ी में हिट एंड रन मामले में तीन की मौत

प्रात : किरण

सीतामढ़ी/एजेंसी। बिहार के सीतामढ़ी जिले में मंगलवार देर रात हिट रन मामले में तीन लोगों की मौत हो गई और छह लोग जख्मी हो गए। घटना नगर से करीब तीन किलोमीटर दूर सीतामढ़ी-बरियारपुर सड़क मार्ग पर स्थित मोहनपुर की है। मंगलवार रात करीब पौने ग्यारह बजे अनियंत्रित ट्रक ने टेंपो को बुरी तरह से रौंद दिया। हासते में तीन लोगों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई जबकि छह अन्य लोग बुरी तरह से जख्मी हो गए। सभी घायलों की हालत नाजुक बताई जा रही है। स्थानीय लोगों की मदद से पुलिस ने सभी घायलों को इलाज के लिए सदर अस्पताल में भर्ती कराया। स्थिति गंभीर होने के कारण मरने वालों की संख्या बढ़ भी सकती है। घटना के बाद ट्रक चालक भागने में सफल हो गया जबकि टेंपो के परखच्चे उड़ गए। बताया जाता है कि टेंपो सीतामढ़ी रेलवे स्टेशन से बथनाहा थाना के रमनगरा गांव जा रही थी। सीतामढ़ी में ट्रेन से उतरे यात्री टेंपों पर सवार थे। इसमें नौ लोगों के सवार होने की बात कही जा रही है। घटना की सूचना पर पहुंची 112 एवं मेहसौल ओपी पुलिस ने जख्मी को अपने वाहन से सदर अस्पताल पहुंचाया। मृतक की पहचान नेपाल निवासी मो. समसूल, रीगा थाना क्षेत्र के फतहपुर निवासी नशो खान, रमनगरा निवासी रोजा अंसारी की पुत्री खजीदा खातून के रूप में की गई है। वहीं, अन्य जख्मी की गंभीर हालत को देखते हुए उसे बाहर रेफर कर दिया गया है।

मुख्यमंत्री ने हादसे पर जताया शोक

पटना। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने सीतामढ़ी जिले के नगर थाना क्षेत्र के मोहनपुर चैक के पास ट्रक और ऑटों की टक्कर में 03 लोगों की हुई मौत पर गहरी शोक संवेदना व्यक्त की है। मुख्यमंत्री ने कहा है कि यह घटना अत्यंत दुखद है। मुख्यमंत्री ने घटना में घायल लोगों के समुचित इलाज का निर्देश दिया है और उनके शीघ्र स्वस्थ होने की भी कामना की है। मुख्यमंत्री ने मृतक के परिजनों को दुःख की इस घड़ी में धैर्य धारण करने की शक्ति प्रदान करने की ईश्वर से प्रार्थना की है।

संविधान, जाति और धार्मिक मुद्दे पर बयानबाजी से बचें : चुनाव आयोग

नई दिल्ली/एजेंसी। निर्वाचन आयोग ने बुधवार को भारतीय जनता पार्टी और कांग्रेस से जाति, समुदाय, भाषा और धर्म के आधार पर प्रचार करने से बचने की नसीहत दी और कहा कि चुनावों के दौरान भारत के सामाजिक व सांस्कृतिक ताने-बाने को नुकसान पहुंचाने की अनुमति नहीं जा सकती। राजस्थान के बांसवाड़ा में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विभाजनकारी भाषण को लेकर विपक्ष के आरोप पर भाजपा अध्यक्ष जे पी नड्डा को नोटिस जारी करने के करीब एक महीने बाद आयोग ने उनके बचाव को खारिज कर दिया। साथ ही उन्हें (नड्डा) तथा उनकी पार्टी के स्टार प्रचारकों को धार्मिक एवं सांप्रदायिक आधार पर प्रचार नहीं करने को कहा। आयोग ने भाजपा से समाज को बांटने वाले चुनावी भाषणों को बंद करने को भी कहा। नड्डा के साथ ही निर्वाचन आयोग ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे को भी ऐसा ही नोटिस जारी किया था और खरगे से उनके और मुख्य विपक्षी दल के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी के खिलाफ भाजपा द्वारा उनकी टिप्पणियों के संबंध में दायर शिकायतों पर जवाब देने के लिए कहा था। आयोग ने उनके बचाव को भी खारिज कर दिया और कांग्रेस से सुरक्षा बलों का राजनीतिकरण नहीं करने और सशस्त्र बलों की सामाजिक-आर्थिक संरचना के बारे में विभाजनकारी बयान नहीं देने को कहा। आयोग ने कांग्रेस से यह सुनिश्चित करने को भी कहा कि उसके स्टार प्रचारक और उम्मीदवार ऐसे बयान न दें जिससे यह गलत धारणा बने कि संविधान को समाप्त किया जा सकता है।

भोजपुरी स्टार पवन सिंह भाजपा से निलंबित

प्रात : किरण

पटना/एजेंसी। भारतीय जनता पार्टी की बिहार इकाई ने राज्य की काराकाट लोकसभा सीट से निर्दलीय प्रत्याशी के तौर पर चुनाव लड़ने पर भोजपुरी अभिनेता पवन सिंह को पार्टी से निलंबित कर दिया है। पार्टी ने एक बयान में कहा कि पवन सिंह को पार्टी के फैसले के खिलाफ काराकाट लोकसभा सीट से निर्दलीय उम्मीदवार के तौर पर चुनाव लड़ने पर तत्काल प्रभाव से भाजपा से निलंबित कर दिया गया है। बिहार भाजपा के प्रदेश मुख्यालय प्रभारी अरविंद शर्मा द्वारा जारी और पवन सिंह को संबोधित एक पत्र में कहा गया है, ह्यह्यलोकसभा चुनाव में आप राजग के अधिकृत प्रत्याशी के विरुद्ध चुनाव लड़ रहे हैं। आपका यह कार्य दल विरोधी है, जिससे पार्टी की छवि धूमिल हुई है तथा पार्टी अनुशासन के विरुद्ध आपने यह कार्य किया है। अतः आपको दल विरोधी इस कार्य के लिए पार्टी प्रदेश अध्यक्ष के आदेशानुसार पार्टी से निलंबित किया जाता है। राष्ट्रीय लोक मोर्चा के अध्यक्ष और पूर्व केंद्रीय मंत्री उपेन्द्र कुशवाहा काराकाट सीट से राजग उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ रहे हैं। वह पश्चिम बंगाल के आसनसोल से भाजपा के टिकट पर चुनाव लड़ने से इनकार करने के बाद यहां से निर्दलीय प्रत्याशी के तौर पर चुनावी मैदान में उतरे हैं। पवन सिंह के राजग उम्मीदवार के खिलाफ काराकाट से चुनाव लड़ने के फैसले की इससे पहले केंद्रीय मंत्री आरके सिंह सहित भाजपा के कुछ नेताओं ने आलोचना की थी। काराकाट लोकसभा सीट पर एक जून को मतदान होना है।

लोस चुनाव : सातवें चरण में 57 सीटों पर 904 उम्मीदवार मैदान में

प्रात : किरण

नई दिल्ली/एजेंसी। लोकसभा चुनाव के सातवें और अंतिम चरण के लिए एक जून को सात राज्यों और एक केंद्रशासित प्रदेश की 57 संसदीय सीटों पर मतदान होगा। इस चरण में कुल 904 उम्मीदवार चुनावी मैदान में हैं। चुनाव आयोग ने बुधवार को बताया कि लोकसभा चुनाव के सातवें चरण में होने वाले मतदान के लिए सात राज्यों और एक केंद्रशासित प्रदेश के 57 संसदीय क्षेत्रों के लिए कुल 2105 नामांकन पत्र दाखिल किए गए थे। इस चरण के लिए नामांकन पत्र दाखिल करने की अंतिम तिथि 14 मई थी। दाखिल किए गए सभी नामांकनों की जांच के बाद 954 नामांकन वैध पाए गए। इनमें से 50 उम्मीदवारों ने चुनाव से अपना नाम वापस ले लिया। ऐसे में अब कुल 904 उम्मीदवार ही मैदान में बचे हैं। आयोग के अनुसार नाम वापसी के बाद अब बिहार की 8 सीटों पर 134, चंडीगढ़ की एक सीट पर 19, हिमाचल प्रदेश की 4 सीटों पर 37, झारखंड की 3 सीटों पर 52, ओडिशा की 3 सीटों पर 66, पंजाब की 13 सीटों पर 328 उत्तर प्रदेश की 13 सीटों पर 144 और पश्चिम बंगाल की 9 सीटों पर 124 उम्मीदवार अंतिम रूप से चुनाव मैदान में हैं। आयोग के अनुसार इस चरण में पंजाब में 13 संसदीय निर्वाचन क्षेत्रों से अधिकतम 598 नामांकन फॉर्म थे। इसके बाद उत्तर प्रदेश में 13 संसदीय क्षेत्रों से 495 नामांकन थे। 36-बिहार के जहानाबाद संसदीय क्षेत्र से सर्वाधिक 73 नामांकन पत्र प्राप्त हुए। इसके बाद पंजाब के 7-लुधियाना संसदीय क्षेत्र से 70 नामांकन पत्र प्राप्त हुए। इस चरण के लिए एक संसदीय क्षेत्र में चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवारों की औसत संख्या 16 है।

बिहार सरकार
गृह विभाग
आर्थिक अपराध इकाई, बिहार, पटना
बिहार पुलिस

Paytm fraud

साइबर ठग द्वारा अपने फोन में Paytm की नकली एप्लीकेशन डाउनलोड कर दुकानदारों से साइबर ठगी करने का मामला प्रकाश में आ रहा है।

सावधान! ऐसे बनाते हैं ठगी का शिकार

- दुकानदार से सामान खरीदने के बाद जब payment करने की बारी आती है तो इसी तरह के app को use करते हुए QR code को scan करता है, लेकिन उससे पहले shop का नाम पूछ लिया जाता है, उससे mobile नंबर पता कर लेते हैं।
- फिर same name और number के साथ price इंटर करके ok करता है तो paytm की तरह ही एक transaction स्क्रीन open होता है, जो बिलकुल paytm app की तरह ही रहता है।
- दुकानदार उसे देखकर ok तो बोल देते हैं, पर उन्हें पता नहीं चलता है कि वो साइबर ठगी का शिकार हो चुके हैं।

PR No.-000911 (Home)D. 2024-25

सतर्क रहें, जागरूक रहें, सुरक्षित रहें

साइबर काण्ड से संबंधित कोई भी शिकायत National Cyber Crime Reporting Portal के वेबसाईट https://cybercrime.gov.in/ तथा हेल्पलाईन नं०–1930 पर दर्ज करा सकते हैं।

संक्षिप्त समाचार

चेक बाउंस के आरोपी को एक साल कारावास

काशीपुर, एजेंसी। प्रथम अपर सिविल जज (जू.डि.) की अदालत ने चेक बाउंस के आरोपी को एक वर्ष कारावास व 68,40,000 रुपये के जुर्माना से दंडित किया है। ग्राम चतरपुर नायक तहसील मुरादाबाद जिला मुरादाबाद निवासी मुख्तयार सिंह पुत्र मिर्जा सिंह ने अदालत में दो वाद दायर किए। जिसमें कहा कि आरोपी शमशुल अफरीन व एनएन शहीदी पार्टनर मेसर्स बायो ऑर्गेनिक नेचुरल कॉस्मेटिक प्रोडक्ट महुआखेड़ा गंज ने जान-पहचान के चलते नौ-नौ लाख रुपये तीन बार और दस-दस लाख रुपये की तीन बार उससे उद्योग चलाने के लिए उधार में लिए थे। कहा जब उसने अपनी रकम वापस मांगी तब उक्त दोनों लोगों ने दस-दस लाख के तीन चेक व नौ-नौ लाख के तीन चेक कुल 57 लाख के चेक दिए। बताया कि बैंक में चेक बाउंस हो गए। इस पर मुख्तयार सिंह ने अपने अधिवक्ता के माध्यम से न्यायालय में वाद दायर किया। वाद चलने के दौरान शमशुल अफरीन की मृत्यु हो गई। अधिवक्ता के तर्क व बहस सुनने के बाद अदालत ने आरोपी एनएन शहीदी को एक वर्ष कारावास और 68,40,000 रुपये से दंडित किया जिसमें से 40 हजार रुपये मुख्तयार सिंह को राजकोष में जमा कराना होगा।

काशीपुर में अतिक्रमण खा गया गैबिया नाला

काशीपुर, एजेंसी। पिछले वर्ष बरसात के दिनों में जलभराव के चलते भारी परेशानी झेल चुके आरके पुरम मानपुर रोड के लोगों ने पहले गैबिया नाले की सफाई कराने के लिए प्रदर्शन किया और फिर भाजपा नेता दीपक बाली व गगन कांबोज के साथ अधिकारियों से समस्या का हल करने की मांग की। सोमवार शाम एसडीएम अभय प्रताप सिंह और नगर आयुक्त विवेक राय ने राजस्व विभाग व नगर निगम के अधिकारियों के साथ गैबिया नाले का निरीक्षण किया। कई जगह नाले पर अतिक्रमण मिला। इस दौरान कई स्थानों पर नाला क्षतिग्रस्त दिखा जहां से जलभराव हो सकता है। दोनों अधिकारियों ने आश्वस्त किया कि जल्दी ही नाले की पूरी तरह सफाई कराई जाएगी। इस दौरान उप नगरायुक्त रोहिताश शर्मा, एसएनए विनोद लाल आदि मौजूद रहे। काशीपुर। निरीक्षण के दौरान नाले पर कई लोगों ने अतिक्रमण कर उसे संकरा कर दिया है। नाले में बड़ी तादाद में झाड़ियां पाई गई। इसके लिए भी दोनों अधिकारियों ने बड़े पैमाने पर अभियान चलाने के निर्देश दिए। अधिकारियों ने नगर निगम क्षेत्र को चार सेक्टर में बांटकर चलाए जा रहे नाला सफाई अभियान का भी निरीक्षण किया।

बारिश ने दिलाई तपिश से राहत

नैनीताल/भीमताल, एजेंसी। तपिश से बेहाल लोगों को सोमवार को 15 मिनट तक हुई बारिश से राहत मिली। बारिश के चलते क्षेत्र के जंगलों में लगी आग बुझने से वन विभाग ने भी राहत की सांस ली। नैनीताल में बीते दो सप्ताह से तेज धूप के चलते उमस महसूस की जा रही थी। इधर, सोमवार सुबह से ही आसमान में बादल छाने लगे। वहीं दोपहर बाद करीब 15 मिनट तक हुई बारिश से लोगों को ठंड लगने लगी। बारिश के चलते क्षेत्र के जंगलों में लगी आग भी बुझ गई। वहीं डीएस मैदान में चल रही क्रिकेट प्रतियोगिता भी रोकनी पड़ी। इसके अलावा स्थानीय कास्तकारों को भी राहत मिली। जीआईसी स्थित मौसम विज्ञान केंद्र के प्रभारी नवीन धूसिया ने बताया कि सोमवार को नैनीताल का अधिकतम तापमान 23 व न्यूनतम तापमान 15 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया है। इधर, सोमवार की दोपहर करीब ढाई बजे भीमताल, भवाली, धानाचूली, धारी और ओखलकांडा क्षेत्र में बारिश होने से मौसम सुहावना हो गया। जिससे खेतों में लगी आलू, मटर, टमाटर और शिमला मिर्च की फसलों को नमी मिली है। हालांकि, किसानों ने औसतन बारिश होने का अनुमान लगाया था। भीमताल के किसान आंनदमणि भट्ट और लोकेश वर्मा ने बताया कि जब तक औसतन बारिश नहीं होगी तब तक किसानों की फसलों को बेहतर नमी नहीं मिलेगी। उन्होंने कहा कि जलस्रोतों में पानी के सूखने से भी ग्रामीण क्षेत्रों में लोग पानी के लिए परेशान हैं। रामनगर। नेशनल हाईवे 309 पर सोमवार शाम करीब चार बजे सुंदरखाल के पास आंधी से पेड़ गिर गया। जिससे हाईवे पर जाम लग और राहगीरों को परेशानी का सामना करना पड़ा।

गंगोत्री-यमुनोत्री में सख्ती के बाद सुधरे हालत, ऑफलाइन पंजीकरण 31 तक स्थगित

उत्तरकाशी, एजेंसी। चारधाम के लिए ऑफलाइन पंजीकरण 31 तक स्थगित किए जाने और उत्तराखंड शासन के सख्त निर्देश के बाद स्थिति में कुछ सुधार आया। खासकर गंगोत्री और यमुनोत्री धाम में यातायात व्यवस्था कुछ हद तक पटरी पर लौटी है। उत्तरकाशी से गंगोत्री धाम (105 किलोमीटर) तक पहुंचने में तीर्थयात्रियों को छह से सात घंटे लग रहे हैं।

सुबह आठ बजे से पहले जो तीर्थयात्री उत्तरकाशी से गंगोत्री के लिए जा रहा है, वह करीब साढ़े पांच घंटे में पहुंच रहा है। गंगोत्री से उत्तरकाशी लौटने के लिए भी तीर्थयात्री को लंबा इंतजार नहीं करना पड़ रहा है। केवल गंगोत्री धाम में दर्शन के लिए लंबी लाइन लग रही है।

भीड़ बढ़ने पर करीब एक से दो घंटे तक तीर्थयात्रियों को लाइन पर लगा रहना पड़ रहा है। लखनऊ की तीर्थयात्री रंजना ने कहा कि वह अपने परिवार के साथ मंगलवार सुबह बड़कोट से यमुनोत्री धाम के लिए गई। पालीगाड़ के वन-वे बैरियर के पास करीब 45 मिनट इंतजार किया। सुबह नौ बजे जानकी चट्टी पहुंचे। यमुनोत्री धाम की यात्रा करने के बाद शाम पांच बजे वे जानकी चट्टी लौट आए।

गंगोत्री और यमुनोत्री में यातायात व्यवस्था कुछ सुचारू होने के बाद केदारनाथ की ओर भीड़ बढ़ रही है। जिसके चलते उत्तरकाशी जिला प्रशासन ने गंगोत्री से केदारनाथ की ओर जाने

वाले वाहनों को उत्तरकाशी चमियाला घनसाली तिलवाड़ा के बजाय उत्तरकाशी चंबा श्रीनगर मार्ग से भेजना शुरू किया है। उत्तरकाशी चमियाला घनसाली तिलवाड़ा मार्ग के व्यवसायी इस व्यवस्था का विरोध कर रहे हैं।

यमुनोत्री धाम में पैदल यात्रा मार्ग पर तीर्थयात्रियों के आवागमन को सुगम बनाने के लिए जिलाधिकारी डा. मेहरबान सिंह बिष्ट ने सोमवार की रात को धारा 144 के तहत आदेश जारी किए थे। मंगलवार को जिसका कुछ असर यमुनोत्री पैदल मार्ग पर देखने को मिला। घोड़ा-खच्चर व पालकी की संख्या निश्चित समय अंतराल के लिए तय की गई है। चारधाम यात्रा व्यवस्थाओं को लेकर 2022 में नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) की ओर से जारी आदेश का पिछले दस दिनों में यमुनोत्री धाम की यात्रा के दौरान पालन होता नहीं दिख रहा था। सोमवार देर शाम जिलाधिकारी डा. मेहरबान सिंह बिष्ट ने धारा 144 के तहत आदेश जारी किए। इस आदेश के बाद अब निश्चित समय अंतराल में 800 घोड़े-खच्चर और 300 पालकी निर्धारित संख्या में भेजी जा रही हैं। जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी देवेंद्र पटवाल ने कहा कि जिलाधिकारी के आदेश अनुसार मंगलवार को एक निश्चित समय अंतराल में जानकीचट्टी यमुनोत्री के लिए 800 घोड़े-खच्चर भेजे गए। घोड़े खच्चर के संचालन के बाद यमुनोत्री धाम से जिस क्रम में घोड़े खच्चर वापसी कर रहे हैं, उसी क्रम से फिर जानकीचट्टी से यमुनोत्री के लिए घोड़े खच्चर भेजे जा रहे हैं। इसी तरह से तीन सौ पालकी को 50-50 के लाट में भेजी गई। घोड़े-खच्चर व पालकी से पहुंचने वाले तीर्थयात्रियों को यमुनोत्री धाम एक घंटे के अंतराल में स्नान, पूजा और दर्शन कर लौटना होगा। अगर तीर्थयात्री एक घंटे से अधिक समय लगाता है तो घोड़ा-खच्चर व पालकी संचालक धाम में मौजूद जिला पंचायत के कर्मचारी को अवगत कराके खाली ही जानकीचट्टी लौट जाएंगे। वर्ष 2022 में चारधाम यात्रा के दौरान यमुनोत्री, केदारनाथ और हेमकुंड साहिब में घोड़ा खच्चर संचालन व स्वच्छता को लेकर कई सवाल उठे थे। सामाजिक कार्यकर्त्ता उर्वशी शोभना कछारी ने एनजीटी में रिट दायर की थी। इसमें घोड़ा-खच्चर संचालन, उनकी सुरक्षा और स्वच्छता को लेकर प्लान तैयार करने की अपील की गई थी। एनजीटी की ओर से गठित समिति ने व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया और रिपोर्ट सौंपी। इसमें यमुनोत्री, केदारनाथ और हेमकुंड साहिब में स्वच्छता से लेकर घोड़ा-खच्चर संचालन की व्यवस्था सही नहीं मिली। यात्रा को सुव्यवस्थित बनाने के लिए एनजीटी ने प्लान जारी कर उनका अनुपालन करवाने के आदेश जारी किए थे।

पर्यटकों का जमावड़ा लगने से वाहनों का लगा जाम

नैनीताल, एजेंसी। पर्यटक सीजन में नैनीताल में पर्यटकों का जमावड़ा लगा रहा। सोमवार को पर्यटकों की आवाजाही बढ़ने से मालरोड पर जाम लग गया।

सोमवार को दोपहर तक पर्यटकों के पहुंचने पर वाहनों की कतार लग गई। हालांकि, तल्लीताल डांठ व मल्लीताल में पुलिस यातायात को व्यवस्थित करती रही, लेकिन मालरोड पर पुलिस की अनदेखी के चलते वाहनों की लंबी कतार लगी रही। सीओ सुमित पांडे ने बताया कि यातायात व्यवस्था बनाए रखने के लिए भवाली रोड पर मस्जिद तिराहे से आने वाले पर्यटकों के वाहनों को रूसी बाईपास से नैनीताल भेजा जा रहा है। पर्यटकों के वाहनों को अस्थाई पार्किंग स्थलों में रोक शटल से नैनीताल भेजा जा रहा है। सोमवार को पूरे दिन पर्यटक झील में नौकायन करते नजर आए। वहीं सुबह से शाम तक मालरोड पर पर्यटकों का जमावड़ा लगा रहा। मल्लीताल, पंतपार्क, भोटिया बाजार, चाट बाजार में पर्यटकों की भीड़ लगी रही। इधर नयना देवी मंदिर, गुरुद्वारा व हनुमान गढ़ी मंदिर में भी पर्यटक पहुंचे।

कोसी नदी में डूबने से लखनऊ के युवक की मौत, गर्जिया मंदिर में दर्शन करने आया था नरेंद्र सिंह

नैनीताल, एजेंसी। गर्जिया मंदिर के समीप कोसी नदी के झूला पुल में नहाते वक्त एक पर्यटक की डूबने से मौत हो गई, जबकि उसका साथी बाल-बाल बच गया। एसडीआरफ की टीम ने पर्यटक के शव को नदी से बाहर निकाला। गर्जिया मंदिर के समीप कोसी नदी के झूला पुल में नहाते वक्त एक पर्यटक की डूबने से मौत हो गई, जबकि उसका साथी बाल-बाल बच गया। एसडीआरफ की टीम ने पर्यटक के शव को नदी से बाहर निकाला। मृतक अपने दोस्त के साथ लखनऊ से गर्जिया मंदिर दर्शन करने आया था। नरेंद्र सिंह (48) पुत्र कुंवर सिंह निवासी राजीवपुरम ई ब्लॉक मोहनभोग चौराहा लखनऊ अपने मित्र पुष्कर सिंह के साथ सोमवार सुबह काठगोदाम पहुंचे थे। इसके बाद दोपहर में वह गर्जिया मंदिर पहुंचे। यहां वह अपने दोस्त के साथ कोसी नदी में नहाने लगे। अचानक झूला पुल के पास वह गहरे कुंड में डूबने लगे। दोस्त ने बचाने का प्रयास किया, लेकिन नरेंद्र को बचाया नहीं जा सका। मौके पर पहुंची पुलिस ने गोताखोरों की मदद से उसे खोजने का प्रयास किया, लेकिन सफल नहीं हो पाए। कुछ देर बाद एसडीआरएफ की टीम ने नरेंद्र के शव को नदी से बाहर निकाला। शव को मोर्चरी में रखवा दिया है। मृतक के दोस्त पुष्कर सिंह ने बताया कि मृतक प्राइवेट कंपनी में नौकरी था। एक बेटी व एक बेटा है। युवक ने बताया कि गर्जिया मंदिर में दर्शन करने का प्लान अचानक बना और नरेंद्र ने ही उसका टिकट कराया था। सोमवार की रात लखनऊ लौटना था। तहसीलदार कुलदीप पांडे ने बताया कि घटना की जानकारी मृतक के परिजनों को दे दी गई है। कोसी नदी में नहाने पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। सीओ भूपेंद्र सिंह भंडारी ने बताया कि मंगलवार से नदी में नहाने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

मौसम की मार: लगातार पड़ रही गर्मी से अस्पतालों में बढ़ रही भीड़, तीन हजार मरीज पहुंचे; बुखार के केस ज्यादा

नैनीताल, एजेंसी। हल्द्वानी में गर्मी बढ़ने के साथ अस्पताल में पेट संबंधी बीमारियों के अलावा डायरिया, निमोनिया, बुखार के मरीजों की संख्या ज्यादा है। महिला, बेस और सुशीला तिवारी अस्पताल में एक तीन हजार से अधिक मरीज इलाज के लिए पहुंचे।

अवकाश के एक दिन बार सोमवार को अस्पतालों में मरीजों की भीड़ रही। गर्मी बढ़ने के साथ अस्पताल में पेट संबंधी बीमारियों के अलावा डायरिया, निमोनिया, बुखार के मरीजों की संख्या ज्यादा है। महिला, बेस और सुशीला तिवारी अस्पताल में एक तीन हजार से अधिक मरीज इलाज के लिए पहुंचे। सुशीला तिवारी अस्पताल में मेडिसिन विभाग में सबसे ज्यादा 250 की ओपीडी हुई। यहां डायरिया, बुखार, दमा के मरीज ज्यादा पहुंचे। नाक-कान गला विभाग में 185, टीबी चेस्ट में 180 रोगी इलाज को पहुंचे।

वहीं महिला अस्पताल में 363 और बेस अस्पताल में 988 की ओपीडी हुई।

एसटीएच में 1600 से ज्यादा मरीज पहुंचे = एसटीएच में सोमवार को ओपीडी में 1661 मरीज पहुंचे। 13 मई को सुशीला तिवारी अस्पताल में 1704 और बेस अस्पताल में 1064 रोगी इलाज के लिए पहुंचे थे। छह मई को एसटीएच में ओपीडी संख्या 1762 रही थी।

साफ पानी ज्यादा से ज्यादा पीयें, धूप में न जाएं, ताजा भोजन करें। ओआरएस लेते रहें। बाहर का खाना खाने से बचें। बच्चे और वद्ध सेहत का ज्यादा ध्यान रखें।

बेस अस्पताल में सोमवार को 988 की ओपीडी हुई। फिजिशियन डॉ. विनीता निखुर्पा ने बताया कि गर्मियों में खानपान सही नहीं होने और बासी खाने से डायरिया और डिहाइड्रेशन के मामले करीब 10 प्रतिशत बढ़ गए हैं। इस दिनों रोजाना 25 से 30 डायरिया पीड़ित मरीज भर्ती हो रहे हैं। बुखार, निमोनिया, टीबी, टायफायड के मरीज भी इलाज के लिए आ रहे हैं। बेस के पीएमएस डॉ. केके पांडे ने बताया कि इन दिनों बुखार और पेट संबंधी बीमारियों के मरीज ज्यादा हैं।

पूर्णागिरी जाने के लिए निकला उत्तर प्रदेश का एक परिवार, रास्ते में पलट गई जीप, नौ घायल

चम्पावत, एजेंसी। श्रद्धालुओं को लेकर पूर्णागिरि जा रही एक जीप बस से टकरा गई और अनियंत्रित होकर सड़क में पलट गई। हादसा ओवरटेक करने के कारण हुआ। जानकारी के अनुसार, हादसे के वक्त जीप में 18 लोग सवार थे, जिसमें से नौ लोग घायल हो गए। सभी 18 लोग एक ही परिवार के है।

श्रद्धालुओं को लेकर पूर्णागिरि जा रही जीप ओवरटेक के कारण बस से टकराकर अनियंत्रित होकर सड़क में पलट गई। इससे श्रद्धालुओं में चीख पुकार मच गई। हादसे के वक्त जीप में 18 लोग सवार थे, जिसमें से नौ लोग घायल हो गए। घायलों को स्थानीय लोगों ने किसी तरह जीप से बाहर निकाला। सभी घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया

गया है। कुछ घायलों को उप जिला चिकित्सालय में तैनात डॉक्टर आफताब अंसारी अपनी कार से इलाज के लिए चिकित्सालय ले गए। फिलहाल घायलों को अस्पताल में इलाज चल रहा है। मिली जानकारी के अनुसार, जीप में कासगंज, इटा यूपी निवासी एक ही परिवार के 18 लोग सवार थे। इसमें से नौ घायल हैं।

नैनीताल में 15 हजार पर्यटकों की एंट्री, वीआइपी मूवमेंट से वाहनों की लगी कतार; कारोबारियों के खिले चेहरे

नैनीताल, एजेंसी। सरोवर नगरी में पर्यटन सीजन ने अब रफ्तार पकड़ ली है। सोमवार को कालाढूंगी, हल्द्वानी व भवाली रोड से दो हजार से अधिक पर्यटक वाहनों की शहर में एंट्री हुई, करीब 15 हजार पर्यटक यहां पहुंचे हैं। पर्यटकों की आमद से पर्यटन स्थल गुलजार हैं।

टैक्सी, बाइक टैक्सी सहित अन्य कारोबार चल पड़े हैं। यहां सुबह दस बजे बाद से पर्यटक वाहनों का आना तेज हो गया था, जो दोपहर बाद तक जारी रहा।

वीआइपी मूवमेंट की वजह से लोअर माल रोड से मल्लीताल तक वाहनों की कतार लगी रही। जाम में सरकारी विभागों के वाहन भी फंसे रहे। स्नोव्यू, बारापत्थर, हिमालय दर्शन, तिब्बती, भोटिया बाजार, पंत पार्क में पर्यटकों की भीड़ से रौनक रही। चिड़ियाघर, केव गार्डन व रोपवे में पर्यटकों का तांता लगा रहा। झील में नौकायन के लिए भी

बोट स्टैंडों के आसपास खूब पर्यटक नजर आए।

पर्यटक वाहनों से तल्लीताल से लेकर फ्लैट्स मैदान, अशोक, अंडा मार्केट, सूखाताल, पुराना घोड़ा स्टेंड की पार्किंग पैक रही। वाहन रोकने से कारोबारी खफा शहर में पर्यटक वाहनों को रोकने से होटल कारोबारी नाराज हैं। कहा कि बेवजह रोका जा रहा है।

होटल रेस्टोरेंट एसोसिएशन के अध्यक्ष दिग्विजय सिंह बिष्ट, महासचिव वेद साह का कहना है कि पुलिस-प्रशासन को व्यवस्था बनाने के बजाय कारोबार चौपट करने की कोशिश नहीं करनी चाहिए। इसका पुरजोर विरोध किया जाएगा। एसओ रमेश सिंह बोहरा ने बताया कि सोमवार को रूसी बाइपास में कोई भी पर्यटक वाहन नहीं रोका गया।

रानीखेत के गोल्फ मैदान तक पहुंची जंगल की आग

रानीखेत, एजेंसी। छावनी क्षेत्र के आसपास दो दिन पहले जंगल की आग पहुंच गई। गोल्फ मैदान से लेकर मिलिट्री हॉस्पिटल तक आग पहुंच गई। इससे खलबली मच गई थी। एहतियात के तौर पर फैमली वार्ड को भी शिफ्ट कर दिया गया था। इससे पूरा क्षेत्र धुएं के गुबार से बेहाल हो गया था।

हालांकि अब आग थमने के बाद हालात सामान्य हो गए हैं। ऐतिहासिक गोल्फ मैदान रोजाना की तरह नियमानुसार पर्यटकों के लिए खोल दिया गया है। वहीं मिलिट्री हास्पिटल वाले क्षेत्र में भी स्थिति सामान्य हो गई है। एहतियातन शिफ्ट किए गए फैमिली वार्ड बहाल कर दिए गए हैं।

सेना के अधिकारिक सूत्रों के अनुसार जंगल आग पर काबू पाने को चले अभियान तक धुएं के कारण एमएच से लोग पास ही शिफ्ट कर दिए गए थे। उधर कालिका क्षेत्र से लगे जंगल जलने के कारण गोल्फ मैदान में प्रवेश करने वाले पर्यटकों को भी सचेत किया गया था। कुमाऊं रेजिमेंट सेंटर मुख्यालय (केआरसी) के सैन्य सूत्रों ने बताया कि स्थिति सामान्य है। एहतियातन लोगों को वनाग्नि के कारण सतर्क किया गया था।

ऋषिकेश-कर्णप्रयाग रेल परियोजना की 5.1 किमी लंबी निकास सुरंग आर-पार, मेन टनल को लेकर आया बड़ा अपडेट

रुद्रप्रयाग, एजेंसी। की एक और निकास सुरंग बीते सोमवार को आर-पार हो गई। रुद्रप्रयाग जिले में खांकरा से डुंगरीपंथ के बीच बन रही यह निकास सुरंग 5.1 किमी लंबी है।

रेल विकास निगम के वरिष्ठ महाप्रबंधक राजेश कुमार ने बताया कि 16,216 करोड़ रुपये की लागत से निर्माणाधीन 125 किमी लंबी यह रेल परियोजना धीरे-धीरे पूर्णता की ओर बढ़ रही है। सोमवार को एक और बड़ी निकास सुरंग आर-पार हो गई। बताया कि ऋषिकेश से कर्णप्रयाग क बीच नौ पैकेज में कार्य चल रहा है।

निकास सुरंग के साथ बन रही मुख्य सुरंग भी जल्द आर-पार होगी। सुरंग निर्माण का कार्य कर रही कंपनी मैक्स इंफ्रा (आइ) प्रा.लि. के एचआर राजेंद्र भंडारी ने बताया कि आरवीएनएल, जिला प्रशासन व स्थानीय जनता के सहयोग से परियोजना पर कार्य तेजी से चल रहा है। प्रयास है परियोजना का कार्य जल्द से जल्द पूरा कर लिया जाएगा।

पेरिस पैरालंपिक में दम दिखाएंगे मनोज और मनदीप

रुद्रपुर, एजेंसी। पेरिस में इसी साल होने वाले पैरालंपिक के लिए देश से 13 पैरा बैडमिंटन खिलाड़ियों ने क्वालीफाई किया है। इसमें उत्तराखंड से मनोज सरकार और मनदीप कौर शामिल हैं। मनोज ने टोक्यो पैरालंपिक में कांस्य पदक जीता था। इस बार अपने पदक का रंग सुनहरा करने की तैयारियों में जुटे हैं।

वर्ष 2021 में हुए टोक्यो पैरालंपिक के दौरान कोरोना का कहर था। इसके चलते खिलाड़ियों का अभ्यास प्रभावित हुआ था। इसके बावजूद रुद्रपुर निवासी मनोज ने बैडमिंटन में कांस्य पदक जीता था। उनकी उपलब्धि पर प्रदेश सरकार ने रुद्रपुर के स्पोर्ट्स स्टेडियम का नाम उनके नाम पर रखा था। वर्तमान में मनोज बहरीन में हैं और मंगलवार से शुरू होने वाले इंटरनेशनल पैरालंपिक प्रतियोगिता में शिरकत करेंगे।

मनोज ने फोन पर बताया कि उत्तराखंड से पेरिस पैरालंपिक के लिए उन्होंने और मनदीप कौर ने क्वालीफाई किया है। पैरालंपिक 28 अगस्त से आठ सितंबर तक होंगे। भारत सरकार के साथ ही टारगेट ऑफ ओलंपिक पोडियम स्कीम से उन्होंने प्रशिक्षण सहित हर तरह की मदद मिली है। पैरालंपिक के लिए तैयारियां जोरों पर हैं।

राष्ट्रीय दैनिक प्रातःकिरण

नई दिल्ली, गुरुवार, 23 मई, 2024

लोकसभा चुनावः पूर्वी दिल्ली निर्वाचन क्षेत्र के मतदाताओं का स्थानीय मुद्दों पर जोर

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

लोकसभा चुनाव में राजनीतिक दल राष्ट्रीय स्तर पर भले ही कोई विमर्श गढ़ चुनावी बिसात पर एक दूसरे को मात देने का प्रयास करें लेकिन राष्ट्रीय राजधानी की पूर्वी दिल्ली संसदीय सीट के मतदाताओं के लिए पार्किंग स्थलों की कमी, बड़ी संख्या में अनधिकृत कॉलोनियों के कारण होने वाली तमाम परेशानियां तथा गाजीपुर लैंडफिल साइट से फैलते प्रदूषण जैसे मुद्दे ही प्रमुख हैं। कुछ इलाकों में अपराध और जल जमाव की समस्या सहित कुछ अन्य बुनियादी समस्याएं भी मतदाताओं के लिए चिंता का विषय हैं लेकिन यह तो चार जून को पता चलेगा कि इन स्थानीय मुद्दों ने चुनाव में क्या असर दिखाया और उम्मीदवारों की राजनीतिक किस्मत का फैसला करने में इनकी कितनी भूमिका रही।

पूर्वी दिल्ली निर्वाचन क्षेत्र में 21,20,584 मतदाता हैं और यहां भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के उम्मीदवार हर्ष मल्होत्रा और आम आदमी पार्टी (आप) के उम्मीदवार कुलदीप कुमार के बीच मुकाबला है। यहां छठे चरण में 25 मई को मतदान होगा और नतीजे चार जून को आएंगे।

क्षेत्र के मतदाताओं के बीच लोकसभा चुनाव से जुड़े मुद्दों के बारे में चर्चा करने पर अधिकांश का जोर स्थानीय मुद्दों पर दिखा।

कोंडली निवासी विमल सिंह ने कहा कि क्षेत्र की जनता के लिए तो पार्किंग और पानी की समस्या ही मुख्य मुद्दे हैं। उन्होंने कहा, पार्किंग स्थलों का ना होना क्षेत्र की मुख्य समस्या है। हमारे पास यहां उचित पार्किंग स्थान नहीं है। क्षेत्र में नियमित रूप से पानी की आपूर्ति भी प्रभावित होती है। इसके अलावा हमारे क्षेत्र में साफ-सुथरे पार्क नहीं हैं जहां बच्चे खेल सकें।

सिंह ने कहा, मानसून के दौरान तो सड़कों पर इतना पानी भर जाता है कि यात्रियों के पैदल चलना दूभर हो जाता है। कल्याणपुरी के इलाके में यातायात भी एक भरी समस्या है, जहां यात्री व्यस्त समय के दौरान अक्सर घंटों फंस रह जाते हैं। गाजीपुर निवासी सूरज कुमार ने कहा कि वे चाहते हैं कि उनके सांसद ह्यगाजीपुर लैंडफिल साइटह्न के कारण होने वाली बदबू और प्रदूषण से उन्हें राहत दिलाने के लिए काम करें। कुमार ने कहा, हम इस लैंडफिल साइट से राहत चाहते हैं। यहां से लगातार आने वाली दुर्गन्ध ने लोगों का जीना मुहाल कर रखा है। कई बार तो यहां आपूर्ति किया जाने वाले पानी इतना बदबूदार होता है कि आप उसका कुछ उपयोग भी नहीं कर सकते। आस-पास मांस के बाजार होने की वजह से दुर्गन्ध इस कदर फैलता है कि कई बार तो सांस लेना भी दूभर हो जाता है। पूर्वी दिल्ली निर्वाचन क्षेत्र में एक तरफ लाजपत नगर, लक्ष्मी नगर, गांधी नगर, शाहदरा और कृष्णा नगर जैसे बड़े बाजार हैं तो विवेक विहार, मयूर विहार, मंडावली, सूरजमल विहार, प्रीत विहार और त्रिलोकपुरी जैसे आवासीय क्षेत्र भी हैं।

फेडरेशन ऑफ लाजपत नगर ट्रेडर्स एसोसिएशन के महासचिव कुलदीप कुमार ने कहा कि बाजार में दुकानदारों के लिए बुनियादी सुविधाओं की कमी एक बड़ी चिंता है। उन्होंने कहा, शहर के विभिन्न हिस्सों से भी कई महिलाएं खरीदारी के लिए आती हैं लेकिन बाजार में उनके लिए साफ शौचालय नहीं हैं। बिजली के तार जहां-तहां लटक रहे होते हैं। उन्होंने कहा, यह क्षेत्र पहले नई दिल्ली विधानसभा क्षेत्र का हिस्सा था। हालांकि, यह सीट अब पूर्वी दिल्ली निर्वाचन क्षेत्र का हिस्सा है। हम मांग करते हैं कि हमारे बाजार को फिर से नई दिल्ली निर्वाचन क्षेत्र में स्थानांतरित कर दिया जाना चाहिए।

आनंद विहार और गाजीपुर इलाके में प्रदूषण जहां एक बड़ी समस्या है, वहीं कल्याणपुरी, त्रिलोकपुरी और मंडावली इलाके के लोग आए दिन होने वाली अपराध की घटनाओं को लेकर ज्यादा चिंतित हैं। मयूर विहार निवासी रोहिणी कौल ने कहा, क्षेत्र में पार्कों का रखरखाव नियमित तरीके से किया जाना चाहिए। यहां नालियों को भी अच्छी तरह से ढका नहीं गया है।

इस निर्वाचन क्षेत्र में कुछ अनधिकृत कॉलोनियां भी हैं। ऐसी कॉलोनियों के निवासियों ने कहा कि हर कोई उनकी कॉलोनियों को नियमित करने की बात करता है, लेकिन कोई भी इसकी बेहतरी के लिए काम नहीं करता है।

ऐसे ही एक अनधिकृत कॉलोनी के निवासी मोहम्मद असद ने कहा, ह्यह्यहम पानी और साफ सड़कों सहित बुनियादी सुविधाएं चाहते हैं। चुनाव के दौरान झुग्गीवासियों के मुद्दे हमेशा नेताओं के लिए सर्वोच्च प्राथमिकताओं में रहते हैं। लेकिन चुनाव जीतने के बाद कोई भी हमारे लिए काम नहीं करता है। विपक्षी गठबंधन इंडिया के उम्मीदवार कुलदीप कुमार से जब उनकी प्राथमिकताओं के बारे में पूछा गया तो उन्होंने बताया कि कानून व्यवस्था में सुधार, अतिक्रमित भूमि को मुक्त कराने और गाजीपुर लैंडफिल साइट को हटाने जैसे मुद्दों पर उनका जोर रहेगा। उन्होंने कहा, दिल्ली विश्वविद्यालय का नॉर्थ कैंपस और साउथ कैंपस है लेकिन ईस्ट कैंपस नहीं है। ईस्ट कैंपस हासिल करना उनकी प्रमुख मांग होगी। मेट्रो के माध्यम से संपर्क व्यवस्था और मजबूत करना भी मेरी प्राथमिकता होगी।

भाजपा उम्मीदवार हर्ष मल्होत्रा ने हाल में कहा था कि अगर वह चुनाव जीतते हैं तो यमुना पार इलाके में एम्स की तर्ज पर एक बड़ा अस्पताल और झुग्गीवासियों को फ्लैट देना उनकी प्राथमिकताओं में शामिल होगा।

उन्होंने कहा, हम पूर्वी दिल्ली में सफदरजंग या एम्स की तर्ज पर केंद्र सरकार का एक अस्पताल बनाने की कोशिश करेंगे क्योंकि निजी अस्पताल बहुत महंगे हैं और हर कोई इसका खर्च वहन नहीं कर सकता। मेरे विचार से यह बहुत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा, मेरा लक्ष्य प्रधानमंत्री की जहां झुग्गी, वहां मकान योजना के तहत झुग्गी बस्तियों में रहने वाले लोगों को फ्लैट मुहैया कराना है। इस योजना से उन्हें बेहतर घर, सड़कें और बेहतर जीवन के लिए पीने का पानी मिलेगा। पूर्वी दिल्ली निर्वाचन क्षेत्र में 11,51,211 पुरुष और 9,69,269 महिला मतदाता हैं। इस निर्वाचन क्षेत्र में 35,104 मतदाता पहली बार मतदान करने के पात्र हैं जबकि बुजुर्ग मतदाताओं की संख्या 12,917 और दिव्यांग मतदाताओं की संख्या 10,165 है।

आतिशी का आरोप : हरियाणा सरकार ने दिल्ली को यमुना जल की आपूर्ति रोकी; भाजपा का पलटवार

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

दिल्ली की कैबिनेट मंत्री आतिशी ने बुधवार को आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने आम आदमी पार्टी (आप) को निशाना बनाने के लिए एक नई साजिश रची है और हरियाणा सरकार के माध्यम से उसने राष्ट्रीय राजधानी की पानी की आपूर्ति रोक दी है। भाजपा की दिल्ली इकाई के अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने आतिशी के आरोपों पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा, लोकसभा चुनावों में अपनी हार के डर से आप एक नया झूठ लेकर आई है। जब हमने सोमवार को जल आपूर्ति संकट का मुद्दा उठाया तो मंत्री ने एक शब्द भी नहीं बोला और अब वह भाजपा पर आरोप लगा रही हैं।

दिल्ली की जल मंत्री आतिशी ने संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि लोकसभा चुनाव की घोषणा के बाद से ही भाजपा उनकी पार्टी आप को निशाना बनाने की साजिश रच रही है। उन्होंने कहा, लोकसभा चुनाव की घोषणा के पांच दिन के अंदर ही दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को गिरफ्तार कर लिया गया ताकि आप चुनाव प्रचार नहीं कर सके। उनके अंतरिम जमानत पर बाहर आने के बाद भाजपा ने उन्हें फंसाने के लिए पार्टी की राज्यसभा सदस्य स्वाति मालीवाल का इस्तेमाल किया लेकिन उनकी यह साजिश भी विफल हो गई। आतिशी ने आरोप लगाया, फिर उन्होंने पार्टी को विदेशी चंदा मिलने का पुराना मुद्दा उठाया और अब अपनी हरियाणा सरकार के माध्यम से भाजपा ने दिल्ली को यमुना के पानी की आपूर्ति रोक दी है। सचदेवा ने आरोप लगाया, दिल्ली के मुख्यमंत्री केजरीवाल ने जल आपूर्ति के मुद्दों का समाधान करने के लिए एक महीने पहले तिहाड़ जेल से आतिशी को पत्र लिखा था। उन्हें बताना चाहिए कि पिछले एक महीने में क्या किया गया। दिल्ली में पानी की कमी के लिए आप सरकार का भ्रष्टाचार और उसकी निष्क्रियता जिम्मेदार है। आतिशी ने कहा कि यह मामला तब सामने आया जब उन्हें उन इलाकों से भी पानी की कमी की शिकायतें मिलनी शुरू हुईं, जहां पहले कभी लोगों को इस समस्या का सामना नहीं करना पड़ा। उन्होंने कहा कि वह बुधवार को ही हरियाणा सरकार को पत्र लिखेंगी और अगर उनकी ओर से कोई कार्रवाई नहीं की गई तो वह इस मुद्दे पर उच्चतम न्यायालय का दरवाजा खटखटाएंगी। आप नेता ने कहा, वजीराबाद में यमुना का स्तर अधिकतर 674 फुट पर रहता है और सबसे निचले स्तर पर भी 672 फुट पर रहता है, लेकिन 11 मई को यह 671.6 फुट पर था और तीन दिनों तक इसी स्तर पर रहा। 14 और 15 मई को यह 671.9 फुट पर था और फिर 16 मई को यह घटकर 671.3 फुट पर आ गया और फिर अगले तीन दिन में यमुना का जल स्तर और गिरकर 671 फुट पर पहुंच गया। आतिशी ने कहा, 21 मई को शायद इतिहास में पहली बार यमुना का जल स्तर 670.9 फुट पर पहुंच गया था। आतिशी ने भाजपा पर आप सरकार की छवि खराब करने और दिल्ली के लोगों को परेशान करने के लिए ऐसा करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा,वे राजधानी में जल संकट पैदा करना चाहते हैं। मैं दिल्ली के लोगों को आगाह करना चाहती हूं कि 25 मई तक ऐसी और चीजें होंगी। वे मतदाताओं को बरगलाने के लिए ऐसा करेंगे। मैं भाजपा को बताना चाहती हूं कि वह दिल्ली की जनता को बेवकूफ नहीं बना सकती।

स्वाति मालीवाल मामले पर क्यों चुप्पी साधे बैठे हैं केजरीवाल : भाजपा

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने राज्यसभा सांसद स्वाति मालीवाल प्रकरण में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की चुप्पी पर सवाल खड़ा करते हुए कहा कि केजरीवाल की चुप्पी खुद सबकुछ बता रही है। भाजपा ने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री केजरीवाल समझौते के लिए मालीवाल पर दबाव डाल रहे हैं।

गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत और भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने बुधवार को पार्टी मुख्यालय में संयुक्त संवाददाता सम्मेलन में दावा किया कि दिल्ली के मुख्यमंत्री आवास से स्वाति मालीवाल मामले से संबंधित सीसीटीवी फुटेज के कथित तौर पर गायब होने और इस मामले में गिरफ्तार बिभव कुमार को बचाने के केजरीवाल के प्रयासों से उनकी संलिप्तता का पता चलता है। आम आदमी पार्टी (आआपा) के इस आरोप को खारिज करते हुए कि पूरे प्रकरण के पीछे भाजपा का हाथ है, सावंत ने कहा कि मालीवाल केजरीवाल की पुरानी सहयोगी थीं और उन्होंने खुद मुख्यमंत्री के आवास पर उनके साथ मारपीट करने के लिए कुमार के खिलाफ पुलिस में मामला दर्ज कराया था।

उन्होंने कहा कि दिल्ली में लोग सवाल पूछ रहे हैं कि 9 दिन से स्वाति मालीवाल केस में दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल चुप्पी साधे क्यों बैठे हुए हैं? मुझे लगता है कि स्वाति मालीवाल के केस में केजरीवाल की चुप्पी खुद सबकुछ बता रही है। आम आदमी पार्टी अब महिला विरोधी और दिल्ली विरोधी पार्टी बन गई है। स्वाति मालीवाल पिछले 20 साल से केजरीवाल की साथी थीं, फिर भी उनके साथ उनके ही घर में मारपीट की गई। सावंत ने कहा कि स्वाति मालीवाल का उत्पीड़न करने वाला विभव कुमार किस हैसियत से मुख्यमंत्री आवास पर रहता है? इसका जवाब भी केजरीवाल को देना पड़ेगा। अगर बिभव कुमार की इस मामले में कोई मिलीभगत नहीं है, तो उसने अपने मोबाइल को फॉर्मेट क्यों किया? ये भी उन्हें बताना पड़ेगा।

भाजपा सांसद सुधांशु त्रिवेदी ने केजरीवाल सरकार पर कटाक्ष करते हुए कहा कि केजरीवाल ने दावा किया था कि उनकी सरकार दिल्ली के चप्पे-चप्पे पर सीसीटीवी लगवा देंगे, लेकिन आज हालात ये हैं कि मुख्यमंत्री आवास के एक कोने का भी सीसीटीवी फुटेज उपलब्ध नहीं है।

त्रिवेदी ने दावा किया कि आआपा चुनाव प्रचार के लिए पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया को जमानत पर बाहर लाने के लिए कोई प्रयास नहीं कर रही है, लेकिन वह केजरीवाल के सहयोगी विभव कुमार की मदद करने के लिए हर संभव प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि कुमार के पास पार्टी में कोई पद नहीं है लेकिन संभवतः उन्हें महत्वपूर्ण रहस्यों की जानकारी है। पिछले हफ्ते दिल्ली के मुख्यमंत्री के आवास पर मालीवाल पर कथित हमले के मामले में वह पांच दिन की पुलिस हिरासत में हैं।

भाजपा का 400 पार का नारा पूरी तरह कल्पना : थरूर

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

कांग्रेस ने भारतीय जनता पार्टी के लोकसभा चुनाव के लुभावने नारे अब की बार 400 पार की हवा निकालते हुए इस नारे को पूरी तरह से कल्पना बताया और कहा कि यह सिर्फ बकवास है जो कहीं भी हकीकत के आसपास नहीं है। कांग्रेस नेता शशि थरूर ने दिल्ली प्रदेश कांग्रेस की मुख्यालय में बुधवार को संवाददाता सम्मेलन में कहा कि यह नारा कल्पना है। पांच चरण के चुनाव में साफ हो गया है कि भाजपा सिर्फ हार ही नहीं रही है बल्कि अपने गढ़ों में भी उसकी ताकत में भारी गिरावट आ रही है।

उन्होंने कहा मुझे गोवा, पुणे, मुंबई, वडोदरा, अहमदाबाद और अपने राज्य केरल के साथ ही देश के अन्य हिस्सों में जाने और प्रचार करने का अवसर मिला है। रैलियों को संबोधित किया है, लोगों से मिला हूं और साक्षात्कार भी दिए हूं। इन अनुभवों के आधार पर कह सकता हूं कि भाजपा हार रही है। श्री थरूर ने कहा, जब मैं सामान्य ज्ञान कहता हूं तो यह पहले से ही स्पष्ट था जब बीजेपी ने अब की बार 400 पार के बारे में बात करना शुरू किया था कि यह पूरी तरह से एक कल्पना थी। तिरुवनंतपुरम के सांसद ने कहा कि दूसरी ओर, कांग्रेस राजस्थान, हरियाणा, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और यहां तक कि उत्तर प्रदेश में पिछली बार की तुलना में काफी अच्छा प्रदर्शन कर रही है।उन्होने भविष्यवाणी किया कि बिहार, पश्चिम बंगाल और गुजरात में कुछ स्थानों पर भाजपा और एनडीए के लिए खबर इतनी अच्छी नहीं थी।

उन्होंने कहा सकारात्मक रुझानों को देखकर हमारा आत्मविश्वास और भी बढ़ गया है और हम अभियान के आखिरी दो हफ्तों में बिल्कुल सकारात्मक रास्ते पर हैं।इस चुनाव का मुख्य उद्देश्य केंद्र में सरकार को बदलना है।

पूर्व विदेश राज्य मंत्री ने कहा कि पुलवामा त्रासदी और बालाकोट में प्रतिक्रिया के कारण भाजपा 2019 के चुनाव को जीती सकी थी। उन्होंने दावा किया कि हालांकि ऐसे नतीजों को दोहराना अब असंभव है और अब तक के रुझानों से पता चला है कि भाजपा के गढ़ों में न्यूनतम मतदान और मतदान के आंकड़ों में महत्वपूर्ण गिरावट देखी गई है।दूसरी ओर, कांग्रेस और इंडिया गठबंधन के उम्मीदवारों में उत्साह है।

दिल्ली के शाहदरा में संपत्ति विवाद में 18 वर्षीय किशोर की मौत, चार घायल

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

दिल्ली के शाहदरा में दो भाइयों में संपत्ति को लेकर हुए झगड़े में 18 वर्षीय एक किशोर की मौत हो गई और चार अन्य गंभीर रूप से घायल हो गये हैं। बुधवार को पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने मृतक की पहचान 18 साल के सुहान के तौर पर की है, वहीं घायलों की पहचान जगतपुरी क्षेत्र में शाही मस्जिद के पास राशिद बाजार में रहने वाले फैजान (19), निशा (42), इमरान(45) और शमशाद (28) के रुप में की है।

पुलिस ने बताया कि मंगलवार को एक पीसीआर कॉल के माध्यम से दो भाइयों के बीच झगड़े की सूचना मिली थी। जिसके बाद पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और पुलिस ने पाया कि घायलों को डॉ हेडगेवार अस्पताल भेजा जा चुका था। प्रारंभिक जांच के दौरान, पुलिस ने पाया कि लड़ाई सईद अहमद के स्वामित्व वाली एक दुकान को लेकर हुई थी। पुलिस उपायुक्त (शाहदरा) सुरेंद्र चौधरी कहा, सैयद अहमद के छह बेटे हैं, जिनमें से चार हैं-इस्तिकार, जुल्फिकार, इमरान और शमशाद। सभी एक ही घर में रहते हैं। जुल्फिकार घर के पास ही वेल्डिंग की दुकान चलाता है। इमरान अपने भाइयों की मंजूरी से दुकान बेचना चाहता था, लेकिन जुल्फिकार ने आपत्ति जताई। जिसके बाद दोनों के बीच झगड़ा हुआ। डीसीपी ने कहा कि परिवार के अन्य सदस्यों के साथ ही जुल्फिकार और इमरान के बीच संपत्ति की लड़ाई काफी लंबे समय से चल रही थी। उन्होंने बताया कि जुल्फिकार और इमरान के बीच कहासुनी के बाद मामला मारपीट में तब्दील हो गया।

चौधरी ने कहा कि जुल्फिकार और उसके बेटे मुर्शीद ने इमरान, उसकी पत्नी निशा और उसके बेटों फैजान, सुहान और जुल्फिकार के एक और भाई शमशाद पर चाकू से हमला कर दिया। हमले में सुहान की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि बाकी को अस्पताल ले जाया गया। उन्होंने कहा कि मुर्शीद, जुल्फिकार और उसकी पत्नी शबाना के खिलाफ मामला दर्ज किया गया और उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। आगे की जांच जारी है।

कन्हैया कुमार ने मनोज तिवारी को डिबेट के लिए बुलाया

नई दिल्ली। उत्तर पूर्वी लोकसभा सीट पर चुनावी लड़ाई दिलचस्प होती जा रही है। कांग्रेस प्रत्याशी कन्हैया कुमार ने भाजपा प्रत्याशी मनोज तिवारी को जनता के सामने डिबेट की चुनौती दी है। कन्हैया कुमार ने बुधवार को अपने एक्स अकाउंट पर लिखे पोस्ट में कहा कि आधिकारिक प्रचार के लिए अब लगभग 24 घंटे ही बचे हैं। कब तक लोगों को इधर-उधर भटकाइयेगा। आइये एक बार उत्तर पूर्वी दिल्ली की जनता के असली मुद्दों की चर्चा उन्हीं लोगों के सामने कर ली जाए। कन्हैया कुमार ने मनोज तिवारी को गुरुवार को तीन बजे गोकलपुरी वार्ड में मंगल बाजार रोड पर बहस के लिए आमंत्रित किया है। पोस्ट में उन्होंने क्षेत्र में यातायात जाम की समस्या पर तंज कसते हुए लिखा कि बहस के लिए थोड़ा समय से निकलिएगा क्योंकि इस क्षेत्र में यातायात ज्यादा रहता है।

प्रगति मैदान के आसपास यातायात रहेगा प्रभावित, संभलकर निकलें

नई दिल्ली। प्रगति मैदान स्थित भारत मंडपम में गुरुवार की सुबह आयोजित होने वाले कार्यक्रम के चलते यातायात प्रभावित रहेगा। यातायात पुलिस ने इसे लेकर ट्रैफिक एडवाइजरी जारी की है। यातायात पुलिस के मुताबिक गुरुवार की सुबह आठ बजे से दोपहर एक बजे तक भारत मंडपम में आयोजित समारोह में बड़ी संख्या में लोगों के शामिल होने की संभावना है। इसके चलते आसपास के कई मार्गों पर यातायात संबंधी कुछ प्रतिबंध और मार्ग परिवर्तन लागू किया जाएगा। मथुरा रोड और भैरो मार्ग पर किसी भी वाहन को कहीं भी रुकने या वाहन खड़ा करने की अनुमति नहीं होगी। जनता के लिए सामान्य प्रवेश के अनुमति नहीं है। उपरोक्त सड़कों पर खड़े किए गए वाहनों को हटा दिया जाएगा और अनुचित पार्किंग और कानूनी निदेर्शों की अवज्ञा करने पर चालान किया जाएगा। यहां से हटाए गए वाहनों को भैरो मंदिर, भैरो मार्ग के सामने यातायात पुलिस की जगह पर खड़ा किया जाएगा।

इन मार्गों से बचें

यातायात पुलिस के मुताबिक तिलक मार्ग-भगवान दास रोड क्रासिंग, पुराना किला रोड-मथुरा रोड क्रासिंग, शेरशाह रोड-मथुरा रोड क्रासिंग, डॉ. जाकिर हुसैन मार्ग-सुब्रमण्यम भारती मार्ग क्रासिंग, पंडारा रोड-सुब्रमण्यम भारती मार्ग क्रासिंग, क्यू प्वाइंट, गोल चक्कर मानसिंह रोड, गोल चक्कर जसवंत सिंह रोड, गोल चक्कर केजी मार्ग-फिरोजशाह रोड क्रासिंग, गोल चक्कर मंडी हाउस पर मार्ग परिवर्तन लागू किया जाएगा।

स्वाति मालीवाल का मामला ध्यान भटकने की कोशिश : थरूर

नई दिल्ली। कांग्रेस ने कहा है कि आम आदमी पार्टी की राज्यसभा सांसद स्वाति मालीवाल मारपीट मामले में राजनीति की जा रही है और भारतीय जनता पार्टी की सरकार इसे मुद्दा बनाकर हकीकत से ध्यान भटकाने का काम कर रही है। कांग्रेस नेता शशि थरूर ने बुधवार को यहां दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में संवाददाता सम्मेलन के दौरान एक सवाल पर कहा कि इस बारे में आम आदमी पार्टी ने जो बयान दिया है वह पर्याप्त है और भाजपा इस मुद्दे को उठाकर ध्यान भटकने का काम कर रही है। उन्होंने कहा स्वाति मालीवाल मारपीट मामले में आम आदमी पार्टी का बयान आया है और मेरा मानना है कि इसमें जितना कहा गया है वह सटीक है और इसमें कुछ जोड़ने की जरूरत नहीं है। ईमानदारी से कहूँ तो यह सधा हुआ बयान है और इसमें कुछ भी इधर या उधर नहीं किया जा सकता है। श्री थरूर ने कहा देश के सामने बेरोजगारी, मुद्रास्फीति जैसे कई मुद्दे हैं लेकिन इन सब मौजूद और वास्तविक मुद्दों से ध्यान भटकाने का गंभीर प्रयास स्वाति मालीवाल मामला उठाकर हुआ है। हमें इस तरह के मामलों की बजाय उन सब मुद्दों पर ध्यान केंद्रित करना होगा जो आम भारतीयों के जीवन को प्रभावित करते हैं। भाजपा अक्सर मीडिया को हथियार के तौर पर इस्तेमाल करने का काम करती है,मेरा मीडिया से आग्रह है कि वह वास्तविक मुद्दों से ध्यान भटकाने के लिए बाध्य नही हों। मीडिया यदि मुद्दों से भटक जाता है इससे किसी का हित नहीं होता है।

मेट्रो में केजरीवाल को निशाना बनाने वाले दीवार लेखन का आरोपी बरेली से गिरफ्तार

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

दिल्ली मेट्रो के कुछ स्टेशनों और कोच के भीतर कथित तौर पर अरविंद केजरीवाल विरोधी दीवार लेखन करने वाले 33 वर्षीय आरोपी को पुलिस ने उत्तर प्रदेश के बरेली से गिरफ्तार किया है। एक अधिकारी ने जानकारी दी।

अधिकारी ने बताया कि अपने इंस्टाग्राम एकाउन्ट पर भाम्रक तस्वीरें और संदेश साझा करने वाले की पहचान अंकित गोयल के रुप में की गई है। सोमवार को इस दीवार लेखन की कई तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हो गई। आम आदमी पार्टी ने इस कृत्य की कड़ी निंदा की थी।

कुछ देर बाद एक व्यक्ति के मेट्रो की दीवार पर लिखने का सीसीटीवी फुटेज भी इंटरनेट पर अपलोड हो गया। अधिकारी ने बताया कि आरोपी गोयल बरेली के एक सरकारी बैंक में ऋण प्रबंधक है। गोयल ने दिल्ली आकर मेट्रो के कोच और स्टेशनों पर संदेश लिखे और वह अपने शहर बरेली लौट गया था। गोयल ने पुलिस को बताया कि पहले वह एक आप समर्थक था लेकिन हाल में आप की कार्यप्रणाली को देखकर वह पार्टी से नाखुश था। उसने मेट्रो ट्रेनों और स्टेशनों पर लिखे गए संदेशों को इंस्टाग्राम अकाउंट अंकित डॉट गोयल_91 के माध्यम से साझा किया गया था। मेट्रो कोच के अंदर लिखे गए संदेशों में से एक में लिखा गया था, केजरीवाल दिल्ली छोड़ दीजिए प्लीज । अन्यथा, आपको तीन थप्पड़ याद करने होंगे जो चुनाव से पहले आपको पड़े थे। अब असली और वास्तविक मुक्का/थप्पड़ जल्द ही पड़ेगा। आज की बैठक झंडेवालान में। अंकित डॉट गोयल_91।

चाकू लगने के बाद भी घायल कांस्टेबल ने बदमाश को दबोचा

नई दिल्ली। रूप नगर इलाके में सोमवार देर रात गश्त कर रहे कांस्टेबल को बदमाश ने चाकू मारकर घायल कर दिया। घायल होने के बाद भी कांस्टेबल ने बदमाश को दबोच लिया। हालांकि, बदमाश का साथी बाइक समेत भागने में कामयाब हो गया, जिसकी तलाश पुलिस कर रही है। जानकारी के अनुसार रूप नगर थाने में तैनात हेडकांस्टेबल प्रवीन अपने साथी कांस्टेबल शुभम के साथ इलाके में गश्त कर रहा था। तभी किसी ने बताया कि नांगिया पार्क के पास बाइक सवार दो संदिग्ध घूम रहे हैं। जब पुलिसकर्मी पहुंचे तो दोनों युवक भागने लगे। पुलिसकर्मियों ने पीछा कर उन्हें रोका। शुभम ने बाइक पर सवार युवक की तलाशी लेनी शुरू की। इस दौरान युवक ने कांस्टेबल पर चाकू से वार किया। पुलिसकर्मी ने खुद को पीछे किया, लेकिन उसकी हथेली में चाकू घुस गया। इसके बाद हमलावर ने भागने की कोशिश की तो शुभम उसपर टूट पड़ा और पकड़ ढीली नहीं की। वहीं, दूसरा बदमाश बाइक से भागने लगा तो हेडकांस्टेबल प्रवीन ने सरकारी पिस्टल से हवाई फायरिंग की, लेकिन वह भागने में कामयाब हो गया।

करूर वैश्य बैंक ने अयोध्या में अपनी 840वीं शाखा का उद्घाटन किया

अयोध्या उत्तर प्रदेश में यह बैंक की 7वीं शाखा है और बैंक के दिल्ली डिवीजन में 35वीं शाखा है।

- भारत, 22 मई, 2024: करूर वैश्य बैंक (केवीबी) ने आज अयोध्या में एक नई शाखा का उद्घाटन किया। यह बैंक की 840वीं शाखा है।
- करूर वैश्य बैंक की अध्यक्ष डॉ. मीना हेमचंद्र ने शाखा का उद्घाटन किया।

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

नई शाखा ओल्ड नंबर 5/3/5, न्यू नंबर 5/13/9, स्वामी दयानंद मार्ग, रामपथ, अयोध्या - 224001 पर स्थित है। यह शाखा समस्त प्रकार की बैंकिंग सेवाएं प्रदान करेगी जिसमें खुदरा और वाणिज्यिक बैंकिंग उत्पाद, तृतीय पक्ष के गठजोड़ के माध्यम से बीमा उत्पाद आदि शामिल हैं। शाखा में अपने ग्राहकों की सुविधा के लिए एक एटीएम, नकद जमा मशीन और पासबुक प्रिंटर प्रदान किया गया है।

इस अवसर पर बोलते हुए, बैंक के एमडी और सीईओ श्री बी रमेश बाबू ने कहा, बैंक ने वित्त वर्ष 2024 के दौरान 39 नई शाखाएँ खोली थीं और चालू वित्त वर्ष के दौरान देश भर में लगभग 100 नई शाखाएँ खोलने का प्रस्ताव है। बैंक ने पिछले वित्तीय वर्ष के दौरान अब तक का सबसे अधिक 1605 करोड़ रुपये का वार्षिक शुद्ध लाभ पोस्ट किया है। बैंक का नेट एनपीए 0.40% रहा। बैंक ने अपनी मजबूत विकास गति, परिसंपत्ति की गुणवत्ता और लाभप्रदता में स्थिरता जारी रखी है। इस अवसर पर श्री बी रमेश बाबू, एमडी और सीईओ, सर्वश्री केएस रविचंद्रन, आर रामकुमार, केजी मोहन, मुरली रामास्वामी और आर विद्या शंकर, बैंक के निदेशकगण और अन्य वरिष्ठ अधिकारीगण भी उपस्थित थे।

करूर वैश्य बैंक के बारे में:

करूर वैश्य बैंक की 840 शाखाओं और 2270 से अधिक एटीएम और कैश रिसाइक्लर्स के रूप में टच पॉइंट्स हैं। बैंक इंटरनेट बैंकिंग और मोबाइल बैंकिंग सुविधाएं प्रदान करता है। केवीबी डीलाइट, बैंक का मोबाइल बैंकिंग ऐप 150+ सुविधाओं के माध्यम से वित्तीय और गैर-वित्तीय सेवाएं उपलब्ध कराता है। बैंक अपनी मजबूत वित्तीय स्थिति के साथ लगातार आगे बढ़ रहा है। 89,113 करोड़ रुपये के जमा आधार एवं 74,423 करोड़ रुपये के अग्रिमों के साथ बैंक का कुल व्यवसाय 31.03.2024 को 1,63,536 करोड़ रुपये रहा। बैंक ने पिछले वित्तीय वर्ष के दौरान अब तक का सबसे अधिक 1605 करोड़ रुपये का वार्षिक शुद्ध लाभ पोस्ट किया है। बैंक का नेट एनपीए 0.40% रहा।

डीएमआरसी का फैसला, वोटिंग के दिन दिल्ली में सुबह 4 बजे से चलेगी मेट्रो

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

राजधानी दिल्ली में सभी सात लोकसभा सीटों पर छठे चरण में 25 मई को मतदान होना है. इसी कड़ी में दिल्ली मेट्रो रेल कोर्पोरेशन (डीएमआरसी) ने मेट्रो की टाइमिंग में बदलाव किया है. डीएमआरसी के अनुसार, वोटिंग वाले दिन दिल्ली में सभी मेट्रो लाइन पर मेट्रो की सेवा सुबह 4 बजे से शुरू हो जाएगी. डीएमआरसी के मुताबिक, शनिवार को दिल्ली में लोकसभा चुनाव के लिए वोटिंग होनी है. इस दिन सभी लाइनों पर दिल्ली मेट्रो ट्रेन सेवाएं सुबह 4 बजे से शुरू हो जाएगी. ताकि चुनाव ड्यूटी पर तैनात कर्मचारी इस सुविधा का लाभ उठा सकें. चुनाव वाले दिन सभी लाइनों पर सुबह 4 बजे से सुबह 6 बजे तक ट्रेनें 30 मिनट के अंतराल पर चलेंगी. जबकि, सुबह 6 बजे के बाद पूरा दिन मेट्रो अपने नियमित पुराने समय के अनुसार चलेंगी. डीटीसी की बसों की टाइमिंग में भी बदलावः इसी तरह डीटीसी की बसों की टाइमिंग में भी बदलाव किया गया है. डीटीसी ने 25 मई वोटिंग वाले दिन 35 रूटों पर सुबह 4 बजे बसों को चलाने का फैसला किया है. डीटीसी के इस फैसले से चुनाव ड्यूटी पर जाने वाले कर्मचारियों को फायदा मिलेगा. बता दें, भारत में इन दिनों 18वीं लोकसभा के चुनाव चल रहे हैं. लोकसभा के यह चुनाव कुल सात चरणों पूरे होने हैं. छठवें चरण के लिए वोटिंग में दिल्ली भी शामिल है. 25 मई को दिल्ली की सात लोकसभा सीटों के लिए भी वोटिंग होगी. पांच चरण के तहत 447 लोकसभा सीटों पर मतदान हो चुके हैं. अब 115 लोकसभा सीटों पर दो चरणों में मतदान होनी है.

उत्तर रेलवे

ई–निविदा सूचना

आज़ादी का अमृत महोत्सव

वरि0 मण्डल यांत्रिक इंजीनियर / उत्तर रेलवे, ट्रेनसेट डिपो, शकूरबस्ती, भारत के राष्ट्रपति की ओर से उनके लिए निम्नलिखित कार्य के लिए IREPS (www.ireps.gov.in) पर आमंत्रित की जाती है।

निविदा संख्या	258861DSLSSB
कार्य का विवरण	ट्रेनसेट डिपो, शकूरबस्ती में एफ.आर.पी. नोज कोन कपलर कवर और एफ.आर.पी. साइड वाल के रख–रखाव, मरम्मत, पेंट तथा फिटमेंट, 02 वर्ष की समायावधि में कराने सम्बंध मे।
अनुमानित लागत	Rs. 68,93,964.52 (GST-सहित)
बयाना राशि	Rs. 1,37,900/- (ये जमा राशि केवल नेट–बैंकिंग और गेटवे के द्वारा ही मान्य होगी। यह राशि एफडीआर या टीडीआर के रूप में मान्य नहीं होगी। रेलवे बोर्ड के आदेशानुसार पत्र सं0 2015/CR-I/CT/5/1 दिनांक 31.08.2016)
कार्य अवधि	02 वर्ष
निविदा प्रपत्र खुलने की तिथि, समय	दिनांक 11.06.2024, 15:00 बजे
निविदा प्रपत्र डाउनलोड करने के इंटरनेट साइट	उपरोक्त निविदा IREPS साइट पर उपलब्ध है जो कि है www.ireps.gov.in दिनांक 20.05.2024 से प्रभावी है।

सं0 –258861DSLSSB दिनांक – 21.05.2024 1541/2024

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के लिए लॉग ऑन करें
@Pratahkiran
www.pratahkiran.com

तुम हजारों की फौज खड़ी कर दो, मैं अकेले सामना करूंगी...

- तुम हजारों की फौज खड़ी कर दो, अकेले सामना करूंगी क्योंकि सच मेरे साथ है।
- वहां से लुधियाना व पंजाब के अन्य जगहों पर होते हुए मुंबई में आयोजित एक राजनीतिक कार्यक्रम में शामिल होने गया था।

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

आम आदमी पार्टी (आप) की राज्यसभा सांसद स्वाति मालीवाल से सीएम आवास पर बदसलूकी मामले में दिल्ली पुलिस जांच में जुटी हुई है। इस बीच, आप नेता मालीवाल पर बीजेपी के साथ मिलकर साजिश रचने का आरोप लगा रहे हैं।

ताजा मामले में स्वाति मालीवाल ने कहा कि आरोपी बहुत शक्तिशाली आदमी है। वह चाहे मेरे खिलाफ हजारों की फौज खड़ी कर दे, लेकिन मैं इंसाफ मिलने तक अकेले सामना करूंगी।

मालीवाल ने कहा, कल पार्टी के एक बड़े नेता का फोन आया। उसने बताया कैसे सब पर बहुत ज्यादा दबाव है, स्वाति के खिलाफ गंदी बातें बोलनी हैं, उसकी पर्सनल फोटोज लीक करके उसे तोड़ना है। ये बोला जा रहा है कि जो उसको सपोर्ट करेगा उसको पार्टी से निकाल देंगे। किसी को प्रेस कॉन्फ्रेंस करने की और किसी को ट्वीट्स करने की ड्यूटी मिली है। किसी की ड्यूटी है अमेरिका में बैठे वॉलंटियर्स को फोन करके मेरे खिलाफ कुछ निकलवाना। आरोपी के कुछ करीबी बीट रिपोर्टर्स की ड्यूटी है कुछ फर्जी स्टिंग ऑपरेशन बनाकर लाओ।

उन्होंने कहा, तुम हजारों की फौज खड़ी कर दो, अकेले सामना करूंगी क्योंकि सच मेरे साथ है। मुझे इनसे कोई नाराजगी नहीं है, आरोपी बहुत शक्तिशाली आदमी है। बड़े से बड़ा नेता भी उससे डरता है। किसी की हिम्मत नहीं उसके खिलाफ स्टैंड ले पाए। मैं किसी से उम्मीद भी नहीं करती।

मालीवाल ने आगे कहा, दुख इस बात का लगा कि दिल्ली की महिला मंत्री कैसे हंसते मुस्कुराते पार्टी की एक पुरानी महिला साथी का चरित्रहनन कर रही है। मैंने अपनी स्वाभिमान की लड़ाई शुरू की है, इंसाफ मिलने तक लड़ाई लड़ती रहूंगी। इस लड़ाई में मैं पूरी तरह अकेली हूं पर हार नहीं मानूंगी! उन्होंने यह बातें एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर एक पोस्ट कर लिखी हैं।

केजरीवाल के पीए बिभव को लेकर मुंबई गई दिल्ली पुलिस

आप सांसद स्वाति मालीवाल के साथ मारपीट व छेड़छाड़ के आरोप में गिरफ्तार किए गए मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के पीए बिभव कुमार को दिल्ली पुलिस की टीम मंगलवार को मुंबई लेकर गई है। बिभव ने वहां अपने आइफोन को फार्मेट करने की बात कही है। फार्मेट उन्होंने खुद किया या किसी मोबाइल दुकानदार का सहयोग लेकर किया, इस बारे में बिभव पुलिस को सच नहीं बता रहे हैं। पुलिस अधिकारी का कहना है कि पूछताछ में बिभव कुमार बार-बार बयान बदल रहा है। 13 मई को घटना के बाद बिभव केजरीवाल के साथ पहले लखनऊ गए थे। वहां से लुधियाना व पंजाब के अन्य जगहों पर होते हुए मुंबई में आयोजित एक राजनीतिक कार्यक्रम में शामिल होने गया था। इसलिए बिभव को मुंबई ले जाकर पुलिस यह जानने की कोशिश करेगी कि वहां उसने किन-किन नेताओं, कार्यकताओं, व्यवसायियों व अन्य जानकारों से मुलाकात की थी। वहां वह किसी जगह पर ठहरे थे।

कहां फार्मेट किया था मोबाइल

पुलिस इन लोगों के बयान दर्ज कर सुबूत जुटाने की कोशिश करेगी और मोबाइल किस जगह पर फार्मेट किया था, उस बारे में पता लगाने की कोशिश करेगी। पुलिस अधिकारी का कहना है कि मुख्यमंत्री आवास में स्वाति मालीवाल व बिभव कुमार के बीच किसी बात को लेकर बहस शुरू हुई जो धीरे-धीरे मारपीट में बदल गई, इस बात का पता नहीं लग सका है। न तो स्वाति यह बात बता रही हैं और न ही बिभव कुमार इस बारे में कोई जानकारी दे रहा है।

स्वाति पर बनाया जा रहा था इस्तीफे का दबाव

पुलिस को यह पता चला है कि स्वाति पर पहले से राज्यसभा सदस्य से इस्तीफा देने का दबाव बनाया जा रहा था। उसी संदर्भ में स्वाति बिना अनुमति प्राप्त किए सीएम आवास आ गई थीं। इसी बात को लेकर स्वाति मालीवाल व बिभव के बीच बहस शुरू हुई थी और मामला मारपीट तक पहुंच गया था।

पुलिस अधिकारी का कहना है कि 13 मई की सुबह स्वाति मालीवाल जब केजरीवाल के आवास में पहुंची थीं और बिभव ने उनकी पिटाई कर दी, तब घटना के समय सीएम आवास में मौजूद दिल्ली पुलिस सुरक्षा यूनिट के करीब 15 पुलिसकर्मी तैनात थे। उन सभी के बयान दर्ज कर लिए गए हैं। अब गैर सरकारी लोगों के बयान दर्ज किए जा रहे हैं।

प्रधानमंत्री की द्वारका में होने वाली रैली से पहले दिल्ली में सुरक्षा बढ़ाई गई

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

दक्षिण-पश्चिम दिल्ली के द्वारका में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की रैली से पहले राष्ट्रीय राजधानी के कई हिस्सों में सुरक्षा बढ़ा दी गई है। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी। दिल्ली पुलिस ने एक परामर्श जारी कर लोगों को यातायात के मार्ग में बदलाव की जानकारी दी है और यात्रियों से कुछ खास मार्गों से जाने से बचने को कहा है। कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए भारी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया है। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा, अर्धसैनिक बलों के साथ-साथ पुलिस बल की भी तैनाती की जाएगी। चूंकि द्वारका क्षेत्र हरियाणा के साथ अपनी सीमाएं भी साझा करता है, इसलिए सुचारू कामकाज सुनिश्चित करने के लिए कड़ी निगरानी और अतिरिक्त जांच बिंदु होंगे। परामर्श के अनुसार प्रधानमंत्री शाम छह बजे द्वारका के सेक्टर-14 में वेगास मॉल के सामने स्थित डीडीए पार्क में एक जनसभा को संबोधित करेंगे। परामर्श में कहा गया कि उन्हें सुनने के लिए बड़ी संख्या में लोगों के आने की उम्मीद है जिससे आसपास की सड़कों पर यातायात प्रभावित हो सकता है। परामर्श के मुताबिक, इस्कॉन चौक, ओम अपार्टमेंट चौक, गोल्फ कोर्स रोड पर डीएक्सआर टी-प्वाइंट, द्वारका मोड़, कारगिल चौक और राजपुरी क्रॉसिंग सहित अन्य स्थानों से यातायात के मार्ग में बदलाव किया गया है। परामर्श में लोगों से द्वारका रोड नंबर 201, एनएसयूटी टी-प्वाइंट से वेगास मॉल, पीपल चौक, रोड नंबर 205 और रोड नंबर 210 तक जाने से बचने को कहा गया है।

द्वारका में पीएम मोदी की रैली के चलते ट्रैफिक रहेगा प्रभावित

नई दिल्ली। दिल्ली में लोकसभा चुनाव को लेकर चुनाव प्रचार चरम है। सभी दलों के नेता चुनाव प्रचार में अपनी ताकत झोंक रहे हैं। इसी कड़ी में आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दिल्ली के द्वारका में बुधवार को एक चुनावी रैली को संबोधित करेंगे। इसे लेकर कुछ मार्गों पर रूट डायवर्ट किया गया है। लोगों को परेशानी से बचाने के लिए दिल्ली ट्रैफिक पुलिस ने एडवाइजरी जारी की है। पीएम मोदी की रैली बुधवार शाम 6 बजे द्वारका सेक्टर-14 के डीडीए पार्क में होने वाली है। इसके चलते डीडीए पार्क, सेक्टर-14, वेगास मॉल के सामने द्वारका और नई दिल्ली में विशेष यातायात व्यवस्था लागू रहेगी। ट्रैफिक पुलिस ने लोगों से इन रास्तों से बचने की अपील की है। इसके अलावा कारगिल चौक, सेक्टर-18, शनि बाजार गोलचक्कर क्रॉसिंग, सेक्टर-16बी, इस्कॉन चौक, सेक्टर-13, सेक्टर-16बी चौराहा द्वारका सहित कई मार्गों पर यातायात डायवर्ट किया गया है। रैली में शामिल हो सकते हैं बड़ी संख्या में लोग पुलिस ने कहा कि रैली में बड़ी संख्या में लोग शामिल हो सकते हैं जिससे आसपास की सड़कों पर यातायात प्रभावित होगा। दिल्ली ट्रैफिक पुलिस ने लोगों से अपील की है कि यदि संभव हो तो आज इन सड़कों पर जाने से बचें और अपने गंतव्य तक पहुंचने के लिए सार्वजनिक परिवहन का इस्तेमाल करें।

स्वच्छ सर्वेक्षण 2024 से संबंधित कार्यशाला का आयोजन, जीरो वेस्ट इवेंट की दी जानकारी

होम कम्पोस्टिंग के सम्बन्ध मे किया जागरूक

उझारी। स्वच्छ भारत मिशन नगरीय के अन्तर्गत कार्यालय नगर पंचायत उझारी मे एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजना किया गया। जिसमे नगर पंचायत उझारी की अधिशासी अधिकारी (शालिनी गुप्ता) एवम जिला कार्यक्रम प्रबन्ध (डी०पी०एम०) अमरोहा द्वारा व्यक्तियो को होम कम्पोस्टिंग के सम्बन्ध मे जागरुक किया गया। साथ ही गीला व सूखा कूड़ा को प्रथककरण के बारे मे अवगत कराया गया। उक्त कार्यशाला मे अधिशासी अधिकारी (शालिनी गुप्ता) डी०पी०एम० अमरोहा (नदीम अख्तर), नवीन कुमार अग्रवाल लिपिक, मौ० यामीन, वार्ड न० 03 संदस्य अनवार अहमद, मौ० जुहेब, वचन सिंह आदि उपस्थित रहें।

प्रात: किरण ब्यूरो, इकरामुद्दीन मलिक

अमरोहा/गजरौला।नगर पालिका परिषद गजरौला के सभा कक्ष में स्वच्छ सर्वेक्षण 2024 से संबंधित कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें जीरो वेस्ट इवेंट के संबंध में जानकारी दी गई, साथ ही कार्यशाला में समझाया गया कि हम डिस्पोजल सामग्री का प्रयोग ना करके यदि स्टील या अन्य धातु से बने बर्तनों का प्रयोग करते हैं तो उससे हमें दो प्रकार के फायदे होंगे एक तो जहां हम कूड़ा कचरा करने से बचेंगे वही स्टील या अन्य धातु के बर्तनों को साफ करके पुनः उन्हें काम में ले सकेंगे।जिससे जहां एक ओर हमारा घर, हमारा कार्यालय, हमारी दुकान, हमारा प्रतिष्ठान साफ सुथरा रहेगा वहीं दूसरी ओर पैसे की बचत भी होगी तथा अपने शहर को स्वच्छ रखने में भी हम भागीदार बनेंगे। नगर पालिका परिषद की अध्यक्ष राजेंद्री(उमा देवी) द्वारा भी कर्मचारीयों एवं बाहर से आए व्यक्तियों को जीरो वेस्ट इवेंट के संबंध में जानकारी दी गई। उनके द्वारा बताया गया कि इसके माध्यम से हम अपने शहर को स्वच्छ रख सकते हैं। इस अवसर पर स्वच्छ स्वच्छता प्रेरक हरपाल सिंह, स्वच्छता प्रभारी एवं लेखाकार आदेश कुमार, वेद प्रकाश सिंह, अजय कुमार, ललित कुमार, इरशाद अली, वंदना अग्रवाल, संजय सागर, रविंद्र सिंह अक्षय शुक्ला ,शुभम सिंघल, विभोर जिंदल, ऋतिक सिंघल, रामपाल व्यास, आशीष मिश्रा,ओम प्रकाश , गौरव कुमार संजीव कुमार, देवेश कुमार, सफाई नायक जयचंद, गौतम, महेश, कपिल कुमार, बंशिक, सुमित आदि कर्मचारी एवं अधिकारिगण उपस्थित रहे।

भाजपा की साजिश के तहत दिल्ली का पानी हरियाणा ने रोका : आप

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

आम आदमी पार्टी(आप) ने हरियाणा पर दिल्ली का पानी रोकने का आरोप लगाते हुए कहा कि छठे चरण में मतदान से पहले पानी रोककर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने साज़िश रचने का काम किया है।

आप की वरिष्ठ नेता एवं दिल्ली सरकार की कैबिनेट मंत्री आतिशी ने बुधवार को कहा कि दिल्ली में आ रही यमुना की जल आपूर्ति हरियाणा द्वारा रोकी जा रही है। पिछले कुछ दिनों से पानी की कमी की शिकायतें आ रही हैं। ऐसी जगहों से भी समस्या आई जहां पानी की समस्या कभी नहीं रही। जब पता लगाया गया तो हरियाणा का सच सामने आया। उन्होंने कहा कि वजीराबाद में यमुना का जल स्तर सामान्य तौर पर 675 फीट होता है। जब कम होता है तो भी 672 फीट तक रहता है लेकिन 11 मई से 21 मई तक हरियाणा दिल्ली का पानी रोक रहा है। गत 11 मई को जल स्तर 671 फीट था, ये तीन दिन तक बना रहा तथा 21 मई को पानी घटकर 671 फीट के भी नीचे आ गया। सुश्री आतिशी ने आरोप लगाया कि 25 मई को मतदान से पहले भाजपा नया षड्यंत्र रच रही है। उन्होंने कहा हम दिल्ली के लोगों को सतर्क करना चाहते हैं कि आने वाले कुछ दिनों में 25 मई तक आए दिन नई साजिश की जाएगी और मतदाताओं को बरगलाया जाएगा। अब भाजपा जितनी भी साजिश कर ले, दिल्ली वालों को बेवकूफ नहीं बना सकती। दिल्ली की सातों सीटें भाजपा हार रही है और इंडिया समूह जीत रहा है।

आप नेता ने कहा कि यमुना का इतना कम स्तर कभी नहीं हुआ है और इसके लिए हरियाणा सरकार को पत्र लिखेंगे तथा जरुरत पड़ी तो अदालत जाएंगे।

बीडीओ विकास मित्तल ने क्षेत्र पंचायत कार्यालय में लगवाए सीसीटीवी कैमरे

प्रात: किरण संवाददाता मनोज शर्मा

अमरोहा। गजरौला। खंड विकास अधिकारी एवं क्षेत्र पंचायत कार्यालय में चौबीस घंटे हर प्रकार की गतिविधि पर नजर रखने के लिए (पीसीएस) खंड विकास अधिकारी विकास मित्तल ने कैमरो की सुविधा मुहैया कराई है। ये सीसीटीवी कैमरे क्षेत्र पंचायत कार्यालय में कर्मचारियो से लेकर आम आदमी पर 24 घंटे हर प्रकार की गतिविधि पर नजर रखेंगे। इतना ही नही इन सीसीटीवी कैमरो के लगने की वजह से लापरवाह कर्मचारी भी अपनी ड्यूटी पर मुस्तैदी के साथ तैनात रहते हुए कार्य कर ग्रामीणो की सुनवाई कर कार्य करेंगे। गौरतलब है कि जिले में छ क्षेत्र पंचायत कार्यालय हैं।जिनमें से गजरौला क्षेत्र पंचायत कार्यालय ही मात्रा एक ऐसा कार्यालय बन चुका है जिसमें कर्मचारियो से लेकर आम जनता की सुविधा के लिए 8 सीसीटीवी कैमरे लगवाए गए हैं।जरूरत पड़ने पर कमरो की यह सुविधा पीसीएस खंड विकास अधिकारी विकास मित्तल ने गजरौला ब्लॉक को मुहैया करा कर जिले में सीसीटीवी कैमेरे लगवाने की सूची में गजरौला ब्लॉक का नाम प्रथम स्थान पर दर्ज करा दिया है। पीसीएस खंड विकास अधिकारी विकास मित्तल ने बताया कि गजरौला ब्लॉक कार्यालय में आवश्यकता अनुसार 8 सीसीटीवी कैमरे लगवाए गए हैं।इन कैमरो की मदद से ब्लॉक कार्यालय की हर प्रकार की गतिविधि पर नजर रखी जाएगी। जिससे कर्मचारियो के साथ-साथ यहां पर आने-जाने वाले लोगो को भी उसका फायदा पहुंचेगा तथा यह सीसीटीवी कैमरे ब्लॉक प्रांगण में हर प्रकार की गतिविधि पर नजर रखने में कारगर साबित होंगे।

कार्य समय पर पूरा नहीं करने पर दो फर्मों को किया गया ब्लैक लिस्टेड

नगर के विकास कार्यों में लापरवाही बर्दाश्त नहीं: बृजेश कुमार

प्रात: किरण संवाददाता

अमरोहा। कार्य समय से पूर्ण न किये जाने पर आज पालिका द्वारा दो ठेकेदार/फर्म को ब्लेक लिस्टेड किया गया। इस सम्बन्ध मे विस्तार से से जानकारी देते हुए पालिका अधिशासी अधिकारी डॉ0 बृजेश कुमार द्वारा बताया गया की शासन की महत्वपूर्ण योजना पंडित दीनदयाल उपाध्याय नगर विकास योजना अंतर्गत पालिका द्वारा नगर क्षेत्र मे विभिन्न विकास कार्य कराये जाने के लिए टेंडर किये गए थे। जिनमे से अमरोहा नगर के किसान पेट्रोल पंप से ए. के. के. इंटर कालेज होते हुए शाह विलायत दरगाह की ओर साइड पटरी पर इंटर लॉकिंग का कार्य, कैलसा बाईपास रोड पर एच. पी. पेट्रोल पंप से कैलसा मुख्य रोड की ओर साइड पटरी पर इंटर लॉकिंग टाइल्स लगाने का कार्य व मौहल्ला घेर पछइयाँ मे तीन सड़को के निर्माण का कार्य होना था। जिसके टेंडर माह जून 2022 मे हो चुके थे, समय पर कार्य आरम्भ न करने पर पालिका द्वारा कई बार संबंधित ठेकेदार/ फर्म को नोटिस जारी किये गए, परन्तु फर्म द्वारा कार्य आरम्भ नहीं किया गया, जिस पर कड़ा रुख अख्तियार करते हुए बुधवार को पालिका अधिशासी अधिकारी डॉ0 बृजेश कुमार द्वारा पालिका मे पंजीकृत संबंधित फर्म मै0 श्री वासु कंसट्रैक्शन व मै0 मारुती कंस्ट्रक्शन को ब्लैक लिस्टेड करते हुए दोनों फर्मो द्वारा कार्य के लिए जमा कराई गयीं जमानत राशि जब्त किये जाने के आदेश दिए गए है। इसके साथ ही अधिशासी अधिकारी महोदय द्वारा चेतावनी जारी की गयीं है की सरकार की विभिन्न योजनाओं मे करवाये जा रहे समस्त विकास कार्यों के अंतर्गत पालिका क्षेत्र मे जितने भी कार्य करवाये जा रहे है। उन समस्त कार्यों मे निर्धारित मापदंडो के अनुसार कार्य निर्धारित समय अवधि मे पूर्ण करवाये जाएँ, विकास कार्यों मे किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी।

केंद्रीय गृहमंत्री शाह ने सिखों के गुरु अमरदास के प्रकाश पर्व की बधाई दी

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह एवं सहकारितामंत्री अमित शाह ने सिखों के गुरु अमरदास के प्रकाश पर्व पर आज देशवासियों को बधाई दी। उन्होंने कहा है कि गुरु अमरदास के आदर्श और सिद्धांत सदैव मानव समाज के लिए प्रेरणा स्रोत रहेंगे। केंद्रीयमंत्री शाह ने एक्स हैंडल पर लिखा है, सिख धर्म के तीसरे गुरु श्री गुरु अमरदास जी के प्रकाश पर्व की हार्दिक बधाई। गुरु साहिब जी का पूरा जीवन मानवता, परोपकार और सामाजिक कल्याण के लिए समर्पित था। उन्होंने बुराइयों से मुक्त समाज के निर्माण के लिए अथक परिश्रम किया और सभी को धर्म और सत्य का मार्ग दिखाया। गुरु साहिब जी के आदर्श और सिद्धांत सदैव मानव समाज के लिए प्रेरणा स्रोत बने रहेंगे। सिख धर्म के तीसरे गुरु श्री गुरु अमरदास जी के प्रकाश पर्व पर कोटि-कोटि नमन।

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ इस्लामिक गणराज्य ईरान रवाना

नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ईरान के राष्ट्रपति डॉ. सैय्यद इब्राहिम रईसी के निधन पर शोक व्यक्त करने के लिए आधिकारिक समारोह में हिस्सा लेने के लिए आज नई दिल्ली से इस्लामिक गणराज्य ईरान के लिए रवाना हो गए। रईसी को गुरुवार को सुपुर्द-ए-खाक किया जाएगा। इससे पहले मंगलवार को विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने दिल्ली में ईरानी दूतावास का दौरा किया। उन्होंने हेलिकॉप्टर दुर्घटना में राष्ट्रपति रईसी और विदेशमंत्री अमीरबदोल्लाहियान की मौत पर भारत की ओर से गहरी संवेदना व्यक्त की। जयशंकर ने कहा, भारत इस कठिन समय में ईरान के लोगों के साथ एकजुटता से खड़ा है। उल्लेखनीय है कि ईरान में हेलिकॉप्टर हादसे में दिवंगत राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी के अंतिम संस्कार कार्यक्रम मंगलवार से शुरू हो गए हैं। ईरान के उपराष्ट्रपति मोहसिन मंसूरी ने घोषणा की कि रईसी 23 मई को उत्तर-पूर्वी पवित्र शहर मशहद में सुपुर्द-ए-खाक होंगे। 28 जून को नए राष्ट्रपति पद के चुनाव होंगे।

कातिल भाभी ने कराई थी अपने ही देवर की हत्या

- गोली मारकर लाश फेंका था मोदी नगर गंग नहर के पास
- मृतक को जिंदा बताने इंस्टाग्राम पर ओल्ड वीडियो अपलोड
- 74 दिन बाद भाभी, उसके आशिक सहित 4 की गिरफ्तारी

बाबा हरिदास नगर थाना इलाके से लापता हुए एक युवक की उत्तर प्रदेश में हुई हत्या की सनसनीखेज मामले का आखिरकार पुलिस ने 74 दिन के बाद खुलासा कर लिया है। इस मामले में मृतक रवि उर्फ सोनू की सगी भाभी को गिरफ्तार करके उसके एक प्रेमी, उसके दोस्त और हथियार उपलब्ध करवाने वाले को भी पुलिस ने धर दबोचा है। हथियार के साथ-साथ वारदात में इस्तेमाल कार को भी पुलिस टीम ने जप्त किया है। गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान सीमा उर्फ रिंकू, नीरज सेहरावत, नीरज दहिया और अनुभव मलिक के रूप में हुई है।

भाभी, उसके आशिक ने मिलकर बनाया प्लान

डीसीपी द्वारका अंकित सिंह ने मामले की जानकारी देते हुए बताया कि हत्या का यह प्लान सीमा, उसके आशिक और बाकी आरोपियों ने पूरी तरीके से मिलकर फुल प्रूफ बनाया था। जिससे कि पुलिस को भनक न लगे और मृतक के भाई- बहन और दूसरे परिवार वाले उसे जिंदा समझकर ध्यान ना दे सकें। इसी कारण से मार्च में लापता हुए रवि की हत्या की गुत्थी को सुलझाने में 74 दिन लग गए।

मृतक के मोबाइल नबर सीसीटीवी से जांच

पुलिस के अनुसार मृतक रवि की बहन ज्योति ने 24 मार्च को बाबा हरिदास नगर थाने में अपने भाई के लापता होने की शिकायत दर्ज कराई थी। कहा कि उसका भाई 5 - 6 मार्च की रात से लापता है। मामला दर्ज करके पुलिस ने छानबीन शुरू की थी और बाद में इस मामले की छानबीन के लिए द्वारका जिला के एएटीएस की टीम को विशेष तौर पर लगाया गया था। इंस्पेक्टर कमलेश कुमार की देखरेख में एसआई दिनेश, हेड कांस्टेबल जगत इत्यादि की टीम लगातार काम कर रही थी। पुलिस ने मृतक के मोबाइल नंबर की डिटेल खंगाला, टेक्निकल सर्विलांस के साथ-साथ सीसीटीवी फुटेज की भी मदद ली गई।

मृतक के कॉल डिटेल से मिलने लगा सुराग

पुलिस को पता चला मृतक रवि भाई और भाभी सीमा उर्फ रिंकू के साथ शिव एंक्लेव पर रहता था। उसने 5 - 6 मार्च की रात नीरज सहरावत नाम के सख्स को कॉल किया था। रवि की बहन के अनुसार उसका भाई 5 मार्च की रात से लापता हो गया था। लेकिन पुलिस को टेक्निकल जांच से पता चला कि 8 मार्च को उसका लोकेशन उसके घर के आसपास ही था। उसके बाद उसके मोबाइल का लोकेशन जनकपुरी एरिया में दिखने लगा था। ज्योति ने पुलिस को बताया कि जब होली पर अपने भाई के यहां पहुंची थी तो रवि नहीं मिला। भाभी से पूछा तो उसने बताया कि बाहर गया था, लेकिन उसका फोन चल रहा है, वह बात नहीं कर रहा है। उसका व्हाट्सअप ऑनलाइन भी है। तब ज्योति ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी।

भाभी इस हत्या की कहानी का निकली सूत्रधार

हेड कांस्टेबल जगत सिंह ने टेक्निकल सर्विलांस की मदद से पूरा डिटेल निकालकर जांच की तो फिर इस पूरे मामले का खुलासा पुलिस टीम ने किया। पता चला कि 5 मार्च कि रात नीरज दहिया गंग नहर मोदीनगर के पास मौजूद था। उसके बाद वह वापस आया, तीसरा आरोपी नीरज सहरावत भी नीरज दहिया के साथ उसे रूट पर देखा गया। टोल प्लाजा के सीसीटीवी फुटेज में भी नजर आया जो कार सीमा उर्फ रिंकू की थी। उस कार का मूवमेंट भी टोल प्लाजा पर दिख गया। इन तमाम सबूत के बाद जब पुलिस टीम ने इन तीनों को हिरासत में लेकर पूछताछ की तो पूरे मामले का खुलासा हो गया। जब पुलिस को सीमा ने कहानी बताई तो पुलिस भी सुनकर चौंक गई। क्योंकि वही भाभी इस हत्या की कहानी का पूरा सूत्रधार निकली थी।

गोली लगी बॉडी मिली यूपी में दर्ज हुआ मर्डर केस

पता चला कि रवि उर्फ सोनू को गोली मारकर उसकी बॉडी को गंग नहर के पास फेंक दिया गया था। नीरज दहिया और नीरज सेहरावत वहां से वापस आ गया, मृतक का मोबाइल लेकर। पुलिस जब गंग नहर पहुंची तो पता चला कि 6 मार्च को गोली लगी एक अननोन डेड बॉडी उत्तर प्रदेश पुलिस को मिली थी। उस मामले में वहां की पुलिस ने भी हत्या का मामला दर्ज किया था। जो फोटोग्राफ वहां की पुलिस के पास था उससे मृतक की पहचान रवि उर्फ सोनू के रूप में हो गई। सीमा का नीरज सहरावत के साथ था अफेयर

पुलिस को पता चला कि सीमा उर्फ रिंकू का नीरज सहरावत के साथ अफेयर था और वह उसी के साथ रहना चाहती थी। लेकिन इसमें देवर उसका बाधक बन रहा था। कुछ समय पहले रवि ने गांव में जमीन बेची थी 18 लाख में। सीमा ने बहाना बनाकर उससे काफी अमाउंट लिया था, लेकिन वापस नहीं दिया। जब रवि पैसा वापस करने के लिए दवाब बनाने लगा तो सीमा ने फिर अपने आशिक नीरज सहरावत और उसके मित्र नीरज दहिया को इसकी जानकारी दी और फिर इन लोगों ने अनुभव मलिक से हथियार का इंतजाम किया। हरिद्वार घूमने के बहाने रवि को साथ ले गए और वहां गोली मार कर रवि की हत्या करके बॉडी को गंग नहर के पास फेंक दिया। वहां से दोनों वापस दिल्ली आ गए। मृतक के मोबाइल से इंस्टा पर डाला पुराना वीडियो

जब रवि के बड़े भाई सोनू ने इनसे पूछताछ किया तो बताया कि रवि हरिद्वार चला गया। उसे जिंदा दिखाने के लिए इन लोगों ने रवि के इंस्टाग्राम पर उसी के मोबाइल से पुराना वीडियो अपलोड किया। जिससे कि पता चले कि वह जिंदा है, लेकिन बात नही कर रहा है। जो वीडियो इन्होंने अपलोड किया था, वह रवि के मोबाइल में पुराना वीडियो था। जिसे नया बात कर अपलोड किया गया था।

मुख्यमंत्री केजरीवाल कांग्रेस के लिए मतदान करेंगे और राहुल आप को वोट देंगे: राघव चड्ढा

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

आम आदमी पार्टी (आप) के राज्यसभा सदस्य राघव चड्ढा ने इस लोकसभा चुनाव में अपनी पहली जनसभा में कहा कि जब राष्ट्रीय राजधानी में चुनाव होंगे तो दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल कांग्रेस के लिए मतदान करेंगे और राहुल गांधी आम आदमी पार्टी के प्रत्याशी को वोट देंगे। ब्रिटेन से आंख की सर्जरी कराके भारत लौटने के बाद राघव चड्ढा ने पहली बार जनसभा को संबोधित किया। दक्षिण दिल्ली लोकसभा क्षेत्र में अपनी पार्टी के उम्मीदवार सहीराम पहलवान के समर्थन में आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए चड्ढा ने कहा, ह्मैं यहां अपने भाई का समर्थन करने आया हूं, सिर्फ इसलिए नहीं कि वह एक अच्छे इंसान हैं, बल्कि इसलिए भी कि यह चुनाव देश और संविधान को बचाने के लिए है। राज्यसभा सदस्य ने जनसभा में कहा कि आपके मतदान पर ही आपके बच्चों का भविष्य निर्भर करता है।

केजरीवाल को गिरफ्तार किए जाने के बाद लंबे समय तक राघव चड्ढा की अनुपस्थिति के सवालों पर आप नेता सौरभ भारद्वाज ने कहा था कि चड्ढा को आंख की गंभीर बीमारी हो गई है और इससे उनकी आंखों की रोशनी भी जा सकती है।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के मुख्यालय पर आप द्वारा किए गए विरोध-प्रदर्शन में भी राघव मौजूद थे। राघव चड्ढा ने कहा, जब से आप ने दिल्ली की सत्ता संभाली है तो यहां के लोगों ने बिजली, दवा, पानी, स्कूल फीस पर प्रति माह लगभग 18,000 रुपये की बचत की है और महिलाओं के बस किराये के खर्च में भी बचत हुई है। उन्होंने कहा कि इसके बदले में हम केवल आपका वोट मांग रहे हैं। आप नेता ने कहा, 25 तारीख को झाड़ू (आप का चुनाव चिह्न) का बटन दबाएं और केजरीवाल का समर्थन करें। जब राहुल गांधी 25 मई को मतदान करेंगे तो वह आप उम्मीदवार को वोट देंगे और झाड़ू चिह्न दबाएंगे। इसी तरह, जब मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल अपने मताधिकार का इस्तेमाल करेंगे तो वह कांग्रेस को वोट देंगे। पिछले लोकसभा चुनाव में चड्ढा ने दक्षिण दिल्ली सीट से चुनाव लड़ा था, लेकिन वह भाजपा के रमेश बिधूड़ी से हार गए थे। चड्ढा ने कांग्रेस-आप गठबंधन की जीत का दावा करते हुए कहा, मुझे विश्वास है कि इस बार हम दक्षिण दिल्ली में सबसे ज्यादा वोटों से जीतेंगे। दिल्ली की सभी सात लोकसभा सीट पर 25 मई को मतदान होगा।

संक्षिप्त खबरें

मतदान को शांतिपूर्ण कराने को लेकर रक्सौल बॉर्डर आज से 25 मई तक हुआ सील

रक्सौल।पूर्वी चंपारण व पश्चिम चंपारण में छठे चरण में 25 मई को मतदान होना है। मतदान को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने को लेकर भारत-नेपाल सीमा को आज से 25 मई शाम 6 बजे तक बॉर्डर को सील कर दिया गया है। 25 मई को मतदान के बाद शाम 6 बजे से बॉर्डर को खोल दिया जाएगा। इस दौरान स्वास्थ्य सेवाओं सहित अन्य इमरजेंसी सेवाएं चालू रहेंगी। सीमावर्ती क्षेत्र में 25 मई को होने वाले मतदान को लेकर सुरक्षा के दृष्टि से भारत नेपाल सीमा को रविवार शाम 6 बजे तक आवागमन के लिए बंद कर दिया गया है। बॉर्डर सील होने के बाद सभी प्रकार के वाहनों का आना व जाना बंद हो गया है। वही पैदल आते व जाते लोगों को देखा गया। भारत-नेपाल का मुख्य बॉर्डर मैत्री पुल, पंटोका, शिवान टोला, सहदेवा, महदेवा, मुशहरवा में सुरक्षाबलों को तैनात कर दिया गया है। चुनाव को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने को लेकर एसएसबी के द्वारा बॉर्डर पर गहनता से जांच की जा रही है। वही बॉर्डर के सील होने से लोगों की परेशानिया भी देखने को मिली।

चोरी किया हुआ 07 माह की बच्ची सकुशल बरामद, एकआरोपी गिरफ्तार

प्रात: किरण, संवाददाता

जमुई/सोनो। क्षेत्र के ग्राम-मंडवाटाड़ बाबुडीह से पुलिस ने एक व्यक्ति को बच्चा चोरी करने के आरोप में गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार व्यक्ति के निशानदेही पर एक 7 माह के बच्ची को पुलिस ने बरामद किया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान नन्दकिशोर दास पिता कदु दास पता- लखनकियारी थाना सोनो जिला-जमुई के रूप में हुई है। मिली जानकारी के अनुसार आरोपी नंदकिशोर दास और उसका बेटा सुरेश दास कोलकाता के सियालदह में मजदूरी का काम करता था। नंदकिशोर दास का साला परमेश्वर दास के बेटे रंजीत दास को केवल एक लड़का था, रंजीत दास को एक बेटी चाहिए थी। जिसको लेकर परमेश्वर दास की नंदकिशोर दास से एक नवजात लड़की लाने की बात कही गई थी। इसके बाद नंदकिशोर दास ने अपने बेटे सुरेश दास के साथ मिलकर नवजात बच्ची को कोलकाता के मुचीपारा, सियालदह से चुराकर सोनो ले आया, और बच्चे का सौदा अपने साले परमेश्वर दास के हाथों 6 हजार रुपए में कर दिया।

मामले का खुलासा तब हुआ जब चौकीदार इंद्रदेव पासवान को बीते रात सूचना मिली कि लखनकियारी गांव के सुरेश दास उर्फ देव दास और उसका पिता नन्दकिशोर दास दोनों मिलकर सियालदह कोलकाता से एक 7 माह के बच्ची को चुरा कर लाया है और चोरी छुपे उसको बेचने के लिया छुपाकर अपने ससुराल सोनो थाना क्षेत्र के मंडवाटांड बाबुडीह गांव में अपने साले परमेश्वर दास के घर पर रखा है। मामले की जानकारी देते हुए अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी राजेश कुमार ने बताया कि चौकीदार की सूचना के बाद मामले की जानकारी पुलिस अधीक्षक जमुई को दी गई। एसपी दिशा निर्देश पर एक छापेमारी दल का गठन किया गया। छापेमारी दल द्वारा ग्राम पहुँचकर प्रमेश्वर दास के घर पर छापामारी की गयी तो प्रमेश्वर दास के द्वारा बताया गया कि बच्चा मेरे पास नहीं है, बच्चा महादेव दास के पास है। तत्पश्चात महादेव दास के घर पर छापेमारी कर सकुशल उक्त 07 माह की बच्ची को बरामद किया गया तथा साथ ही नन्दकिशोर दास को आवश्यक पूछताछ के लिए थाना लाया गया। पूछ-ताछ के क्रम में यह पता चला कि प्रमेश्वर दास का पुत्र रंजीत दास का एक लड़का था, लड़की नहीं रहने के कारण उक्त 07 माह की बच्ची को बेचने के लिये 6000/- (छह हजार) रू० में बातचीत किया था।पुलिस द्वारा जब कोलकाता पुलिस से संपर्क किया गया तो यह जानकारी सामने आई की बच्चा चोरी के संबंध में मुचीपारा, सियालदह थाना कांड सं0-72/24 दिनांक-20.05. 2024 धारा-363 भा०द०वि० अज्ञात के विरूद्ध दर्ज किया गया है। इसके बाद इस संबंध में कोलकाता पुलिस को सूचना दी गई। जिसके बाद कोलकाता पुलिस बच्चों की मां को लेकर सोनो थाना पहुंच गए। जमुई पुलिस ने 7 माह की बच्ची को चिकित्सीय जांच के बाद सियालदह पुलिस और उसकी मां को सुपुर्द कर दिया। वहीं पुलिस गिरफ्तार आरोपी नंदकिशोर दास को न्यायिक हिरासत में भेजने की तैयारी कर रही है। तो वही इस मामले में अन्य आरोपी फरार हैं, जिसकी पुलिस द्वारा गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है। छापेमारी टीम में सोनो थानाध्यक्ष दीनानाथ सिंह, पु०अ०नि० मंकेश्वर प्रसाद , तकनिकी शाखा जमुई सहित सशस्त्र बल शामिल रहे।

रजनीगंधा-तुलसी का पैसा मांगने पर कार सवार बदमाशों ने दुकानदार को मारी गोली

प्रात: किरण, संवाददाता

मधेपुरा जिले के उदाकिशुनगंज अनुमंडल क्षेत्र के बिहारीगंज अंतर्गत परिया पंचायत के लक्ष्मीपुर लालचंद वार्ड नंबर 12 निवासी अवध किशोर मेहता अपने घर पर ही किराना का दुकान चलाते हैं। अपने दुकान पर बैठे थे कि इतने में ही एक चार चक्का वाहन पर सवार कुछ लोग आये और उनसे रजनीगंधा तुलसी लिया, वही पैसा मांगते ही वाहन में पीछे बैठे एक शख्स ने उनपर गोली चला दिया। हो हल्ला मचाने पर आस पास के लोग जबतक वहाँ पहुँचे वो लोग हथियार लहराते हुए बिहारीगंज की ओर भाग निकले। परिजनों ने स्थानीय ग्रामीणों की सहयोग से जख्मी को बिहारीगंज सीएचसी में भर्ती करवाया जहाँ से प्राथमिक ईलाज कर बेहतर ईलाज के लिए उन्हें जननायक कपूर्री ठाकुर मेडिकल कॉलेज मधेपुरा रेफर कर दिया गया। बताया जा रहा है कि गोली जख्मी के बायीं तरफ के गाल को छूते हुए निकल गयी है। चिकित्सकों के अनुसार जख्मी खतरे से बाहर है। इधर घटना कि सूचना मिलते ही बिहारीगंज थाना कि पुलिस घटनास्थल पर पहुँच मामले की छानबीन में जुट गयी है। इधर घटना को लेकर बिहारीगंज प्रभारी थाना अध्यक्ष जया कुमारी ने बताया कि जानकारी मिली कि कार सवार लोगों ने घटना को अंजाम दिया है। फिल्हाल जख्मी का ईलाज मेडिकल कॉलेज मधेपुरा में चल रहा है। पुलिस मामले की छानबीन में जुट गयी है।

पंचायती के दौरान भाई बहन के साथ मारपीट कर ईट पत्थर चलाकर किया घायल

प्रात: किरण, संवाददाता

जमुई [झाझा] घरेलू विवाद में हो रहे पंचायती के दौरान महिला और उसके भाई के साथ महिला की बड़ी ननद एवं अन्य लोगों ने ईट पत्थर से मारपीट करते हुए घायल कर दिया। घायल की पहचान खैरा थानाक्षेत्र के डुमरियाटांड के रहने वाले रितेश कुमार और उसकी बहन झाझा थानाक्षेत्र के करहरा गांव की रहने वाली फुलकुमारी देवी के रूप में हुई है। मारपीट के कारण घायल भाई बहन को इलाज के लिए परिजनों की मदद से रेफरल अस्पताल लाया गया जहां चिकित्सक ने घायलों का इलाज किया। घायल रितेश कुमार ने बताया कि मेरी बहन का ससुराल करहरा है और अक्सर मेरी बहन की बड़ी ननद बबीता देवी मेरी बहन के साथ विवाद करते रहता है जिसको लेकर बबीता देवी का ससुराल केशोपुर गांव में हमलोग अपनी बहन को लेकर उसके घर पर पहुंचकर विवाद सुलझाने को लेकर आपस में ही पंचायती कर रहे थे कि तभी बबीता देवी और उसका बेटा एवं अन्य लोगों ने हमलोगों के साथ विवाद करना शुरू कर दिया और मेरी बहन के साथ मारपीट करते हुए उसके ऊपर ईट से प्रहार कर घायल कर दिया जब मैं अपनी बहन को बचाने की कोशिश किया तो मेरे उपर भी ईट पत्थर चलाकर मुझे भी घायल कर दिया। घायल ने बताया कि घटना की जानकारी दी तो वहां से सबसे पहले इलाज के लिए अस्पताल भेजा।

बीडीओ ने दो पंचायत में बन रहे वेस्ट प्रोसेंगिग यूनिट कार्य का किया निरीक्षण

प्रात: किरण, संवाददाता

जमुई [झाझा] बुधवार को प्रखंड क्षेत्र के बलियाडीह पंचायत व रजला पंचायत में बन वेस्ट प्रोसेंगिग यूनिट के चल रहे कार्य को लेकर बीडीओ रविजी कार्यस्थल पहुंचकर निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होनें संबंधित मुखिया व सचिव को वेस्ट प्रोसेंगिग यूनिट को जल्द से जल्द पूरा करने के लिए कहा। बीडीओ ने कहा कि ससमय इसका कार्य पूरा कर दे ताकि ग्रामीणों को इसका लाभ मिल सके। इसके अलावे बीडीओ ने पंचायत में स्वच्छता को लेकर भी दिशा निर्देश देते हुए कहा कि स्वच्छता को लेकर केंद्र व राज्य सरकार सचेत है। वेस्ट प्रोसेंगिग यूनिट का निर्माण हो जाने से पंचायत के सभी घर से कचरा का उठाव होकर क्रियान्वयन किया जा सके। बीडीओ ने बताया कि बलियाडीह पंचायत में मनरेगा द्वारा कार्य करवाया जा रहा है जबकि रजला पंचायत में 15वीं वित्त योजना के तहत कार्य हो रहा है। मौके पर कई लोग उपस्थित थे।

सोनपुर मंडल द्वारा चलाया विशेष टिकट जांच अभियान

प्रात: किरण, संवाददाता

हाजीपुर। सोनपुर मंडल द्वारा उचित टिकट/प्राधिकार के साथ यात्रा करने वाले रेल यात्रियों की सुविधा को लेकर निरंतर सजग व कार्यरत है। इसी क्रम में बिना टिकट/बिना उचित प्राधिकार के रेल यात्रा करने के विरुद्ध सोनपुर मंडल में निरंतर टिकट चेकिंग अभियान सघनतापूर्वक कराया जा रहा है। इसी क्रम में दिनांक 21.05.2024 को सोनपुर मंडल के विभिन्न खण्डों पर सुबह 06.00 बजे से रात्रि 20.00 बजे तक 14 घंटे तक विशेष मेगा टिकट जांच अभियान चलाया गया । इस दौरान वाणिज्य विभाग के अधिकारियों की अलग-अलग टीम तथा टिकट चेकिंग दस्ते एवं आरपीएफ जवान तैनात कर प्लेटफॉर्मों तथा स्टेशन से गुजरने वाली गाड़ियों में तथा प्रमुख स्टेशनों से गुजरने वाली गाड़ियों में ऑन बोर्ड गहनता से टिकट जांच अभियान चलाया गया, जिसमें बिना टिकट/बिना उचित प्राधिकार के कुल 4943 मामलों से जुमार्ने के रूप में 33 लाख 36 हजार रुपये की राशि प्राप्त हुई। इस अभियान के दौरान मंडल के सोनपुर, हाजीपुर, मुजफ्फरपुर, बरौनी, बेगुसराय, खगड़िया, मानसी एवं नवगछिया आदि स्टेशनों पर मुख्य रूप से टिकट जांच की गई। साथ ही अळ्श्ट एवं वळर मोबाइल एप के द्वारा टिकट खरीदने हेतु यात्रियों को जागरूक भी किया गया । विदित हो कि चालू *वित्त वर्ष (2024-25) में 21 मई तक बिना टिकट/बिना उचित प्राधिकार के लगभग 01 लाख 41 हजार मामलों से जुमार्ने के रूप में 08 करोड़ 94 लाख रुपये *की वसूली की जा चुकी है। इन टिकट चेकिंग अभियानों के परिणामस्वरूप स्टेशनो के टिकट काउंटरो पर बढ़ी हुई भीड़ देखी गयी और यात्री उचित टिकट लेकर रेल यात्रा करने के प्रति जागरूक हुए। इस टिकट जांच अभियान में सोनपुर मंडल के वाणिज्य विभाग के अधिकारी एवं टिकट चेकिंग स्टाफ तथा आरपीएफ स्टाफ भी शामिल रहे। इस तरह के टिकट चेकिंग अभियान मंडल में आगे भी जारी रहेंगे । सोनपुर मंडल यात्रियों से अपील करती है कि बिना टिकट कभी भी रेल यात्रा न करें। सदैव रेल टिकट लेकर उचित श्रेणी में ही रेल यात्रा करें।

बिक्रम में स्कूली बच्चों ने अभिभावकों को मतदान के लिए किया प्रेरित, निकाली रैली

प्रात: किरण, संवाददाता

बिक्रम :- गोपाल विद्यार्थी` लोस आम निर्वाचन 2024 में मतदान प्रतिशत बढ़ाने के उद्देश्य से जिला प्रशासन के निदेर्शानुसार मतदाताओं को विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से लगातार जागरूक किया जा रहा है` जिला प्रशासन समेत स्वीप व विभिन्न संगठनों व शैक्षणिक संस्थानों में कार्यक्रम आयोजित कर क्षेत्रीय मतदाताओं को मतदान हेतु प्रेरित किया जा रहा हैं इसी कड़ी में बुधवार को स्थानीय पार्वती हाई स्कूल के बच्चों ने प्राचार्य डॉ मनोज कुमार सिंह के नेतृत्व में मतदाता जागरूकता रैली निकाल कर क्षेत्रीय लोगों व अभिभावकों को मतदान का महत्व बताते हुए मतदान करने के लिए प्रेरित किया` रैली से पूर्व विद्यालय परिसर में छात्र-छात्राओं ने मतदान हेतु प्रेरक पोस्टर लगाए` रैली के दौरान बच्चों ने जन-जन का यह नारा है, मतदान अधिकार हमारा है। एक दो तीन चार मतदान है सबका अधिकार, पहले मतदान फिर जलपान आदि नारों का उद्घोष करते हुए लोगों को जागरूक किया। रैली पार्वती हाई स्कूल बिक्रम से निकलकर बाजार परिसर होते हुए असपुरा चौक पहुंची पुनः उसी रास्ते विद्यालय परिसर वापिस हो गयी। रैली के दौरान सैंकड़ों छात्र छात्राएं शामिल होकर लोगों को मतदान के लिए प्रेरित किया` मौके पर विद्यालय के प्राचार्य डॉ मनोज कुमार सिंह, शिक्षक विकास मोहन, सुधीर कुमार, रणधीर कुमार, अमित कुमार, माधवेंद्र पाठक, संतोष तिवारी, विपिन कुमार, रवि शंकर कुमार, सुनीता कुमारी, हरेंद्र सिंह, सुनीता कुमारी तथा हयुमाना पीपल टू पीपल इंडिया की डायट कॉर्डिनेटर नाज़िया खान व स्कूल समन्वयक प्रीति कुमारी आदि मुख्य रूप से शामिल थे ।

पूर्व मंत्री सह जेडीयू विधायक के निजी सचिव के भाई की गोली मारकर कर दी गई हत्या

- पुलिस के लिए चुनौती, मामले की तफ्तीश में जुटी पुलिस

प्रात: किरण, संवाददाता

मधेपुरा आलमनगर जेडीयू विधायक सह पूर्व मंत्री के निजी सचिव विनोद यादव के भाई प्रमोद यादव की अज्ञात अपराधियों ने गोली मारकर हत्या कर दी। मामला पुरैनी थाना क्षेत्र के कुरसंडी पंचायत स्थित वार्ड संख्या 10 बाला टोल गांव की है। बताया जा रहा कि मृतक प्रमोद यादव देर रात दूध डेरी फॉर्म से अपने घर लौट रहा था, इसी क्रम में अज्ञात अपराधियों ने गोली मार दी। गोली मृतक के कमर में लगी जिसे आनन फानन में स्थानीय ग्रामीणों ने पुरैनी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती करवाया जहां चिकित्सकों ने गंभीर हालत देख बेहतर इलाज हेतु भागलपुर के मायागंज रेफर कर दिया। हालांकि भागलपुर के मायागंज से भी चिकित्सकों ने हायर सेंटर पटना रेफर कर दिया जिससे गंभीर हालत में प्रमोद यादव ने रास्ते में हीं दम तौर दिया। मृतक की पहचान कुरसंडी पंचायत के बाला टोल गांव स्थित वार्ड संख्या 10 निवासी दुखहरण यादव के पुत्र प्रमोद यादव सह पूर्व मंत्री के निजी सचिव विनोद यादव के सगे भाई के रूप में हुई है। वहीं घटना की सूचना पाते ही पुरैनी थाना अध्यक्ष धर्मेंद्र कुमार ने दलबल के साथ घटनास्थल पर पहुंचकर मामले की तफ्तीश प्रारंभ कर दी है। मृतक के परिजनों ने बताया कि प्रमोद दूध देरी फॉर्म से करीब 9 बजे घर लौट रहा था इसी क्रम में चार की संख्या में अपराधियों ने घटना को अंजाम देकर फरार हो गए। वहीं इस मामले को लेकर उदाकिशुनगंज इंस्पेक्टर सह प्रभारी एसडीपीओ वासुदेव रॉय ने बताया कि मामले की तफ्तीश की जा रही है तत्काल अपराधियों की गिरफ्तारी को लेकर छापेमारी अभियान चलाया जा रहा है उन्होंने बताया कि फिलहाल पीड़ित परिजनों के द्वारा आवेदन प्राप्त नहीं हुई है आवेदन प्राप्त होते हीं प्राथमिकी दर्ज कर कार्रवाई की जाएगी।

कॉलेज की लडकियों का अश्लील फोटो बनाने वाला अपराधी गिरफ्तार

प्रात: किरण, संवाददाता

भगवानपुर। प्रखंड क्षेत्र में साइबर अपराधियों काफी सक्रिय हो गए है इन साइवर अपराधियों द्वारा द्वारा सुनियोजित ढंग से महाविद्यालय के लडकियों का अश्लील फोटो और विडियो बनाकर उन्हें प्रताड़ित करने तथा उन्हें ब्लैकमेल करने का कारोबार काफी दिनों से चलाया जा रहा हैकइस इलाके के सबसे लोकप्रिय एवम पुराना महाविद्यालय लक्ष्मी नारायण कॉलेज की लड़कियां भी इसका शिकार हो रही हैं' इसी प्रकार की एक शिकायत महाविद्यालय के एंटी सेक्सुअल हैरेसमेंट सेल में आई, जिसपर महाविद्यालय प्रशासन द्वारा पुलिस में शिकायत दर्ज कारवाई थी। हाजीपुर के साइबर सेल ने इसपर तत्परता से कार्रवाई करते हुए अपने अनुसंधान के क्रम में एक अपराधी को अमरेश कुमार,किरतपुर,राजराम को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया है गिरफ्तार अपराधी अपने आपको पर्यटन विभाग का उच्च अधिकारी होने का धौस जमाता था।

इस त्वरित कार्रवाई के लिए हाजीपुर साइबर सेल का महिला प्रभार विशेष धन्यवाद का पात्र है' इससे महाविद्यालय प्रशाशन तथा छात्राओं का मनोबल बढेगा और वे पढाई छोड़कर घर में बैठने को बाध्य नहीं होंगी' बल्कि इनका मुकाबला कर पाएंगी' इससे सरकार की ह्यबेटी बचाओ बेटी पढाओह्न योजना को बल मिलेगा' महाविद्यालय की प्राचार्या सुनीता डा सुनीता कुमारी गुप्ता ने पुलिस पदाधिकारियों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करते हुए उनकी भूत भूरी प्रशंसा की है।

जमुई की ओर से जिला प्रदीप केसरी के नेतृत्व में सुशील मोदी को श्रद्धांजलि दि

प्रात: किरण, संवाददाता

जमुई : दधिचि देहदान समिति जमुई की ओर से सुशील कुमार मोदी जी के पुण्य स्मृति में श्रद्धांजलि सभा के आयोजन के मौके पर कुंज बिहारी बांका ने अपना अंगदान करने का संकल्प लिया एवं जिले वासियों से नेत्रदान अंगदान करने का आह्वान भी किया। वहीं जिले के प्रसिद्ध हड्डी रोग विशेषज्ञ डॉक्टर नीरज साह ने कहा है कि यह संस्था समाज के लिए उपयोगी है । जिले के सभी लोगों को संगठन से जोड़ने का अनुरोध किया। यह संस्था धर्म और जाति से ऊपर उठकर काम कर रही है। साथ ही महासचिव दिलीप साहू जी ने कहा कि हम सबको नेत्रदान अंगदान करना चाहिए। समिति के अध्यक्ष प्रदीप केसरी ने जिले वासियों से जीते जी रक्तदान मृत्यु उपरांत अंगदान करने का संकल्प पत्र भरने का अनुरोध किया है। संरक्षक डॉ मनोज सिन्हा ने कहा कि हम सबको सुशील कुमार मोदी जी के मार्गदर्शन में चलकर उनके अधूरे सपने को पूरा करना है। इस मौके पर उपस्थित उपाध्यक्ष मनोज कुमार उर्फ मंटू जी, डॉक्टर महेंद्र बरनवाल, संरक्षक महेश प्रसाद केसरी, चंद्रदेव सिंह ,डॉ अमर मोदी, नितेश केसरी, बुद्धिजीवी उपस्थित होकर श्रद्धा सुमन अर्पित किए।

चार दिवसीय अयोध्या धाम यात्रा को झंडी दिखाकर किया गया रवाना

प्रात: किरण, संवाददाता

महुआ कृषक कल्याण समिति परसौनिया द्वारा चार दिवसीय अयोध्या धाम यात्रा(श्री राम लला दर्शन) को झंडा दिखाकर हिंदू जागरण मंच के अध्यक्ष विनोद यादव, जिला सचिव अमर कुशवाहा, आर के डेयरी के संस्थापक रणधीर कुमार, समिति के अध्यक्ष विश्वनाथ सिंह, सचिव संजीव कुमार एवं डॉ अजय कुमार आदि ने रवाना किया। चार दिवसीय यात्रा की जानकारी देते हुए डॉ अजय कुमार ने बताया कि यह चार दिवसीय यात्रा थावे होते हुए गोरखपुर में गोरखनाथ मंदिर दर्शन करना है। यात्रा के दुसरे दिन कबीर दास जी के समाधि स्थल मगहर होते हुए अयोध्या धाम पहुंचना है। वहीं तीसरे दिन अयोध्या धाम से विंध्याचल होते हुए बनारस तथा चौथे दिन बनारस से ताड़का वध स्थान बक्सर होते हुए यात्रा अपनी पूर्णता प्राप्त करेगी।श्री राम लाल दर्शन हेतु इस यात्रा से परसौनिया ग्राम में उल्लास का माहौल बना हुआ है। सैकड़ो लोगों ने अन्न, वस्त्र एवं धन का दान देकर इस यात्रा को सफल बनाने में सहयोग किया साथ ही ग्रामीण जनों ने यात्रा प्रारंभ के समय जय श्री राम के जयघोष से वातावरण को गुंजायमान कर दिया। इस यात्रा में कुल 71 महिला पुरुष तीर्थयात्री यात्रा पर गए हैं।यात्रा को ज्ञान ज्योति गुरुकुलम कन्हौली के ब्रह्मचारियों द्वारा मंगल आरती हवन पूजन तथा चंदन वंदन के साथ प्रारंभ किया गया। यात्रा के सफलता के लिए पिछले कई दिनों से दीपक कुमार, राजा बाबू, शुशांत,राजेश सिंह,निकेत, प्रियेश,प्रीतेश आदि ने लगातार सक्रिय भूमिका निभाई है।

विवाहिता महिला की संदिग्त हालत में हुई मौत

मायका वालो के परिजन ने लगाया आरोप, दहेज नहीं देने के कारण कर दी गई हत्या

प्रात: किरण संवाददाता

मधेपुरा जिले के श्रीनगर थाना क्षेत्र अंतर्गत पुरैनी में एक विवाहिता की संदिग्ध स्थिति में मौत हो गई। मृतका की पहचान पुरैनी वार्ड 10 निवासी मो. रियाज की पत्नी (25) फरीदा खातुन के रूप में हुई। मायके वालों ने ससुराल वालों पर हत्या का आरोप लगाया है। घटना के बाद पति समेत ससुराल के सभी लोग फरार बताए जा रहे हैं। मृतका के मामा मो. आलबीन ने बताया कि फरीदा खातुन की शादी लगभग 8 साल पहले श्रीनगर थाना क्षेत्र के पुरैनी वार्ड-10 निवासी मो. रियाज के साथ हुई थी। शादी में डेढ़ लाख रुपए दहेज भी दिया गया था। शादी के कुछ दिन बाद ही ससुराल वाले एक लाख रुपए और दहेज की मांग करने लगे। इसके लिए फरीदा के साथ ससुराल में अक्सर मारपीट किया जाता था। पिता मो. मुनिफ ने बताया कि मंगलवार की शाम पता चला कि फरीदा की मौत हो गई है। जानकारी मिलने पर जब वे लोग ससुराल पहुंचे तो घर के सभी लोग फरार थे। फरीदा का शव घर में रखा हुआ था। इसकी जानकारी श्रीनगर थाना को दी गई। इसके बाद शव को थाना लाया गया, जहां कागजी प्रक्रिया पूरी कर बुधवार की सुबह पोस्टमार्टम के लिए मधेपुरा सदर अस्पताल भेज दिया। बताया गया कि मृतका फरीदा खातून को तीन बच्चे हैं। सबसे छोटा बच्चा मात्र 6 महीना का है। मौत के बाद मृतका के मायके में कोहराम मच गया परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है। इस बाबत श्रीनगर थानाध्यक्ष राघवेंद्र नारायण ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। मृतका के पिता के आवेदन पर पति समेत चार लोगों पर हत्या केस दर्ज कर लिया गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है

डीबीडीसी टीम अस्पताल पहुंचकर प्रबंधक के साथ बैठक कर किया अस्पताल का निरीक्षण

प्रात: किरण संवाददाता

जमुई [झाझा] यक्ष्मा रोग को लेकर राज्यस्तरीय डीबीडीसी टीम रेफरल अस्पताल पहुंचकर निरीक्षण किया। टीम में आए डाक्टर रवि, डॉ.सौरव, डॉ. मेजर अवकाश, डॉ. सरोजकांत चैधरी ने इस दौरान अस्पताल प्रबंधक नवनीत कुमार, स्वास्थ्य प्रबंधक सुभाषचंद्र के साथ बैठक भी किया। जिसमें वर्तमान में इस क्षेत्र में यक्ष्मा रोग को लेकर किए जाने वाले कार्यो की पूर्ण जानकारी लिया। टीम में आए सदस्यों ने रेफरल अस्पताल में कार्यरत महेंद्र सिंह वरीय यक्ष्मा पदाधिकारी से भी कई तरह की जानकारी लेते हुए निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान बीते दिनों कितने यक्ष्मा रोग से ग्रस्ति मरीज है उनका कैसे इलाज किया और वर्तमान में उन मरीजों की स्थिति क्या है इन सभी चीजों की जानकारी ली जिसपर टीम के लोग संतुष्ट हुए। यक्ष्मा पदाधिकारी ने टीम के सदस्यों को अस्पताल के भवन जर्जर होने के कारण बरसात में यक्ष्मा कार्यालय में काम करने के दौरान होने वाली परेशानी सहित अन्य मांगों को रखते हुए एक अलग कमरा व्यवस्था करने की मांग रखा जिसपर टीम के लोगों ने समस्या समाधान करने का आश्वासन भी दिया। टीम के सदस्यों ने क्षेत्र में यक्ष्मा के संदिग्ध रोगी हो तो उन्हे तुरंत अस्पताल लाकर उनकी सही रूप से जांच कर उनका समुचित इलाज करने सहित अन्य कई तरह के दिशा निर्देश भी यक्ष्मा पदाधिकारी को दिया। मौके पर जिला सीडीओ डॉ. अरबिंद कुमार, डॉ. सत्यजीत प्रियदर्शी भी मौजूद थे।

10 दिवसीय श्री अश्वमेघ महायज्ञ एवं श्री विष्णु महायज्ञ के तैयारी पूरी

प्रात: किरण, संवाददाता

भगवानपुर। प्रखंड के रघुनाथपुर इमादपुर में शुरू हो रहे 10 दिवसीय श्री अश्वमेघ महायज्ञ एवं श्री विष्णु महायज्ञ के तैयारी पूरी अंतिम चरण में है।इसके लिए स्थानीय ग्रामीण एवम धर्मलंबी लोग जोड़ शोर से पूरी तन्मयता से यज्ञ की तैयारी में जुटे हुए है।यज्ञ में विभिन्न देवी देवताओं की 1001 मूर्तिया तथा ढाई सौ से अधिक डिजिटल मूर्तिया का निर्माण कराया जा रहा है। यज्ञ में मनोरंजन के लिय खेल तमाशे एवम विभिन्न प्रकार के झुला का प्रबंध किया गया है।यज्ञ में कोई भी अप्रिय घटना घटित नही हो इसके लिए दो दर्जन से अधिक सी सी कमरे लगाए जा रहे है।इस संबंध में पंचायत के मुखिया सुधीर सिंह,मेला अध्यक्ष विनय सिंह, यज्ञअध्यक्ष संजीत कुमार, कोषाध्यक्ष धर्मेंद्र सिंह, उपकोषाध्यक्ष कृष्णा सहनी ,राजू निषाद, अजय यादव,राजेश सहनी सहित बड़ी संख्या में स्थानीय लोगो ने अपने अपने विचार एवम सुझाव दिया। यज्ञ शुरू होने से पहले ही आस पास के गावों में मांस,मछली मदिरा पर पूरी तरह प्रबंध लगा दिया गया है।अधिकांश घरों में सामिस खाना बना बंद हो गए है।पूरा क्षेत्र भक्तिमय होने लगा है। यज्ञ आगामी 7जून से शुरू होकर दिनांक 16 जून को समापन होगा। यज्ञ के कलश यात्रा में शामिल होने के लिय श्रद्धालु से यज्ञ के कार्यालय में आकर अपना नाम दर्ज कराने को कहा गया है।

सम्पादकीय

शहरी उदासीनता का चुनाव

आम चुनाव, 2024 के 5वें चरण के मतदान के साथ ही 428 लोकसभा सीटों पर चुनाव सम्पन्न हो गया। गुजरात में एक निर्वाचन निर्विरोध हुआ था। शेष 114 सीटों के लिए दो चरण मतदान अभी होने हैं। उसके बाद ही जनादेश का विश्लेषण किया जा सकता है। दरअसल इस बार चुनाव की बुनियादी चिंता यह रही कि शहरी मतदाता अपेक्षाकृत उदासीन रहा। उसने मतदान के प्रति दायित्व और मताधिकार के महत्व को कमतर आंका, नतीजतन मतदान के शुरूआती आंकड़े निराश करते रहे। हालांकि अपडेट मतदान पहले चरण में 66.14 फीसदी, दूसरे में 66.71 फीसदी, तीसरे में 65.68 फीसदी और चौथे चरण में 69.16 फीसदी तय किया गया है। विपक्ष ने इन बढ़े आंकड़ों पर भी सवाल उठाया कि चुनाव आयोग गड़बड़ कर रहा है, लेकिन मतदान को अद्यतन करने में कुछ दिन लगे, इस पर कोई भी सर्वोच्च अदालत तक नहीं गया। चुनाव आयोग ने भी स्पष्टीकरण दिया कि इतने बड़े देश के, कोने-कोने से, मतदान के आंकड़ों को जुटाने और संयोजित करने में वक्त लगना सहज प्रक्रिया है। बहरहाल मतदान के अब जो आंकड़े सामने आए हैं, वे सम्मानजनक हैं, अलबत्ता 2019 के चुनाव की तुलना में अब भी कम हैं। चुनाव के 5वें चरण में भी, 20 मई रात्रि 11.45 बजे तक, आठ राज्यों और संघशासित क्षेत्रों की 49 सीटों पर 60.3 फीसदी मतदान दर्ज किया गया। यह 2019 के 5वें चरण के 62.5 फीसदी मतदान से कुछ कम रहा है। चुनाव आयोग ने स्पष्ट किया है कि शुक्रवार, 24 मई तक मतदान का अंतिम आंकड़ा दर्ज किया जा सकता है, लिहाजा मतदान के आंकड़ों में भी बढ़ोतरी होना स्वाभाविक है। बहरहाल दो जगह पर मतदान बड़ा उत्साहवर्धक रहा है और दोनों ही कश्मीर के हिस्से रहे हैं। लद्दाख आज संघशासित क्षेत्र है, जो जम्मू-कश्मीर राज्य का ही हिस्सा था, वहां करीब 70 फीसदी मतदान किया गया। दूसरा क्षेत्र बारामूला है, जो नियंत्रण-रेखा के करीब है और आतंकियों की पनाहगाह रहा है। इस संसदीय सीट में सोपोर भी सम्मिलित है, जो पत्थरबाजी के गढ़ के तौर पर कुख्यात था। वहां हुर्रियत कॉन्फ्रेंस के नेताओं का भी खूब प्रभाव था, लिहाजा चुनावों के बहिष्कार होते रहते थे। इस बार सोपोर और पहलगाम आदि इलाकों में मतदाताओं की लंबी-लंबी कतारें देखी गईं, तो लगा कि जन्नत का जम्हूरियत यही है। बारामूला सीट पर 1984 के बाद पहली बार 50 फीसदी से अधिक मतदान हुआ है।

चरम पर चाटुकारिता

निर्मल रानी

चाटुकारिता या खुशामद परस्ती का हमारे भारतीय समाज के एक वर्ग से गहरा नाता है। इस कला में पारंगत लोग किसी का महिमामंडन व उसकी चापलूसी कर उसे खुश करना चाहते हैं और इसके बदले कुछ हासिल कर अपना उल्लू सीधा करना चाहते हैं। और अपनी तारीफ सुनने वाला व्यक्ति अपनी इस झूठी तारीफ के बदले में प्रायः उसे उपकृत कर देता है। राजा महाराजाओं, नवाबों व बादशाहों के वक़्त से चला आ रहा यह सिलसिला आज भी जारी है। इसे दूसरे शब्दों में किसी को खुश करने का शार्ट कट भी कह सकते हैं। अंग्रेजों ने भी हम हिन्दुस्तानियों की इस दुखती रग को बखूबी पहचान लिया था। और वे भी देश के लाखों प्रभावशाली लोगों को अपने पक्ष में करने के लिये उन्हें राय बहादुर, खान बहादुर जैसी अनेक उपाधियाँ दिया करते थे। इसके बदले में उनकी रियासतों के क्षेत्रफल में विस्तार हो जाता था। पदवी बढ़ जाती थी, माल-ओ-दौलत में इजाफा हुआ करता था। आज स्वतंत्र व लोकतान्त्रिक भारत में भी वही स्थिति है। आधे अधूरे वे लोग जिन्हें अपनी योग्यता व अपने कौशल पर विश्वास नहीं वे अपने आकाओं को खुश करने में लगे रहते हैं। याद कीजिये आपातकाल यानी 1975 का वह दौर जब तत्कालीन कांग्रेस अध्यक्ष देव कांत बरुआ ने प्रधानमंत्री इंदिरा गाँधी की प्रशंसा में कहा था कि -इंदिरा इज इंडिया एंड इंडिया इज इंदिरा यानी इंदिरा भारत हैं और भारत इंदिरा है। कांग्रेस के शासन में भी अनेक नेताओं की दुकानदारी खुशामद परस्ती व चाटुकारिता के दम पर ही चला करती थी। आज भी देखने को मिलता है कि कहीं कहीं सोनिया गाँधी व ममता बनर्जी जैसे नेताओं के भक्त उन्हें देवियों के रूप में पेश करते रहे हैं। परन्तु वर्तमान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दौर में तो ऐसी अनगिनत मिसालें हैं जिसमें लोगों ने मोदी को न केवल देवताओं व भगवान का अवतार बताया बल्कि अब तो भगवान को मोदीह्ल का भक्त तक बता दिया गया। पिछले दिनों भाजपा के बड़बोले प्रवक्ता संबित पात्रा ने जोकि उड़ीसा के पुरी लोकसभा सीट से भाजपा के प्रत्याशी भी हैं, ने तो भगवान जगन्नाथ को ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का भक्त बता डाला। कुछ टी वी चैनल्स को साक्षात्कार देते हुए पात्रा ने यह कह दिया कि, भगवान जगन्नाथ, पीएम मोदी के भक्त हैं। चुनावी बेला में उनके मुंह से यह निकलते ही अनेक प्रमुख विपक्षी नेताओं ने पात्रा की ह्यस चरम चाटुकारिता को लपक लिया। मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने इस बयान को ओडिया की अस्मिता को चोट पहुंचाना बताया। पटनायक ने एक्स में लिखा, कि महाप्रभु श्री जगन्नाथ ब्रह्मांड के भगवान हैं। महाप्रभु को किसी अन्य इंसान का भक्त कहना भगवान का अपमान है। यह पूरी तरह से निंदनीय है। इससे भावनाएं आहत हुई हैं और दुनिया भर में करोड़ों जगन्नाथ भक्तों और उड़िया लोगों की आस्था को ठेस पहुंची है। जबकि कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने इस टिप्पणी को लेकर एक्स में लिखा कि जब प्रधानमंत्री खुद को सम्राट समझें और भगवान उन्हें दरबारी लगने लगे तो साफ है कि पाप की लंका का पतन करीब है। करोड़ों लोगों की भावनाओं को ठेस पहुंचाने का अधिकार मुट्ठी भर भाजपाइयों को किसने दिया? यही अहंकार उनके विनाश का कारण बन रहा है। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा कि ये भाजपा नेताओं के अहंकार को दिखाता है। केजरीवाल ने एक्स पर पोस्ट किया, मैं बीजेपी के इस बयान की कड़ी निंदा करता हूं। उन्होंने सोचना शुरू कर दिया है कि वे भगवान से ऊपर हैं। यह अहंकार की पराकाष्ठा है। भगवान को मोदी भक्त कहना भगवान का अपमान है। उधर मौके की नजाकत को भांपते हुये और आगामी 25 मई को पुरी के अपने चुनाव के नफे नुकसान के मद्देनजर संबित पात्रा ने भी मुआफी मांगने के लिये कोई शब्द भी बाकी नहीं छोड़े। पात्रा ने भगवान जगन्नाथि पर अपनी इस शर्मनाक व अतिविवादित टिप्पणी पर मुआफी मांगते हुये कहा कि वह अपनी जुबान फिसलने के लिए माफी मांगते हैं और वह भगवान से क्षमा प्रायश्चित करने के लिए अगले 3 दिनों तक उपवास रखेंगे। उन्होंने एक्स पर इसी आशय का एक वीडियो शेयर कर भगवान जगन्नाथ को लेकर की गयी अपनी गलत टिप्पणी के लिए माफी मांगते हुये लिखा कि आज मैं भगवान जगन्नाथ के संबंध में की गई अपनी गलती से बहुत परेशान हूं। मैं भगवान जगन्नाथ के चरणों में सिर झुकाकर माफी मांगता हूं। अपनी गलती का प्रायश्चित करने और पश्चाताप करने के लिए मैं अगले तीन दिनों तक उपवास रखूंगा। यही संबित पात्रा कांग्रेस नेता कन्हैया कुमार के साथ एक टी वी डिबेट के दौरान मोदी को अपना बाप भी कह चुके हैं। यही बदजुबान पात्रा एक टी वी डिबेट में आचार्य प्रमोद कृष्ण जो इत्तेफाक से अब भाजपा में शरण ले चुके हैं उन्हें ठग और पाखण्डी संत बोल चुके हैं।

मोदी की शान में चरम चाटुकारिता करने वालों की सूची बहुत लम्बी है। राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव व विश्व हिन्दू परिषद नेता चंपत राय भी प्रधानमंत्री को दिव्य शक्ति संपन्न बताया चुके हैं। । चंपत राय ने राम मंदिर सहित राष्ट्र मंदिर निर्माण का श्रेय मोदी को देते हुए कहा था कि वह अति मानवीय और दिव्य योग्यताओं से युक्त हैं। चंपत राय ने भी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को भगवान विष्णु का अवतार बताया था। भाजपा का यह नारा बेवजह नहीं गढ़ा गया है कि जो राम को लाये हैं, हम उनको लायेंगे। इसी तरह मंडी लोकसभा प्रत्याशी व अभिनेत्री कंगना रनौत भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भगवान विष्णु का ही अंश बताती हैं। कंगना के अनुसार नरेंद्र मोदी का नाम भी भगवान विष्णु के नाम पर है। ऐसे में यह कहा जा सकता है कि वह भी उनके ही अंश हैं, जो हमारा पालन कर रहे हैं। हद तो तब हो गयी जब प्रधानमंत्री मोदी के चुनाव क्षेत्र में स्थित विश्व प्रसिद्ध काशी हिंदू विश्वविद्यालय में एक प्रदर्शनी लगी थी जिसमें नरेंद्र मोदी को भगवान विष्णु के अवतार के रूप में दशार्या गया था। यहाँ मोदी @20 नाम के प्रोग्राम में मंच के पोडियम पर नरेंद्र मोदी के विष्णु अवतार रूप की चित्रकारी की गई थी जिसमें मोदी के 12 हाथ बनाए गए थे। गोया शिक्षण संस्थानों में भी इस तरह की अंधभक्ति फैलाने की कोशिश की गयी? हालांकि मोदी को भगवान विष्णु का अवतार बताये जाने पर शिव सेना नेता संजय राउत का कहना है कि-अंधभक्त, मोदी को विष्णु का 13वां अवतार मानते हैं। अगर ऐसा है तो मोदी ईवीएम के बजाय बैलेट पेपर पर लोकसभा का चुनाव करा कर देख लें, 33 करोड़ देवी-देवता भी उन्हें हार से बचा नहीं सकेंगे। परन्तु इन चुनौतयों को स्वीकार करने से इतर जयकारे और जिंदाबाद के गगनचुम्बी नारे लगाने वाले हमारे देश में नेताओं की चाटुकारिता अपने चरम पर है।

राजनीतिक हस्तक्षेप से त्रस्त शिक्षा संस्थान

हर राज्य में इस तरह के उदाहरण हैं। यदि कुलपति की नियुक्ति इस आधार पर होगी कि वह सत्तारूढ़ दल या उसके मुखिया का कितना करीबी है तो क्या उससे शैक्षणिक सुधार लाने की उम्मीद बेमानी नहीं होगी? कहने की जरूरत नहीं कि नियुक्तियां योग्यता और प्रतिभा के आधार पर होनी चाहिए, न कि राजनीतिक पसंद के आधार पर। विश्वविद्यालय मेधाओं का निर्माण करते हैं। यदि राजनीतिक विचारधारा के कारण मेधाओं की उपेक्षा होगी तो उसके घातक परिणाम होंगे भारतीय उच्च शिक्षा, जो कभी बौद्धिक स्वतंत्रता का प्रतीक थी, राजनीतिक हस्तक्षेप के बढ़ते खतरे का सामना कर रही है। यह हस्तक्षेप अकादमिक उत्कृष्टता की नींव - स्वायत्तता और स्वतंत्रता को कमजोर करता है और अनुसंधान, शिक्षण और छात्र चर्चा पर भयावह प्रभाव डालता है। राजनीतिक हस्तक्षेप से त्रस्त शिक्षा संस्थान, विश्वविद्यालयों में नियुक्तियां योग्यता और प्रतिभा के आधार पर होनी चाहिए. केंद्र और राज्य सरकारों को इस लक्ष्य को हासिल करने का उपक्रम करना चाहिए। इसके लिए आवश्यक है कि शिक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता मिले और शिक्षा संस्थान राजनीति हस्तक्षेप से मुक्त हों। उन्हें राजनीति का अखाड़ा नहीं बनने दिया जाना चाहिए। विश्वविद्यालय शैक्षणिक सुधारों के बजाय राजनीतिक हितों के पोषण का केंद्र न बनने पाएं। केंद्रीय विश्वविद्यालयों में कुलपतियों की नियुक्ति केंद्र सरकार और राज्यों के विश्वविद्यालयों में राज्य सरकारें करती हैं। जिस राज्य में जिस पार्टी की सरकार होती है, वह अपने चहेतों को कुलपति नियुक्त करती है। हर राज्य में इस तरह के उदाहरण हैं। पाठ्यचर्या संबंधी निर्णय राजनीतिक लक्ष्यों से प्रभावित हो सकते हैं।

प्रियंका सौरभ
लेखिका स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं

विश्वविद्यालय शैक्षणिक सुधारों के बजाय राजनीतिक हितों के पोषण का केंद्र न बनने पाएं। केंद्रीय विश्वविद्यालयों में कुलपतियों की नियुक्ति केंद्र सरकार और राज्यों के विश्वविद्यालयों में राज्य सरकारें करती हैं। जिस राज्य में जिस पार्टी की सरकार होती है, वह अपने चहेतों को कुलपति नियुक्त करती है। हर राज्य में इस तरह के उदाहरण हैं। यदि कुलपति की नियुक्ति इस आधार पर होगी कि वह सत्तारूढ़ दल या उसके मुखिया का कितना करीबी है तो क्या उससे शैक्षणिक सुधार लाने की उम्मीद बेमानी नहीं होगी? कहने की जरूरत नहीं कि नियुक्तियां योग्यता और प्रतिभा के आधार पर होनी चाहिए, न कि राजनीतिक पसंद के आधार पर। विश्वविद्यालय मेधाओं का निर्माण करते हैं। यदि राजनीतिक विचारधारा के कारण मेधाओं की उपेक्षा होगी तो उसके घातक परिणाम होंगे भारतीय उच्च शिक्षा, जो कभी बौद्धिक स्वतंत्रता का प्रतीक थी, राजनीतिक हस्तक्षेप के बढ़ते खतरे का सामना कर रही है। यह हस्तक्षेप अकादमिक उत्कृष्टता की नींव - स्वायत्तता और स्वतंत्रता को कमजोर करता है और अनुसंधान, शिक्षण और छात्र चर्चा पर भयावह प्रभाव डालता है। राजनीतिक हस्तक्षेप से त्रस्त शिक्षा संस्थान, विश्वविद्यालयों में नियुक्तियां योग्यता और प्रतिभा के आधार पर होनी चाहिए. केंद्र और राज्य सरकारों को इस लक्ष्य को हासिल करने का उपक्रम करना चाहिए। इसके लिए आवश्यक है कि शिक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता मिले और शिक्षा संस्थान राजनीति हस्तक्षेप से मुक्त हों। उन्हें राजनीति का अखाड़ा नहीं बनने दिया जाना चाहिए। विश्वविद्यालय शैक्षणिक सुधारों के बजाय राजनीतिक हितों के पोषण का केंद्र न बनने पाएं। केंद्रीय विश्वविद्यालयों में कुलपतियों की नियुक्ति केंद्र सरकार और राज्यों के विश्वविद्यालयों में राज्य सरकारें करती हैं। जिस राज्य में जिस पार्टी की सरकार होती है, वह अपने चहेतों को कुलपति नियुक्त करती है। हर राज्य में इस तरह के उदाहरण हैं।

पाठ्यचर्या संबंधी निर्णय राजनीतिक लक्ष्यों से प्रभावित हो सकते हैं। उदाहरण के लिए, विशेष राष्ट्रीय आख्यानों को आगे बढ़ाने या संवेदनशील विषयों पर सेंसर वार्ता को आगे बढ़ाने की पहल की गई है। यह आलोचनात्मक सोच के साथ-साथ व्यापक शिक्षा को भी बाधित करता है। यदि संकाय और छात्र अलग-अलग राय व्यक्त करने के नकारात्मक परिणामों से डरते हैं तो वे राजनीतिक दबाव के कारण आत्म-सेंसर कर सकते हैं। यह ईमानदार चर्चा और परेशान करने वाली सच्चाइयों की खोज को रोकता है। विडंबना है कि शिक्षा के तमाम पाठ्यक्रम, जिन्हें अब कार्यक्रम कहा जा रहा है, पुराने ढर्रे के हैं। कोई भी शैक्षणिक सुधार पाठ्यक्रम को एकांगी होने के दोष से बचाकर, उच्च शिक्षा तथा शोध का मान उन्नत करके ही संभव है। शोध का मान तब उन्नत होगा, जब गंभीर शोध और सतत अध्ययन का रचनात्मक परिवेश निर्मित हो। यह परिवेश निर्मित कर ही युवा शक्ति को सकारात्मक और सृजनशील ढंग से ऊर्जस्वित किया जा सकता है, पर त्रासदी है कि उच्च शिक्षा की विषय वस्तु और प्रक्रिया प्रायः विदेशी ज्ञान को मानक मानकर की जाती रही है, जिसके परिणामस्वरूप हम अपनी परंपरा से कटकर दूर चले गए हैं। राजनीतिक कारक अनुसंधान निधि और प्रोफेसर पदों के वितरण पर प्रभाव डाल सकते हैं। यह योग्यता को नष्ट करता है और संभावित विवादास्पद अनुसंधान को रोकता है। राजनीतिक हस्तक्षेप से विश्वविद्यालयों की स्वशासन की क्षमता कमजोर हो सकती है। इससे सर्वोत्तम उम्मीदवारों को नियुक्त करने और अपने स्वयं के शैक्षणिक लक्ष्य स्थापित करने की उनकी क्षमता सीमित हो जाती है। विश्वविद्यालयों ने कभी-कभी प्रशासनिक पदों पर राजनीतिक रूप से संबद्ध व्यक्तियों की नियुक्ति देखी है, जिससे निर्णय लेने में संभावित पूर्वाग्रह के बारे में चिंताएं बढ़ गई हैं। यदि कुलपति की नियुक्ति इस आधार पर होगी कि वह सत्तारूढ़ दल या उसके मुखिया का कितना करीबी है तो क्या उससे शैक्षणिक सुधार लाने की उम्मीद बेमानी नहीं होगी? कहने की जरूरत नहीं कि नियुक्तियां योग्यता और प्रतिभा के आधार पर होनी चाहिए, न कि राजनीतिक पसंद के आधार पर। विश्वविद्यालय मेधाओं का निर्माण करते हैं। यदि राजनीतिक विचारधारा के कारण मेधाओं की उपेक्षा होगी तो उसके घातक परिणाम होंगे।

यह विशेष रूप से सामाजिक विज्ञान और मानविकी में देखा जाता है, जहां वरिष्ठ शिक्षाविद भी उस काम को प्रकाशित करने से डरते हैं जिसके बारे में उन्हें लगता है कि इससे राज्य के अधिकारियों से उनके लिए समस्याएं पैदा हो सकती हैं। उदाहरण के लिए, प्रताप भानु मेहता और समीना दलवई जैसे बुद्धिजीवी। सरकारी नीतियों के खिलाफ शांतिपूर्ण छात्र विरोध प्रदर्शनों को कभी-कभी भारी कार्रवाई का सामना करना पड़ता है, परिसर में मुक्त भाषण और असहमति को रोक दिया जाता है। उदाहरण के लिए, टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंसेज (टीआईएसएस) और जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) में। कुछ मामलों में, सरकारों ने राजनीतिक रूप से असुविधाजनक समझी जाने वाली पुस्तकों या विषयों को पाठ्यक्रम से हटाने का प्रयास किया है।

प्रायः देखा जाता है कि राजनीतिक पसंद-नापसंद के आधार पर सरकारें विश्वविद्यालयों को धन आवंटित करती हैं। राज्याश्रित होने के कारण विश्वविद्यालयों को राजनीतिक दबाव का सामना करना पड़ता है। राज्यों के विश्वविद्यालय संसाधन की कमी के कारण समस्याग्रस्त रहते हैं और सरकार के मुखापेक्षी बने रहते हैं। प्राचीन काल में शिक्षा राज्याश्रित नहीं थी। इसीलिए तब गुरु की स्वतंत्र सत्ता होती थी। तब शिष्यों को नैतिक और बौद्धिक रूप से गुरु गढ़ता था और शिष्य के व्यक्तित्व के निर्माण को अपना धर्म मानता था। आज की शिक्षा न दुराग्रहों से मुक्त है, न राजनीतिक बाधाओं से। आज की शिक्षा समावेशी भी नहीं है। आज तक न तो एकसमान पाठ्यक्रम लागू हो पाया, न एकसमान शिक्षा की सुविधा उपलब्ध कराई गई।

भारत राजनीतिक हस्तक्षेप के जोखिमों को समझकर और सक्रिय उपायों को लागू करके यह गारंटी दे सकता है कि उसकी उच्च शिक्षा प्रणाली बौद्धिक जांच और आलोचनात्मक विचार के लिए एक वास्तविक स्थान बनी रहेगी, जो एक समृद्ध लोकतंत्र और टिकाऊ भविष्य के लिए आवश्यक है। आज अभिभावक अपनी संतान को इस तरह की शिक्षा दिलाते हैं जिनसे करियर बने और यथेष्ठ धनोपार्जन हो। आदर्श स्थिति यह है कि शिक्षा ऐसी होनी चाहिए, जो विद्यार्थी को बेहतर मनुष्य बनाए। बेहतर मनुष्य ही बेहतर नागरिक होगा, जिसके लिए देश और देशहित सर्वोपरि होगा। केंद्र और राज्य सरकारों को इस लक्ष्य को हासिल करने का उपक्रम करना चाहिए। इसके लिए आवश्यक है कि शिक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता मिले और शिक्षा संस्थान राजनीति हस्तक्षेप से मुक्त हों। उन्हें राजनीति का अखाड़ा नहीं बनने दिया जाना चाहिए।

विश्वविद्यालय शैक्षणिक सुधारों के बजाय राजनीतिक हितों के पोषण का केंद्र न बनने पाएं। केंद्रीय विश्वविद्यालयों में कुलपतियों की नियुक्ति केंद्र सरकार और राज्यों के विश्वविद्यालयों में राज्य सरकारें करती हैं। जिस राज्य में जिस पार्टी की सरकार होती है, वह अपने चहेतों को कुलपति नियुक्त करती है। हर राज्य में इस तरह के उदाहरण हैं। यदि कुलपति की नियुक्ति इस आधार पर होगी कि वह सत्तारूढ़ दल या उसके मुखिया का कितना करीबी है तो क्या उससे शैक्षणिक सुधार लाने की उम्मीद बेमानी नहीं होगी? कहने की जरूरत नहीं कि नियुक्तियां योग्यता और प्रतिभा के आधार पर होनी चाहिए, न कि राजनीतिक पसंद के आधार पर। विश्वविद्यालय मेधाओं का निर्माण करते हैं। यदि राजनीतिक विचारधारा के कारण मेधाओं की उपेक्षा होगी तो उसके घातक परिणाम होंगे।

बुद्ध की शिक्षाओं का आधुनिक समाज में प्रभाव

भगवान बुद्ध का जन्म, ज्ञान प्राप्ति (बुद्धत्व या संबोधि) और महापरिनिर्वाण ये तीनों वैशाख पूर्णिमा के दिन ही हुए थे। राजपाठ का मोह त्यागकर संसार को जरा, मरण, दुखों से मुक्ति दिलाने के मार्ग एवं सत्य दिव्य ज्ञान की खोज में रात्रि में तपस्वी बनने के लिए 29 वर्ष की आयु में वन की ओर चले गए। इस घटना को महाभिष्क्रमण कहते हैं। बुद्ध सात साल तक भटकते रहे और 35 साल की उम्र में निरंजना नदी के तट पर एक पीपल के पेड़ के नीचे ध्यान करते हुए उरुवेला में वर्षों की कठोर साधना के पश्चात उन्हें ज्ञान की प्राप्ति हुई और वे सिद्धार्थ गौतम से भगवान बुद्ध बन गए। इस पीपल पेड़ को ह्यबोधि वृक्षह्ल के रूप में जाना जाने लगा और यह स्थान बोधगया (बिहार में) बन गया। ह्यबुद्धह्ल शब्द का अर्थ है ह्यप्रबुद्धह्ल। बौद्धकालीन शिक्षा वर्तमान में भी प्रासंगिक है जो शिक्षा मानव कल्याण हेतु है। बुद्ध ने अपने व्यक्तिगत अनुभव से दु:ख को पहचाना एवं इससे मुक्ति हेतु सही मार्ग बताया। बुद्ध के बताये मार्ग पर चलकर मनुष्य अपने दु:खों से मुक्ति पा सकता है। बुद्ध का पंचशील, मनुष्य को सत्य बोलने, झूठ न बोलने, किसी स्त्री से व्यभिचार न करने, जीव हत्या न करने तथा मादक पदार्थों से दूर रहने की प्रतिज्ञा करता है। इन प्रतिज्ञाओं का पालन करते हुए व्यक्ति अपने आप को श्रेष्ठ बना सकता है और बुद्ध के बताये अष्टांगिक मार्ग पर चलकर मनुष्य मोक्ष की प्राप्ति कर सकता है।

लेखक :- निरंजन कुमार
अधिवक्ता, पटना उच्च न्यायालय

बुद्ध का जन्म 563 ईसा पूर्व में बैसाख मास की पूर्णिमा के दिन कपिलवस्तु (वर्तमान नेपाल में) के पास लुंबिनी में राजकुमार सिद्धार्थ के रूप में हुआ था।भगवान बुद्ध का जन्म, ज्ञान प्राप्ति (बुद्धत्व या संबोधि) और महापरिनिर्वाण ये तीनों वैशाख पूर्णिमा के दिन ही हुए थे। राजपाठ का मोह त्यागकर संसार को जरा, मरण, दुखों से मुक्ति दिलाने के मार्ग एवं सत्य दिव्य ज्ञान की खोज में रात्रि में तपस्वी बनने के लिए 29 वर्ष की आयु में वन की ओर चले गए। इस घटना को महाभिष्क्रमण कहते हैं। बुद्ध सात साल तक भटकते रहे और 35 साल की उम्र में निरंजना नदी के तट पर एक पीपल के पेड़ के नीचे ध्यान करते हुए उरुवेला में वर्षों की कठोर साधना के पश्चात उन्हें ज्ञान की प्राप्ति हुई और वे सिद्धार्थ गौतम से भगवान बुद्ध बन गए। इस पीपल पेड़ को ह्यबोधि वृक्षह्ल के रूप में जाना जाने लगा और यह स्थान बोधगया (बिहार में) बन गया। ह्यबुद्धह्ल शब्द का अर्थ है ह्यप्रबुद्धह्ल। बौद्धकालीन शिक्षा वर्तमान में भी प्रासंगिक है जो शिक्षा मानव कल्याण हेतु है। बुद्ध ने अपने व्यक्तिगत अनुभव से दुःख को पहचाना एवं इससे मुक्ति हेतु सही मार्ग बताया। बुद्ध के बताये मार्ग पर चलकर मनुष्य अपने दुःखों से मुक्ति पा सकता है। बुद्ध का पंचशील, मनुष्य को सत्य बोलने, झूठ न बोलने, किसी स्त्री से व्यभिचार न करने, जीव हत्या न करने तथा मादक पदार्थों से दूर रहने की प्रतिज्ञा करता है। इन प्रतिज्ञाओं का पालन करते हुए व्यक्ति अपने आप को श्रेष्ठ बना सकता है और बुद्ध के बताये अष्टांगिक मार्ग पर चलकर मनुष्य मोक्ष की प्राप्ति कर सकता है। आजकल मनुष्य नैतिक मूल्यों से गिरता जा रहा है, यदि वह बौद्धकालीन शिक्षा का अनुसरण करें, तो वह अपना, अपने परिवार का तथा समाज का कल्याण करते हुए एक अच्छे समाज का निर्माण कर सकता है। बौद्ध कालीन शिक्षा सभी वर्ग के लोगों के लिए खुली थी, केवल चण्डाल को छोड़कर। बौद्ध कालीन शिक्षा में मनुष्य का विकास किया जाता था, मनुष्य को भिक्षु जीवन तथा भौतिक जीवन के लिए तैयार किया जाता था। आधुनिक समाज में भी बुद्ध की शिक्षाओं का गहरा प्रभाव देखा जा सकता है, बुद्ध की शिक्षाओं में ध्यान का विशेष स्थान है। समाज में ध्यान और योग का महत्व अत्यधिक बढ़ गया है। मानसिक तनाव, चिंता और अवसाद जैसी समस्याओं से निपटने के लिए ध्यान एक प्रभावी उपाय साबित हुआ है। विपश्यना, जिसे बुद्ध ने प्रचारित किया था, आज की जीवनशैली में मानसिक शांति और स्थिरता प्रदान करती है। बुद्ध ने अपने अनुयायियों को पाँच शील का पालन करने की सलाह दीः अहिंसा, चोरी न करना, असत्य भाषण न करना, व्यभिचार न करना और मादक पदार्थों का सेवन न करना। आधुनिक समाज में नैतिकता और जीवन मूल्यों की कमी एक बड़ी चुनौती है। बुद्ध की ये शिक्षाएँ व्यक्ति और समाज को नैतिकता के उच्च मानकों पर चलने के लिए प्रेरित करती हैं। बुद्ध ने जाति-पाँति और वर्ग भेदभाव का विरोध किया था। उन्होंने समता और समानता की बात की।वर्तमान समय में जाति, धर्म और वर्ग के भेदभाव की समस्या मौजूद है।बुद्ध की शिक्षाओं से प्रेरणा लेकर कई सामाजिक आंदोलनों ने समानता और समरसता की दिशा में काम किया है। भारतीय संविधान में समानता का अधिकार बुद्ध की शिक्षाओं से प्रभावित है। बुद्ध ने ज्ञान और शिक्षा पर बल दिया था और कहा था कि अज्ञानता ही सभी दुःखों का मूल कारण है। वर्तमान स्थिति में शिक्षा का महत्व सर्वोपरि है। शिक्षा के माध्यम से व्यक्ति को जागरूक और समाज को प्रगति के मार्ग पर अग्रसर किया जा सकता है।बुद्ध की शिक्षाओं में प्रकृति और पर्यावरण के प्रति सम्मान और प्रेम की बात की गई है। उन्होंने हर जीवित प्राणी के प्रति करुणा और दया का संदेश दिया। अभी के समय में पर्यावरण संरक्षण एक महत्वपूर्ण मुद्दा है। बुद्ध की शिक्षाओं से प्रेरित होकर कई संगठन और व्यक्ति पर्यावरण संरक्षण के लिए काम कर रहे हैं। वृक्षारोपण, जल संरक्षण और स्वच्छता अभियान जैसी गतिविधियाँ इन शिक्षाओं का प्रत्यक्ष परिणाम हैं। बुद्ध ने परोपकार और दूसरों की सेवा करने का महत्व बताया था। आधुनिक समाज में गैर-सरकारी संगठनों और स्वयंसेवी संस्थाओं का काम इसी सिद्धांत पर आधारित है। समाज में आपसी सहयोग और सहानुभूति का माहौल बनाने में बुद्ध की शिक्षाएँ प्रेरणा स्रोत हैं।बुद्ध की शिक्षाओं में आत्मनिरीक्षण और आत्मविकास पर जोर दिया गया है। उन्होंने कहा था कि व्यक्ति को अपने भीतर झाँकना चाहिए और अपने दोषों को दूर करने का प्रयास करना चाहिए। आधुनिक समाज में व्यक्तित्व विकास और आत्मविकास के लिए कई कार्यशालाएँ और कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। इन कार्यक्रमों में बुद्ध की शिक्षाओं का समावेश करके व्यक्तियों को जीवन में संतुलन और शांति पाने के लिए प्रेरित किया जाता है। गौतम बुद्ध की शिक्षाएँ आधुनिक समाज में एक प्रकाश स्तंभ की तरह हैं, जो हमें सही मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित करती हैं। उनके सिद्धांत न केवल व्यक्तिगत विकास और मानसिक शांति के लिए महत्वपूर्ण हैं, बल्कि सामाजिक समरसता, नैतिकता, और पर्यावरण संरक्षण के लिए भी मार्गदर्शक सिद्ध होते हैं। आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में बुद्ध की शिक्षाएँ हमें संतुलन, शांति और सुख की ओर ले जाती हैं। बुद्ध की शिक्षाओं का प्रभाव आधुनिक समाज के हर पहलू में देखा जा सकता है, और यह प्रभाव आने वाले समय में भी प्रासंगिक रहेगा।

मतदान में युवाओं की अत्यावश्यक भूमिका

कर्मपाल

भारत को अपने मूल लोकतांत्रिक सिद्धांतों को मजबूत बनाने के लिए अपनी युवा शक्ति का भरपूर इस्तेमाल करना चाहिए और राजनीति व लोकतंत्र में युवाओं की भागीदारी को बढ़ावा देना चाहिए। हाल ही में महाराष्ट्र के मुख्य निर्वाचन अधिकारी द्वारा पेश की गई एक रिपोर्ट के मुताबिक राज्य में 18-19 साल के महज 790000 युवा मतदाता के रूप में पंजीकृत हैं जबकि राज्य में इस आयु वर्ग के युवाओं की संख्या 4209000 है। राज्य की कुल जनसंख्या में 18-19 साल के युवाओं की संख्या 4.5 प्रतिशत है, लेकिन इस आयु वर्ग में पंजीकृत मतदाताओं की संख्या राज्य की आबादी का महज 0.6 प्रतिशत है। राज्य भर के विश्वविद्यालयों और कॉलेजों मं नियमित रूप से मतदाता पंजीकरण अभियान चलाए जाने के बावजूद, 18-19 आयु वर्ग में पंजीकृत मतदाताओं की संख्या में मामूली सुधार हुआ है। जहां नवंबर 2022 में ऐसे मतदाताओं की संख्या कुल आबादी का 0.3 प्रतिशत थी, वहीं अप्रैल 2023 के लिए यह आंकड़ा 0.6 प्रतिशत था। चूंकि मतदाता पंजीकरण एक जीवंत, समावेशी और मजबूत सहभागिता वाली लोकतांत्रिक व्यवस्था की पहली सीढ़ी है, ऐसे में मतदान के प्रति युवाओं की उदासीनता के कारणों को दूर करना जरूरी है। इन आंकड़ों से देश भर में शहरी मतदाताओं की उदासीनता का पता चलता है, जहां राष्ट्र और राज्य स्तर के चुनावों की तुलना में स्थानीय चुनावों में बेहद कम मतदान होता है। आंकड़ों के विश्लेषण से पता चलता है कि देश के कई शहरी युवा अपने मताधिकार के प्रयोग से दूर रहे हैं, और इस बात को लेकर राष्ट्रीय युवा नीति 2014 में भी चिंता जताई गई है। नीति में राजनीति में युवाओं की भागीदारी बढ़ाने पर जोर देने के अलावा यह भी कहा गया है कि राजनीति और प्रशासन में युवाओं की भागीदारी को बढ़ावा देने के लिए बेहद कम समन्वित प्रयास किए गए हैं। भारत की राजनीति को युवा देश, बूढ़े नेता के रूप में परिभाषित किया जाता है। भारतीय राजनीति में अपनी धाक जमाने वाले ज्यादातर युवा नेता बड़े राजनीतिक परिवारों से ताल्लुक रखते हैं, जो सामाजिक-राजनीतिक रूप से बेहद प्रभावशाली हैं। हालांकि मुख्यधारा की लगभग हर राजनीतिक पार्टी का अपना एक स्टूडेंट विंग है और ये सभी पार्टियां कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में छात्र संघ के चुनावों में जोर शोर से भाग लेती हैं, लेकिन ऐसा कोई व्यवस्थित तंत्र मौजूद नहीं है जो छात्र नेताओं को विधायी राजनीति में आगे बढे में मदद कर सके और उन्हें मार्गदर्शन प्रदान कर सके। उदाहरण के लिए, 17वीं लोकसभा (2019-2024) में 40 वर्ष के कम उम्र सांसदों की संख्या महज 12 प्रतिशत है

वहीं स्वतंत्र भारत की पहली लोकसभा में 26 प्रतिशत सांसदों की उम्र 40 वर्ष से कम थी। खासकर (हर बड़े) चुनाव से पहले राजनीतिक पार्टियां अपने घोषणापत्रों में युवाओं के लिए महत्वाकांक्षी कार्यक्रम शुरू करने की

संक्षिप्त खबरें

सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पुलिस कर रही गश्ती

परसाःकानून व्यवस्था मजबूत रखने को सुरक्षा बनाए रखने को पुलिस लगातार गश्त कर रही है बुधवार को पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर परसा थाना के क्षेत्रों में पुलिस ने फ्लैग मार्च व पैदल गश्त किया इस दौरान पुलिस ने लोगों को सुरक्षा का एहसास दिलाया। साथ ही लोगों से संवाद कर सुरक्षा संबंधी जानकारी ली और समस्या होने पर पुलिस को सूचना देने की सलाह दी।

हत्या के आरोपी समेत शराब के साथ एक गिरफ्तार, जेल

बेतिया। सिरसिया पुलिस ने हत्या काण्ड के नामजद आरोपी मृतका के भसूर हिरालाल यादव मूसहरी गांव निवासी को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया। वहीं गरभुआ गांव में छापेमारी कर तीन लीटर देशी दारू के साथ एक धंधेबाज को गिरफ्तार कर लिया। थानाध्यक्ष मदन कुमार मांझी ने बताया कि हाल ही के दिनों में भसूर हिरा लाल यादव ने अपने भवे नीलू देवी को गला दबा कर हत्या का आरोप लगाया था इस मामले में मृतक के परिजनों ने हिरा लाल यादव समेत चार लोगों को आरोपी करते हुए एफआईआर दर्ज कराई है। पुलिस टीम ने हिरा लाल यादव को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया है वहीं अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी हेतु छापेमारी की जा रही है। श्री मांझी ने बताया कि गरभुआ गांव में छापेमारी कर धंधेबाज शम्भू साह को तीन लीटर चुलाई दारू के साथ गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है।

लोकसभा चुनाव को लेकर भारत-नेपाल बॉर्डर किया सील

रक्सौल। लोकसभा चुनाव को लेकर भारत-नेपाल सीमा को आगामी 25 मई को चुनाव होने तक पूरी तरह से सील कर दिया गया है। बॉर्डर को बुधवार 12 बजे दिन से बंद किया गया है। हालांकि लोगों की पैदल आवाजाही जारी रहेगी। इस बीच दोनों ही देश भारत और नेपाल के बाइकर्स को अपने-अपने देश में आने-जाने की अनुमति दे दी गई है, अर्थात नेपाली नंबर की बाईक को नेपाल जाने दिया जा रहा है और भारतीय नंबर की बाईक को भारत में आने दिया जा रहा है। वहीं बार्डर बंद होने से दोनों ही देशों के अर्थव्यवस्था पर काफी असर पड़ता है, परंतु सुरक्षा के मद्देनजर बॉर्डर को हर चुनाव में सिल कर दिया जाता है, ताकि चुनाव शांतिपूर्व तरीके से संपन्न हो सके। उधर सुरक्षा व्यवस्था भी पुख्ता कर दिया गया है।

मनरेगा योजना में भ्रष्टाचार चरम पर, मस्टर रॉल में बन रही सैकड़ों मजदूरों की फर्जी हाजरी

- पंचायत समिति की अनुशंसा पर हो रहा पईन सफाई कार्य

प्रात : किरण, संवाददाता

बेतिया(मोहन सिंह) मजदूरों को रोजगार की गारंटी देने वाली केन्द्र की मनरेगा योजना जिम्मेदारों के लिए दुधारू गाय साबित हो रही हैं। योजना में भ्रष्टाचार चरम पर है, साथ ही रोजगार गारंटी योजना के नियमों की जमकर धज्जियां उड़ाई जा रही हैं। योजना में भ्रष्टाचार को रोकने हेतु एनएमएमएस सिस्टम लागू किया गया हैं जिसमें साइड पर जो मनरेगा मजदूर काम करते हैं उनकी मस्टर रॉल में आनलाइन हाजिरी रोजगार सेवक या मेट द्वारा लगाने का नियम है। इसके अनुसार मजदूरों का काम करते हुए फोटोग्राफ्स भी अपलोड किया जाता है जो फोटो साफ सुथरी और ऊंचे स्थान से खड़े होकर खींचा गया हो जिसमें मजदूरों का चेहरा स्पष्ट रूप से दिखाई दे कि जिन मजदूरों की हाजिरी मस्टरोल में लगी हो वही मजदूर फोटो में प्रदर्शित हो लेकिन मझौलिया प्रखंड के रमपुरवा महनवापंचायत में जनप्रतिनिधियों व मनरेगा कर्मी की मिलीभगत से नियमों की खुब धज्जियां उड़ाई जा रही हैं। ताजा मामला मझौलिया प्रखंड के रमपुरवा महनवा पंचायत का है पंचायत में पंचायत समिति की अनुशंसा पर दो योजनाओं का मस्टर रोल चल तो रहा है एनएमएमएस पर सैकड़ो मजदूरों की हाजरी भी बन रही है लेकिन धरातल पर कार्य की शुरूआत भी नही हुई है। पईन सफाई की 2 योजनाओं में बन रही 173 मजदूरों की हाजरी धरातल पर कार्य की शुरूआत नही महनवा रमपुरवा पंचायत में पहली योजना रामबुल ठाकुर के खेत से हरपुर सिवान तक जानेवाली पइन सफाई कार्य मे बुधवार यानी 22/5/24 को मस्टरोल में 90 मजदूरों की हाजिरी तो लगाई गई लेकिन एनएमएमएस अपलोड फोटो में सिर्फ 7 मजदूर ही नजर आ रहे लेकिन धरातल पर कार्य की शुरूआत नही हुई है वहीं दूसरी योजना पहली योजना शेख मैमुदिन के खेत से सेराजुल के खेत तक जानेवाली पइन सफाई कार्य मे 22/5/24 को मस्टरोल में 83 मजदूरों की हाजिरी तो लगाई गई लेकिन अपलोड फोटो में सिर्फ 6 से 7 मजदूर ही नजर आ रहे लेकिन यहां भी धरातल पर कार्य की शुरूआत नही हुई है। दोनो योजनाओं में 1 ही मजदूरों वाली फोटो को एनएमएमएस पर अपलोड कर बनाई जा रही हाजरी मनरेगा में जमकर मची लूट का सबसे बड़ा उदाहरण एनएमएमएस पर 1 ही मजदूरों वाली फोटो है एनएमएमएस पर 1 ही मजदूरों वाली फोटो दोनों पईन सफाई वाली योजनाओं पर लगाकर कुल 173 मजदूरों की फर्जी हाजरी बनाई जा रही है। क्या कहते हैं ग्रामीण? ग्रामीणों की शिकायत पर जब कार्यस्थल का मुआयना किया गया तो कहीं भी मजदूर भी कार्य करते हुए नही पाए गए इतना ही नही कार्यस्थल को देखकर ही पता चलता है कि कार्यस्थल पर अभी कार्य की शुरूआत भी नही हुई है सबसे विचित्र बात यह है कि चल रहे कार्य में सैकड़ों मजदूरों में दर्जनों महिला मजदूरों की भी ऑनलाइन हाजरी बनाई गई थी वही कार्यस्थल पर कहीं भी डिस्प्ले बोर्ड नहीं लगा दिखाई दे रहा, जबकि सरकारी आदेशानुसार हो रहे कार्यों पर डिस्प्ले बोर्ड पहले लगाए जाएं वहीं ग्रामीणों की माने तो पंचायत में पंचायत समिति की अनुशंसा से चल रही दोनो पईन सफाई की योजनाओं में सिर्फ कागज पर काम हो रहा है धरातल पर कार्य का तो पता ही नही है वहीं कुछ ग्रामीणों ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि विगत कुछ दिन से रोज सुबह 5 से 7 लोग आकर खड़े हो जाते हैं और फोटो खिंचवा कर चले जाते हैं। ग्रामीणों का आरोप-मनरेगा ठीकेदार द्वारा कागज पर काय हालांकि वही ग्रामीणों ने बताया कि पंचायत समिति की अनुशंसा पर होनेवाले कार्य को पंचायत के ही कुछ लोग द्वारा कराया जाता है जिन्हें ग्रामीण मनरेगा ठीकेदार कहते हैं वही ग्रामीणों ने कहा कि अगर जिले के वरीय पदाधिकारियों द्वारा इन दोनों पईन सफाई की योजनाओं की स्थलीय जांच हो तो मनरेगा लूट का खुलासा हो सकता है।

बंद हुआ इंटरनेट तो मुश्किल हो गया समय काटना, फोन कर दिनभर जानकारी जुटाते रहे लोग

प्रात : किरण, संवाददाता

परसाः-तकनीक ने मनुष्य के जीवन को काफी सरल कर दिया है। इंटरनेट आज के दौर में बड़ी आबादी का दिनचर्या का हिस्सा है। अचानक नेट बंद हो जाने से आम जिंदगी पूरी तरह से प्रभावित हो गया है। नेट बंद होने से जहां बहुत सारे लोगों को राहत मिली है तो वहीं बहुत से लोग काफी परेशान हो गए हैं। लोगों ने इंटरनेट बंदी के कुछ फायदे तो कुछ नुकसान भी गिनवाए। इसमें अगर नुकसान की बात करें तो सबसे बड़ा नुकसान चिकित्सा जगत में देखने को मिला चूंकि कई सारे गंभीर बीमारियों की रिपोर्टिंग आनलाइन ही होती है। सैकड़ों गंभीर पेशेंट का रिपोर्ट नहीं मिलने के कारण चिकित्सक काफी परेशान दिखे। वहीं, डिजिटल लेने देन के बढ़ते प्रभाव के कारण लोगों ने जेब में पैसे रखने काफी कम कर दिए हैं। चूंकि अब चाय-पान की दुकानों में भी डिजिटल पेमेंट की सुविधाएं उपलब्ध हो गई हैं। ऐसे में बुधवार को लोग आदतन घर से निकले मगर जेब में पैसे नहीं होने के कारण वापस लौट गए। इंटरनेट बंद होने पर आम और खास लोगों ने क्या कहा

चिकित्सीय जीवन में अब इंटरनेट की अहमियत काफी बढ़ गई है। ऐसे में अचानक से नेट बंद होने के कारण बहुत सारे गंभीर मरीजों की रिपोर्टिंग में दिक्कतें आ गई हैं। हालांकि फोन चालू रहने के कारण हम लोग दूरभाष पर इसकी रिपोर्ट की जानकारी प्राप्त कर रहे हैं।
डॉ रविन्द्र कुमार
आंख,चिकित्सक

इंटरनेट बंद होने से जैसे लगता है कि पुराना जमाना फिर से लौट आया है। समय ही समय मिल गया है। इसका फायदा अधिक और नुकसान कम लगता है। समय मिलने के बाद अपनों से बात करने, उनका हालचाल जानने का मौका हर किसी को मिल गया है। एक तरह से कहूं तो काफी सुकून मिला है। मगर आदत के अनुसार बार-बार मोबाइल चेक करने पर ही नेटबंद होने का एहसास होता है।
विजय कुमार
सरपंच प्रतिनिधि

इंटरनेट जीवन का अभिन्न अंग बन चुका है। हमारे बच्चे आनलाइन क्लास करते हैं। इसके लिए इंटरनेट का होना जरूरी है। दो दिनों की नेट बंदी से कुछ खास फर्क तो नहीं पड़ेगा, मगर इंटरनेट बंद कर देने से समस्या का हल निकलना मुश्किल है।
अमित कुमार व्यवसायी

इंटरनेट बंद रहने से थोड़ी सुकून की नींद आई है। यूं तो दिन में सोने की आदत नहीं है। मगर अब जबकि इंटरनेट काम ही नहीं कर रहा है तो किसी प्रकार की सूचनाएं मोबाइल पर नहीं मिल पा रही है। वैसे मेरे जीवन में इंटरनेट की बस दुकान भर ही अहमियत है।
संजय कुमार गुप्ता
दवा दुकानदार

चर्चित दवा दुकानदार हत्या मामले में किशोर रिहा

- कोर्ट ने तत्कालिन अनुसंधानकर्ता थानाध्यक्ष सहित एस डी पी ओ पर विभागीय कर्रवाई करने का दिया आदेश

प्रात : किरण, संवाददाता

छपरा। अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश प्रथम सह विशेष न्यायाधीश चाइल्ड एक्ट नीरज कुमार ने नगर थाना कांड संख्या 469/21 के सी सी केस संख्या 12/22 चर्चित दवा दुकानदार हत्या मामले में आरोपी किशोर को पुलिस द्वारा प्रयाप्त न्यायालय में सबूत नही पेश करने के कारण रिहा करने का आदेश दिया है। विदित हो को 23 अगस्त 2021 को छपरा नगर थाना के मौना नीम निवासी दीपक कुमार ने अपने पिता रघुबर दयाल शर्मा की हत्या अपराधियों द्वारा रात्रि मे चाकू मारकर कर दिए जाने को लेकर छपरा सदर अस्पताल में अपना फर्द बयान दर्ज कराया था।विशेष लोक अभियोजक चाइल्ड राइट एक्ट मिथलेश कुमार सिंह ने कुल दस गवाहों की गवाही न्यायालय में प्रस्तुत किया था। परंतु जांच के क्रम में तत्कालिन नगर थानाध्यक्ष विमल कुमार सिंह और अनुसंधानकर्ता राजबल्भ कुमार तथा एस डी पी ओ सदर ने घोर अनियमितता बरती और मृतक रघुबर दयाल शर्मा को घायल अवस्था में अस्पताल पहुंचाने वाले रिक्शा चालक का बयान पुलिस द्वारा अस्पताल में नही लिया गया और न ही बाद मे लिया गया। जबकी उसी रिक्शा वाले ने शर्मा को रेलवे स्टेशन उनके घर मौना नीम भी लाया था जहां अभियुक्तों ने लूट पाट और चाकू मारे थे। साथ ही चाकू मारने वाले चारो वायक्ति का जो सीसी फुटेज न्यायालय में प्रस्तुत किया गया था वो भी साफ और सही नहीं था। जिसका सीधा फायदा अभियुक्त को मिला और कोर्ट ने कथित किशोर को रिहा कर दिया। न्यायालय ने सख़्त रुख अपनाते हुए केस के तीनो जांचकर्ताओ तत्कालीन छपरा सदर एस डी पी ओ, नगर थाना प्रभारी बिमल कुमार सिंह और अनुसंधानकर्ता राजबलभ कुमार के विरुद्ध विभागीय कार्रवाई हेतु सरकार को निर्देश दिया है।

जब जब सारण की धरती से लालू यादव और परिवार ने चुनाव लडा है रक्त रंजित हुआ है सारण : विवेक

प्रात : किरण, संवाददाता

छपरा। भारतीय जनता पार्टी के जिला महामंत्री विवेक कुमार सिंह प्रेस विज्ञप्ति जारी कर चुनावी रंजिश में कोई घटना पर बोलते हुए कहा है कि जब-जब सारण से लालू यादव का एवं उनका परिवार चुनाव लड़ा है तब तक सारण की धरती रक्त रंजित हुई है लालू यादव का इतिहास रहा है कि वह जब चुनाव लड़े तब तब वहां हत्याएं हुई यह परिवार लोगों के लाशों पर राजनीति करके आगे बढ़ने का काम करता है समाज में विद्वेष एवं आपसी झगड़े खड़ा कर पूरे बिहार का माहौल खराब करने का इन्होंने उनके परिवार ने काम किया है इन्होंने अपने पूरे कार्यकाल में जातिवाद को बढ़ाने का किया है जिस परिवार पर तेजस्वी यादव आरोप लगाया है उसे परिवार पर कभी इस तरह आरोप नहीं लगा है जातीऐ उदमाद फैलाने के आरोप में रोहिणी आचार्य ,तेजस्वी यादव, लालू यादव एवं भोला यादव पर अविलंब जिला प्रशासन को त्र्र दर्ज करना चाहिए , लालू प्रसाद यादव जो चारा घोटाला में सजायाफ्ता है जो बीमारी के नाम पर पैरोल पर बाहर है वह किस आधार पर चुनावी कैंपेन एवं चुनावी बैठक सारण में कर रहे थे इसकी सूचना भी जिला प्रशासन को माननीय उच्च न्यायालय को देनी चाहिए झूठ तथ्यों के आधार पर माननीय न्यायालय को गुमराह कर वह चुनाव हेतु चुनावी कैंपेन में लगे थे। और तेजस्वी यादव जिनका पूरा परिवार है पर केस दर्ज हो और सजायाफ्ता हो वह दूसरे को आदतन मुजरिम बताएं यह कहीं से उचित नहीं है जो घटना घटी इस घटना में प्रत्यक्ष रूप से इन राजद नेताओं का किया कराया है इसलिए इस केस में इन लोग का भी नाम जोड़ना चाहिए एवं कठोर कार्रवाई भी करनी चाहिए ताकि की राजद के लोग भविष्य में भी जातीय उन्माद न फैला पाए क्योंकि सारी घटना के पीछे इन्हीं राजद नेताओं ने लोगों को बहका कर रमाकांत सोलंकी के घर पर चढ़ने के लिए प्रेरित किया है इसकी जांच कर इन लोगों की भी गिरफ्तारी आवश्यक है।

आचार संहिता के उल्लंघन के मामले में चार शिक्षकों पर प्राथमिकी दर्ज

प्रात : किरण, संवाददाता

बेतिया मोहन सिंह। आचार संहिता के उल्लंघन के मामले में चार शिक्षकों पर पठखौली ओपी में प्राथमिकी दर्ज की गई है। बताया जा रहा है कि बगहा दो प्रखंड के कुछ शिक्षकों ने बाल्मीकि नगर संसदीय क्षेत्र के राजद प्रत्याशी दीपक यादव के समर्थन में चुनाव प्रचार किया। इसकी शिकायत अधिकारियों तक पहुंची।तब आनन-फनन में सभी शिक्षकों पर प्राथमिकी दर्ज करने का आदेश दिया। इस संबंध में डीपीओ योगेश कुमार ने बगहा दो प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी को पत्र लिखकर आदेश दिया कि तत्काल सभी शिक्षकों पर सुसंगत धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज कराते हुए इसकी सूचना सूचना वरीय पदाधिकारियों को भी उपलब्ध कराई जाय। विभाग के द्वारा चिन्हित शिक्षको में बगहा दो प्रखंड के राजकीय उत्क्रमित मध्य विद्यालय पैकवलिया बाजार के शिक्षक संजय कुमार, राजकीय उत्क्रमित मध्य विद्यालय पिपरा धिरौली के शिक्षक भोलानाथ यादव, राजकीय उत्क्रमित मध्य विद्यालय मिश्रौली के शिक्षक राम विनोद पासवान एवं राजकीय उत्क्रमित मध्य विद्यालय बांसगांव के शिक्षक सुनील कुमार यादव शामिल हैं। जिनके द्वारा वाल्मीकिनगर के राजद प्रत्याशी के साथ तस्वीर खिंचवाई गई थी। यह तस्वीर इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित हो गई थी। बगहा दो के अतिरिक्त बीईओ विजय कुमार यादव ने चारों शिक्षकों पर पठखौली थानों में प्राथमिकी दर्ज कराई है। थानाध्यक्ष अनीष कुमार ने बताया कि बीईओ के आवेदन पर चारों शिक्षकों पर आचार संहिता के उल्लघंन की धाराओं में प्राथमिकी दर्ज की गई है।

चुनाव बाद सारण संसदीय क्षेत्र के लाईसेंसधारियों का शस्त्र जमा कराने का क्या औचित्यः राजीव रुडी

प्रात : किरण, संवाददाता

छपरा कार्यालय। सारण में मतदान संपन्न होने के अगले दिन तेलपा में हुई हत्या की घटना को लेकर जिला प्रशासन ने सभी अनुज्ञप्तिधारियों को उनके शस्त्र को जमा कराने का फरमान जारी कर दिया है। इस संदर्भ में भाजपा प्रत्याशी व पूर्व केंद्रीय मंत्री राजीव प्रताप रुडी ने जिला निर्वाचन पदाधिकारी को पत्र लिखकर आपत्ति जताते हुए इस संदर्भ में चुनाव आयोग के लिखित आदेश की प्रति उपलब्ध कराने को कहा है। इस संदर्भ में रुडी ने कहा कि लाईसेंसधारियों का शस्त्र जमा कराना उनको असुरक्षित करना है। यदि ऐसा है तो पहले प्रशासन को उनकी सुरक्षा में सुरक्षाकर्मियों को प्रतिनियुक्त करते हुए उनकी पूरी सुरक्षा सुनिश्चित करे, तत्पश्चात शस्त्र जमा करवाये। उन्होंने बगैर किसी नोटिस के अनुज्ञप्तिधारियों का हथियार जमार कराने के फरमान को अनुचित बताया है। रुडी ने कहा कि आमतौर पर चुनाव से पूर्व अनुज्ञप्तीधरियों का शस्त्र स्थानीय प्रशासन जमा करा लिया जाता है ताकि चुनाव के दौरान कोई अप्रिय घटना न घटे। बावजूद इसके सारण में वोटिंग समाप्त होने के उपरान्त तेलपा में हत्या की घटना के बाद स्थानीय प्रशासन अनुज्ञप्तिधारी शस्त्र रखने वालों को फोन करके और अन्य माध्यम से संपर्क करके शस्त्र जमा कराने को कह रहे है।

चौथा मतदाता जागरुकता अभियान ऑनलाइन निःशुल्क शतरंज प्रतियोगिता कल

प्रात : किरण, संवाददाता

बेतिया(कुमार अभिजितम)।अखिल बिहार शतरंज संघ से मान्यता प्राप्त चंपारण शतरंज अकादमी के द्वारा आयोजित होगी चौथा मतदाता जागरुकता अभियान ऑनलाइन निःशुल्क शतरंज प्रतियोगिता कल यानी शुक्रवार को ऑनलाइन लीचेस पे आयोजित होगी।अकादमी के संस्थापक सह प्रशिक्षक शाहिद हुसैन ने बताया की यह प्रतियोगिता कल रात 8 बजे से शुरू होगा और रात 9:10 तक चलेगा। इस प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए चंपारण शतरंज के प्रांगण कोतवाली चौक में जाकर अपना एंट्री करा सकते हैं और अपना लीचेस आई डी भी बनवा सकते हैं और प्रतियोगिता में भाग ले सकते हैं चौथा मतदाता जागरुकता अभियान ऑनलाइन निःशुल्क शतरंज प्रतियोगिता आज यानी 23 मई बृहस्पतिवार को भाग लेने की अंतिम तिथि हैं। यह प्रतियोगिता लीचेस पेयरिंग सिस्टम पर खेला जाएगा और खेलने का समय प्रत्येक मैच पाँच मिनट तीन सेकंड इंक्रीमेंट मैच में होगा और कुल एक घंटा दस मिनट का प्रतियोगिता होगा उसमे से टॉप दस आने वाले को विजेता घोषित किया जाएगा। उसमें से टॉप आने वाले 10 खिलाड़ियों को सम्मानित किया जाएगा। इसमे से जितने वाले सभी खिलाडियों ट्रॉफी, मेडल और डिजिटल सर्टिफिकेट देकर सम्मानित किया जाएगा। यह प्रतियोगिता ऑनलाइन कराकर पश्चिमी चंपारण, बिहार , भारत में जागरूकता अभियान के लिए कराया जा रहा है जिससे ज्यादा से ज्यादा मतदाता प्रतिशत में बढ़ोतरी हो। छठे चरण के चुनाव वाले आठ सीटों में वाल्मीकिनगर, पश्चिम चंपारण, पूर्वी चंपारण, शिवहर, वैशाली, महाराजगंज, सिवान, एवं गोपालगंज लोकसभा क्षेत्र सम्मिलित हैं यहा पे मतदान 25 मई शनिवार को होगा। इस जिले से इस प्रतियोगिता में ज्यादा से ज्यादा खिलाडियों ने भाग लेंगे ।इसके लिए चंपारण शतरंज अकादेमी के अनेक प्रकार के प्रतियोगिता और जागरूकता अभियान चलाया जा रहा हैं जिससे जिले में ज्यादा से ज्यादा मतदाता प्रतिशत में बढ़ोतरी हो।

25 मई को निश्चित रूप से अपने मत का प्रयोग करें मतदाता : जिला पदाधिकारी

प्रात : किरण, संवाददाता

बेतिया(घनश्याम)। जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-जिलाधिकारी दिनेश कुमार राय के नेतृत्व में मतदाता जागरूकता अभियान के तहत मंगलवार को मतदाता जागरूकता कैंडल मार्च-सह-मानव श्रृंखला का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में विभिन्न विभाग यथा जीविका, आइसीडीएस, शिक्षा, खेल के जिलास्तरीय पदाधिकारियों के साथ एनसीसी, स्काउट एवं गाइड, रेड क्रॉस बेतिया आदि संस्थाओं/संगठनों के अधिकारियों एवं कर्मियों ने भाग लिया। कैंडल मार्च-सह-मानव श्रृंखला का आयोजन समाहरणालय परिसर से मुहर्रम चौक तक किया गया। इस दौरान मतदाताओं को 25 मई को अनिवार्य रूप से मतदान करने हेतु जागरूक एवं प्रेरित किया गया। इस अवसर पर जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने कहा कि जिले में शत-प्रतिशत मतदान हेतु जिला प्रशासन लगातार स्वीप गतिविधि के तहत प्रयास कर रहा है। मतदाताओं को जागरूक किया जा रहा है। इसी क्रम में आज का यह कार्यक्रम आयोजित है। उन्होंने कहा कि जिले के मतदाता अपने मतदान के अधिकार के प्रति जागरूक हो और 25 मई को अपने मत का प्रयोग करें। उन्होंने जिले के मतदाताओं से अपील किया कि 25 मई को निश्चित रूप से अपने-अपने बूथों पर जाकर अपने मत का प्रयोग अवश्य करें। ज्ञातव्य हो कि जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-जिलाधिकारी दिनेश कुमार राय के दिशा-निर्देश के आलोक में समूचे पश्चिम चम्पारण जिले में स्वीप अंतर्गत लगातार विभिन्न जगहों पर मतदाता जागरूकता कार्यक्रम संचालित किये जा रहे हैं। विभिन्न जागरूकता कार्यक्रमों के माध्यम से मतदाताओं को 25 मई 2024 को अनिवार्य रूप से मतदान करने हेतु जागरूक एवं प्रेरित किया जा रहा है। जिला प्रशासन का उदेश्य है कि जिले के शत-प्रतिशत मतदाता अपने मत का प्रयोग करें।इसी कड़ी में आज मतदाता जागरूकता कैंडल मार्च-सह-मानव श्रृंखला निर्माण कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर अपर समाहर्ता राजीव कुमार सिंह, जिला कल्याण पदाधिकारी कमलेश कुमार सिंह, नोडल पदाधिकारी, स्वीप कमलाकांत त्रिवेदी, विशेष कार्य पदाधिकारी, जिला गोपनीय शाखा सुजीत कुमार, डीपीओ आइसीडीएस कविता रानी, डीपीएम जीविका आर0 के0 निखिल सहित अन्य अधिकारी एवं स्वीप कार्यकर्ता उपस्थित थे।

25 मई को मतदान को लेकर चलाया जा रहा मतदाता जागरूकता अभियान

प्रात : किरण, संवाददाता

मोतिहारी। जिला में लोकसभा के लिए 25 मई को मतदान होना है। जिला के शत प्रतिशत मतदाता अपना मतदान करें इसको सुनिश्चित कराने को लेकर जिला प्रशासन के द्वारा लगातार मतदाता जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। आंगनबाड़ी और जीविका संगठन के द्वारा गांव-गांव, टोले, कस्बे सहित शहरी इलाकों में रैली, कैंडल मार्च,रंगोली, पेंटिंग्स, दीवार लेखन सहित डोर टू डोर भ्रमणकर मतदाताओं को जागरूक किया जा रहा है। प्रखंड स्तर से लेकर जिला स्तर पर इसकी मॉनीटरिंग की जा रही है। जिला के सभी मतदान केंद्रों को मतदाताओं के लिए मतदाता फ्रेंडली बनाया जा रहा है। मतदान केंद्रों पर सभी जरूरी सुविधा उपलब्ध कराने का निर्देश निर्गत है। मतदान केंद्रों पर धूप से बचाव के लिए छाया, मटका में ठंडा पेयजल, शौचालय, बिजली, पंखा, रैंप सहित सभी जरूरी दवाओं की मेडिकल किट की व्यवस्था रखने का निर्देश दिया गया है। ताकि कहीं किसी मतदाता को असुविधा न हो। जिला में 12 विधानसभा क्षेत्र हैं। प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में दो-दो आदर्श मतदान केंद्र, महिला संचालित पिंक बूथ, युवाओं द्वारा संचालित यूथ बूथ एवं दिव्यांगजन द्वारा संचालित बूथ बनाए जा रहे हैं। जिला प्रशासन मतदान केंद्रों पर मतदाताओं को सभी सुविधा उपलब्ध कराएगी। 25 मई को मतदाता अपने-अपने मतदान केंद्र पर अपना वोट डालें जिला प्रशासन, पूर्वी चंपारण इसकी अपीलकर रही है।

सेक्टर पदाधिकारी फिल्ड में फर्स्ट रिस्पॉन्डर हैं: प्रेक्षक

प्रात : किरण, संवाददाता

छपरा। आगामी 25 मई को महाराजगंज लोक सभा के लिए आयोजित छठे चरण के चुनाव के लिए आयोजित मतदान के निमित सेक्टर और पुलिस पदाधिकारियों की संयुक्त ब्रीफिंग बुधवार को जिला प्रेक्षा गृह में आयोजित की गयी। समान्य प्रेक्षक ने चुनाव के पहले, चुनाव के दिन और चुनाव पश्चात की जाने वाली तैयारी, कार्य और सावधानी पर विस्तार से प्रकाश डाला. उन्होंने कहा कि कल हुए सारण लोक सभा चुनाव से सीख लेते हुए महाराजगंज की तैयारी को चुस्त दुरुस्त करना है. सतर्कता को बढ़ाना है. ताकि अफरातफरी और संवादहीनता की स्थिति उत्पन्न न हो सके. उन्होंने बूथ पर किसी प्रकार के तस्वीर या सूचना को सफेद चार्ट पेपर से ढकवाने, 100 मीटर के दायरे को व्हाइट पाउडर से चिन्हित करने, बूथ पर प्रवेश और निकास को चिन्हित कराने, पीओ के अलावा किसी के भी मोबाइल को बूथ में अलाउ नहीं करने का निदेश दिया. कितने लोगों ने ईपिक के अलावा अन्य डॉक्यूमेंट से वोट किया इसकी लिखित रिपोर्ट देंगे. यह स्क्रूटिनी का हिस्सा होता है. इसलिये विशेष सावधानी रखेंगे. जब भी आप संबद्ध बूथ का भ्रमण करें विजिट शीट पर इंट्री अवश्य करें. एएमएफ की कमी को दूर करते हुए इसकी लिखित सूचना और सर्टिफिकेट कल शाम तक एआरओ को देंगे. मतदान के दिन अपनी रिपोर्ट भरने के साथ ही समय समय पर पीओ से भी पूछते रहेंगे. बाजार समिति में आ कर न भरें. उन्होंने सभी को शांतिपूर्ण और निष्पक्ष चुनाव कराने की अग्रिम शुभकामनाएं दीं। निवार्ची पदाधिकारी सह जिला पदाधिकारी ने स्टेपवार कार्य बताते हुए कहा कि यहां से निकल कर सीधे बूथ पर जाएं. न्यूनतम सुविधाओं को ठीक कराएं. क्षेत्र भ्रमण कर लोगों की कॉन्फिडेंस बिल्डिंग करें. विद्यालय के अलावा अन्य भवनों में बनाए गए बूथ पर विशेष ध्यान रखें. पार्टी मिलान के दिन अपने बूथ की सभी टीम से मिलकर नंबर एक्सचेंज कर लेंगे. सामग्री प्राप्ति में टीम को सहयोग करेंगे। तत्पश्चात पुनः क्षेत्र भ्रमण को जाएंगे. चुनाव के एक दिन पूर्व डिस्पैच सेंटर पर पहले पोलिंग पार्टी को इवीएम प्राप्त करने में सहयोग करेंगे. उसके पाश्चात अपना रिजर्व इवीएम प्राप्त करेंगे. इवीएम प्राप्त करते ही बिलकुल सेंटिसाइज हो जाएंगे. सीधे चिन्हित स्थल पर ही रुकेंगे. आपके भोजन पानी की व्यवस्था वहीं की गयी है। उन्होंने कहा कि पोल डे को मॉक पोल के पूर्व बूथ पर पहुंच जाएं. फॉर्मेट पर पोलिंग एजेंट का हस्ताक्षर, सीआरसी करने, पर्ची निकालने, काले लिफाफे में सील करने, समय समय पर वीटीआर अपडेट करने के बारे में पूछते रहें. कहीं पोलिंग एजेंट न हो या मशीन रिप्लेस करने की सूचना कंट्रोल रूम को अवश्य दें. वीटीआर की रिपोर्ट एक्यूरेट करें. सुबह और शाम के समय अधिक सतर्क हो जाएं. लाइन में अधिक मतदाता की सूचना एआरओ और कंट्रोल रूम को तुरंत दें।

शांतिपूर्ण, निष्पक्ष एवं भयमुक्त वातावरण में निर्वाचन सम्पन्न कराएं अर्द्धसैनिक बल : जिला पदाधिकारी

प्रात : किरण, संवाददाता

बेतिया(मोहन सिंह)। लोकसभा आम निर्वाचन, 2024 को शांतिपूर्ण, स्वच्छ एवं भयमुक्त वातावरण में सम्पन्न कराने हेतु निर्वाचन आयोग द्वारा पश्चिम चम्पारण जिले को अर्द्धसैनिक बल उपलब्ध कराये गये हैं।बुधवार को समाहरणालय सभाकक्ष में जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-जिला पदाधिकारी दिनेश कुमार राय एवं पुलिस अधीक्षक बेतिया अमरकेश डी द्वारा संयुक्त रूप से अर्द्धसैनिक बलों के अधिकारियों की ब्रीफिंग की गयी। जिला निर्वाचन पदाधिकारी दिनेश कुमार राय द्वारा सभी अर्द्धसैनिक बलों के अधिकारियों से परिचय प्राप्त किया गया। साथ ही उन्हें डिस्पैच सेंटर, मतदान केन्द्र, वाहन की उपलब्धता, पोलिंग पार्टी, जोनल एवं सुपर जोनल दंडाधिकारी आदि के बारे में जानकारी दी गयी। जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने कहा कि पश्चिम चम्पारण जिले के दो लोकसभा निर्वाचन क्षेत्रों में पूरी तरह से शांतिपूर्ण, निष्पक्ष एवं भयमुक्त वातावरण में निर्वाचन सम्पन्न कराना है। अलर्ट होकर कार्यों को संपादित करना है। उन्होंने कहा कि अर्द्धसैनिक बल अपने-अपने आवंटित क्षेत्रों का भलीभांति मुआयना कर लें। उन्होंने कहा कि अर्द्धसैनिक बल क्रिटिकल एवं नक्सल प्रभावित मतदान केन्द्रों से संबंधित क्षेत्रों में लगातार एरिया डोमिनेशन करेंगे। उन्होंने कहा कि अर्द्धसैनिक बलों को किसी भी तरह की असुविधा नहीं होने दी जायेगी। वाहनों का लॉगबुक, ड्राईवर का नाम, नंबर आदि आपको उपलब्ध करा दिया जायेगा। उन्होंने कहा कि कार्यक्षेत्र में समस्या उत्पन्न होने पर तुरंत वरीय अधिकारियों को सूचित करेंगे ताकि त्वरित गति से समाधान कराया जा सके। पुलिस अधीक्षक बेतिया अमरकेश डी ने कहा कि डिस्पैच सेन्टर से ईवीएम आदि के साथ सीधे मतदान केन्द्र ही जाना है। बीच में कहीं नहीं रूकेंगे।

वैश्य समाज से जयप्रकाश चौधरी ने आकाश के पक्ष में मतदान करने का किया आह्वान

प्रात : किरण, संवाददाता

रसूलपुर ।एकमा विधान सभा के रसूलपुर, मोहम्मदपुर एकमा आदि चट्टी बाजारों व गांवों में ऑल इंडिया वैश्य समाज के सचिव व बिहार कांग्रेस कमिटी के महासचिव और पूर्व प्रदेश अध्यक्ष जयप्रकाश चौधरी ने जनसंपर्क किया और महाराजगंज लोकसभा क्षेत्र से आकाश सिंह को भारी मतों से विजयी बनाने की अपील वैश्य समाज से किया ।कहा कि वैश्य समाज से काग्रेस का गहरा संबंध स्वतंत्रता संग्राम से ही रहा है ।कहा कि कांग्रेस ने वैश्य समाज सहित गरीब व पिछड़े समाज के लिए ऐतिहासिक कार्य किया है ।कांग्रेस के कदावर नेता रहे व बिहार कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष लहटन चौधरी के पौत्र जयप्रकाश ने कहा कि कांग्रेस ही वैश्य समाज की सच्ची हितैषी है ।मोदी सरकार ने वैश्य समाज के विकास के लिए कुछ नहीं किया ।इसलिए इस बार वैश्य समाज पुरी तरह से कांग्रेस के साथ गोलबंद होकर मतदान कर रही है ।स्थानीय कांग्रेस नेता एनपी कुंदन सिंह,अनोखा सिंह,जितेंद्र प्रसाद, दिलीप तिवारी ,सुनील कुमार चौधरी ,तारकेश्वर यादव ,लाली यादव,धरमेंद्र महतो,रामजी नेता आदि जनसंपर्क अभियान में शामिल होकर आकाश को जीताने की अपील की।

ईवीएम मशीन को सुरक्षित रखने के लिये बनाये गए स्ट्रांग रूम का भी निरीक्षण किया गया

प्रात: किरण संवाददाता

गया। लोकसभा आम निर्वाचन 2024 के 7वा चरण अंतिम चरण जहानाबाद संसदीय क्षेत्र अंतर्गत गया जिला के अतरी विधानसभा क्षेत्र में होने वाले 01 जून को स्वतंत्र, शांतिपूर्ण, निष्पक्ष एवं भयमुक्त वातावरण में संपन्न कराने को लेकर खिजर सराय इंजीनियरिंग कॉलेज के मीटिंग हॉल में जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह जिला पदाधिकारी गया डॉ० त्यागराजन एसएम द्वारा अतरी विधानसभा में मतदान कार्य मे लगे सभी सेक्टर पदाधिकारी, सभी सेक्टर पुलिस पदाधिकारी, सभी थाना प्रभारी, मास्टर ट्रेनर एव तकनीकी कर्मियों को प्रशिक्षण दिया गया है।

जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-जिलाधिकारी डॉ0 त्यागराजन एसएम ने संबोधित करते हुए कहा कि आप सभी सेक्टर पदाधिकारी के क्षेत्र के सभी मतदान केंद्र एव ईवीएम संबंधित क्या क्या काम करना है, उसे स्पस्टता से समझ ले कि क्या करना है और क्या नही करना है। ताकि मतदान के तिथि में कोई दिक्कत नही हो सके। यदि किसी को लगता है कि उन्हें अतिरिक्त ट्रेनिंग की आवश्यकता है, तो बताए, उन्हें ट्रेनिंग दिया जाएगा। मतदान के पहले अपनी पूरी दायित्व को अच्छी तरह समझ लें। सभी प्रजाईडिंग ऑफिसर को ईवीएम मशीन दिए जाएंगे वह सभी अपने मशीन को अपने साथ सीधे तौर पर मतदान केंद्र या क्लस्टर पॉइंट पर ले जाएंगे, इसके अलावा किसी भी अन्य जगहों पर किसी भी हालत में कहीं नहीं जाएंगे। उन्होंने कहा कि मतदान समाप्ति के पश्चात प्रजाईडिंग ऑफीसर ईवीएम को सीधे स्ट्रांग रूम जहानाबाद लाएंगे। उन्होंने का की 01 जून को जहानाबाद संसदीय क्षेत्र में चुनाव है। 30 मई को पार्टी मिलान किया जाना है। गया इंजीनियरिंग कॉलेज खिजर सराय में ही पार्टी मिलान होगा। इसके अलावा सभी मतदान कर्मियों को ईवीएम का हैंड्स ऑन ट्रेनिंग दिया गया, ताकि कोई कर्मी कुछ भूल गए तो उनकी डाउट को क्लियर किया जा सके। वाहन भी डिस्पैच सेन्टर से सेक्टर वार लगे रहेंगे। सेक्टर बार बने बूथ के लिये सीधे मतदान कर्मी पूरी टीम के साथ संबंधित बूथ या क्लस्टर पॉइंट पर रवाना होंगे। हर सेक्टर पदाधिकारी के पास रिजर्व में ईवीएम रखा जाएगा ताकि किसी भी बूथ पर अचानक कोई ईवीएम खराब होने से तुरंत रिप्लेस कराया जा सके। इसके अलावा प्रत्येक सेक्टर पदाधिकारी के साथ एक-एक मास्टर ट्रेनर भी टैग किया गया है, जिससे कोई भी तकनीकी खराबी किसी बूथ से प्राप्त होने पर उसे तुरंत समाधान करवाया जा सके। प्रत्येक मतदान केंद्र पर ईवीएम को कैसे सील करना है कौन-कौन से प्रपत्र भरे जाएंगे इत्यादि की पूरी जानकारी अच्छी तरह रख लें ताकि मतदान के दिन कोई समस्या नहीं हो। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि मॉक पोल के दौरान सी यू खराब रहता है तो सी यू को तुरंत बदलना होगा। मतदान शुरू होने के बाद यदि सी यू खराब होता है तो पूरी सेट को बदलना होगा। मॉकपोल के बाद सिआरसी जरूर दबाए। मतदान समाप्ति के बाद क्लोज बटन जरूर दबाए। सभी सेक्टर पदाधिकारी के पास अनिवार्य रूप अपने वरीय अधिकारियों का दूरभाष नंबर उपलब्ध रहे। हर दो घंटे पर सभी बूथों से पोलिंग की रिपोर्ट लेनी होगी। मतदान के दिन लास्ट दो घंटे काफी सतर्कता एव विशेष ध्यान से काम करना होता है।

डिस्पैच सेंटर में खाने के लिए काउंटर लगाए जाएंगे इसके अलावा सभी मतदान केदो पर रसोईया के माध्यम से पेड बेसिस पर खाना बनाकर खिलाने की भी व्यवस्था रखी जा रही है। सहायक निर्वाचि पदाधिकारी अपने क्षेत्र के सभी मतदान केदो का रूट चार्ट अंतिम रूप से फाइनल कर ले ताकि उसे छपाकर संबंधित प्रजाईडिंग ऑफिसर को उपलब्ध कराया जा सके। सामान्यतः जून माह में गर्मी चरम सीमा पर रहता है। हीट वेब की आसंका बनी रहती है। हर सेक्टर पदाधिकारी के साथ 1-1 डॉक्टर की टीम एव 1-1 एम्बुलेंस भी टैग रखा गया है। ताकि हीट वेब से किसी का तबियत खराब होने पर उनका त्वरित उपचार किया जा सके। सभी बूथों पर शेड एव जार वाला ठंडा पानी की पूरी व्यवस्था रखी जा रही है। अतरी विधानसभा के 50% मतदान केंद्रों में वेबकास्टिंग की व्यवस्था रखी जा रही है। डीएम ने निर्देश दिया कि सभी सेक्टर पदाधिकारी अभी से लेकर मतदान तक हर दिन अपने क्षेत्र के विधि व्यवस्था संबंधित खैरियत प्रतिवेदन अनिवार्य रूप से उपलब्ध करवाएंगे। सभी मतदान केंद्रों का आज से निश्चित तौर भी विजिट करे, इसमें कोई कोताही नही बरते। मतदान केंद्र के आस पास ग्रामीणों,मतदाताओं से बात चीत करते रहे। पूर्व से चिन्हित वल्नरेबल बूथ ,टोला पर विशेष नजर रखे। मतदान में संभावित व्यवधान डालने वाले व्यक्तियों को चिन्हित कर नियम अनुसार कार्रवाई करें।जिला पदाधिकारी ने अतरी विधानसभा के मतदाताओं से अपील किया है कि आप सभी मतदाता भय मुक्त वातावरण में अपने घरों से निकालकर अपना वोट का प्रयोग करें। प्रशासन की स्तर से शांतिपूर्ण चुनाव संपन्न करने के लिए अनेको कार्य किए गए हैं। डीएम ने सभी सेक्टर पदाधिकारी को निर्देश दिया है लंच ब्रेक दोपहर का खाना के नाम पर पोलिंग बंद नही होनी चाहिए, मतदान केंद्र में मतदान कर्मिगण आपसी समन्वयन करते हुए खाना खाएं और मतदान भी सुचारू रहे। डीएम ने स्पष्ट निर्देश दिया है कि यदि किसी मतदाता के पास मतदाता पर्ची वोटर्स स्लिप नही रहने पर भी पात्र 13 दस्तावेज आइडी में से कोई भी 01 दस्तावेज को देख कर मतदान करने दिया जाएगा। वोटर स्लीव के आभाव में कोई मतदाता बिना मतदान के वापस नही लौटे, इसे पूरी तरह सुनिश्चित करना होगा। वरीय पुलिस अधीक्षक ने संबोधित करते हुए कहा कि अतरी विधानसभा में पूर्व में भी चुनाव के दौरान छीट पुट घटनाएं हुई है।उसे लेकर वर्तमान समय मे क्या स्थिति है उन क्षेत्रों का, उसका सभी थानाध्यक्ष आकलन कर ले, एव उन स्थानों पर विशेष अलर्ट बरते। पूरी निष्पक्ष एवं तत्परता के साथ चुनाव कार्य संपन्न करवाये। मतदान केंद्रों के बाहर अनावश्यक भीड़ नही लगे, इसे सुनिश्चित करवाये। आखरी फेज का चुनाव है। पूरी शांति वातावरण में सम्पन्न करवाये। इसके बाद ईवीएम विविपैट का हो रहे कमिश्निंग का भी डीएम ने निरीक्षण किया है। कमिसनिंग के बाद ईभीएम मशीन को सुरक्षित रखने के लिये बनाये गए स्ट्रांग रूम का भी निरीक्षण किया गया है।

संक्षिप्त खबरें

आयोजन किया गया मतदाता जगरूकता अभियान

आरा। तपेश्वर सिंह टीचर्स ट्रेंनिंग कॉलेज कायमनगर भोजपुर आरा में एक दिवसीय मतदाता जगरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया कॉलेज के सचिव डॉ अजय कुमार सिंह ने कहा कि लोकतंत्र में मतदान को अति महत्वपूर्ण बताया सभी शिक्षक शिक्षकेत्तर कर्मचारियों और प्रशिक्षुओं को कहा की मतदान के दिन अपने मतदान केंद्र पर जाकर मतदान करना साथ ही उस दिन अपने परिवार के सभी सदस्यओं मित्रों गांव के सभी नागरिकों को मतदान के लिए जगरूक करें इस मौके पर डॉ वीणा पांडे डॉ सत्य सिंह डॉ अमित उपाध्याय डॉ ऐस के पांडे सुमन कुमारी आयुषी दीपक कुमार तिवारी अभिषेक रंजन राहुल सिंह पार्वती सहित समस्त प्रशिक्षु उपस्थित रहें।

महा ऑफर के साथ लुई फिलिप शो रूम में पुरुषो के हर तरह कपड़े के रेंज

गया। गया शहर के पिरमंसुर रोड पर आदित्य बिरला गुरुप के प्रिमिमीर रेडीमेड शो रुम में विश्व का प्रसिद्ध ब्रांड लुई फिलिप शो रूम मे पुरुषो के हर तरह कपड़े के रेज उपलब्ध है और इस रेज के साथ महाआफर भी कंपनी के द्वारा उपलब्ध कराई जा रही है इस संबंध में शो रूम के प्रोपराइटर -पवन कुमार एवं विजय झाँ ने बताया कि तिन हजार नौ सौ निनावे के खरिदारी पर एक हजार की विशेष छुट दिया जा रहा है वही किसी भी दो कपडो के खरिदारी पर 40% प्रतिशत की छुट दिया जा रहा है।लुई फिलिप शो रूम भारत के हर कोनै कोनै पर खुला हुआ है।

नास्ते चाय की दुकान से वन सुंदरी पहाड़ी सांप का रेस्क्यू

बेतिया। वाल्मीकिनगर टंकी बाजार स्थित चाय नास्ते की दुकाम में वनसुन्दरी सांप को देख दुकानदार समेत ग्राहकों के बीच भगदड़ मच गई। लोगों ने तुरंत वन विभाग को इसकी सूचना दी।सूचना पाकर फौरन रेस्क्यू टीम घटनास्थल पर पहुंच गए और भारी मशक्कत कर सांप का रेस्क्यू कर लिया गया। न्यूज संस्था के प्रोजेक्ट मैनेजर अभिषेक ने बताया कि यह सांप खासकर पहाड़ी क्षेत्रों में पाया जाता है और यह विषहीन सांप होता है। रेंजर राजकुमार पासवान ने बताया कि रिहायशी इलाके में वन जीवजंतुओं को देखें तो फौरन उसे बिना नुकसान पहुंचाए वन विभाग को सूचित करें।

कोरियम चेक पोस्ट से 69,300 रुपए जब्त

अरवल। लोकसभा आम निर्वाचन-2024 के मद्देनजर चुनाव को स्वच्छ, निष्पक्ष एवं कदाचार मुक्त बनाने के लिए जिले में जगह-जगह चेक पोस्ट बनाये गये है, जिसके माध्यम से अवैध वस्तुओं के निर्गमन पर नजर रखी जा रही है। इसी क्रम में 22.05.2024 को अहियापुर लख चेक पोस्ट पर प्रतिनियुक्त अंचलाधिकारी अरवल के द्वारा 4,63.320 रुपए एवं कोरियम चेक पोस्ट पर प्रतिनियुक्त प्रखण्ड पंचायती राज पदाधिकारी अरवल के द्वारा 69,300 रुपए बरामद किये गये। इस तरह से जिले में आज कुल नगद राशि 5,32.620/- (पाँच लाख बतीस हजार छः सौ बीस रुपए) जब्त किया गया है। इस आलोक में संबंधित व्यक्ति से जब्त की गई राशि के संबंध में जानकारी लेते हुए भारत निर्वाचन आयोग, नई दिल्ली द्वारा जारी दिशा-निदेर्शो के अनुसार अग्रेतर कार्रवाई की जा रहीं हैं।

मोदी जी जितनी बार बिहार आएंगे महागठबंधन को उतने हीं फायदा होगा : ई राघवेंद्र

पटना। गोपाल विद्यार्थी लोस आम निर्वाचन 2024 के लिए अब सभी दलों के नेताओं ने अंतिम चरण के मतदान में पूरी ताकत लगा दी है, ताबड़तोड़ जन सभाएं व रोड शो किए जा रहे हैं सभी अपने अपने उम्मीदवारों की जीत का दावा कर रहे हैं साथ ही एक दूसर पर आरोप प्रत्यारोप भी खूब लगाया जा रहा है इधर आगामी 25 जून को बिक्रम में होने वाले पीएम मोदी की जन सभा को लेकर राजद नेता सह समाजसेवी ई राघवेंद्र ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी जी जितनी बार बिहार आएंगे उतने हीं ज्यादा फायदा महागठबंधन को होगा। 2020 के बिहार विधानसभा चुनाव में जिन-जिन क्षेत्रों में मोदी जी का कार्यक्रम हुआ उन क्षेत्रों में एनडीए उम्मीदवारों की करारी हार हुई थी और महागठबंधन के उम्मीदवार विजयी हुए थे। इस बार तो एनडीए की स्थिति और भी ज्यादा खराब है। 2020 में एनडीए हाफ हुआ था 2024 में साफ होगा। राजद नेता ई राघवेंद्र बुधवार को बिक्रम और नौबतपुर प्रखंड के आराप, मिलकी, खौरैठा, भागीरथी टोला, तिलकपुरा, नवही आदि गांवों में महागठबंधन प्रत्याशी डॉ मीसा भारती के लिए जनसम्पर्क कर रहे थे।

सरस्वती शिशु मंदिर में किया गया अभिभावक सम्मेलन

प्रात: किरण संवाददाता

आरा। सरस्वती शिशु मंदिर, उदवंतनगर, भोजपुर में अभिभावक सम्मेलन का आयोजन किया गया। जिसमें भोजपुर विभाग के विभाग प्रमुख वीरेंद्र कुमार का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ।साथ ही विद्यालय प्रबंध कारिणी समिति के अध्यक्ष विजय ओझा, सचिव पुतुल लाल, कोषाध्यक्ष श्री मती कुसुम तथा सदस्य विक्की कमलेश साथ ही साथ उदवंतनगर के जिला पार्षद वंदना की गरिमामयी उपस्थिति रही। अभिभावक एवं माताएं बड़ी संख्या में शामिल हुई।

अतिथियों के द्वारा दीप प्रज्वलित करने के बाद विद्यालय के प्रधानाचार्य विकास कुमार ने आगत अतिथियों का परिचय एवं सम्मान किया तथा अभिभावक सम्मेलन पर प्रस्तावित उद्बोधन दिया। बारी बारी से सभी ने अपना विचार रखा। अध्यक्षीय उद्बोधन विद्यालय की कोषाध्यक्ष कुसुम जी के द्वारा सम्पन हुआ। धन्यवाद ज्ञापन विजय ओझा के द्वारा संपन्न हुआ। विद्यालय के आचार्य नरेंद्र ,सीमा की सहभागिता रही।अंत में वंदे मातरम के द्वारा सम्मेलन का समापन किया गया।

हथियारबंद बदमाशों ने बाइक मैकेनिक को मारी गोली

आराः भोजपुर के उदवंतनगर थाना क्षेत्र के असनी पुल के समीप मंगलवार की शाम जमीन के विवाद में हथियारबंद बदमाशों ने बाइक मैकेनिक को गोली मार दी। उसे दाहिने साइड पीठ पर गोली लगी है, जो अंदर फंसी हुई है। उसे इलाज के लिए सदर अस्पताल से शहर के निजी अस्पताल ले जाया गया। जहां चिकित्सक डॉ. विकास सिंह ने उसका ऑपरेशन कर गोली का बुलेट निकला। घटना को लेकर गांव में आसपास की इलाके में सनसनी मच गई है।

उधर, घटना की सूचना पाकर उदवंतनगर थानाध्यक्ष राम कल्याण यादव पुलिस बल के साथ सदर अस्पताल पहुंचे और जख्मी से मिल घटना की जानकारी ली। इसके पश्चात पुलिस मामले की छानबीन में जुट गई है। जानकारी के अनुसार जख्मी उदवंतनगर थाना क्षेत्र के गडहा गांव निवासी स्व. कृष्णा सिंह का 25 वर्षीय पुत्र मुनन कुमार है। वह पेशे से बाइक मैकेनिक है। असनी बाजार स्थित बाइक दुकान पर काम करता है।इधर, मुनन कुमार ने बताया कि गडहा गांव में उसका ढाई बिगहा जमीन है। जिसको लेकर वर्ष 2022 में आरोपित के परिवार से झगड़ा भी हुआ था। उसी समय से उनसे विवाद चला आ रहा है। मंगलवार की शाम वह जीरो माइल स्थित ऑटो केयर में बाइक बनाने गया था। इसके बाद वह अपने भाई के साथ पैदल वापस गांव लौट रहा था। इसी क्रम में असनी पुल के समीप पहुंचा। तभी एक बाइक पर सवार तीन हथियारबंद बदमाश वहां आ धमके और पहले उसकी जमकर पिटाई की।

तृतीय संयुक्त वार्षिक प्रशिक्षण का हुआ उद्घाटन

प्रात: किरण संवाददाता

गया। डीएवी पब्लिक स्कूल कैंट परिसर में 6 बिहार बटालियन एनसीसी का तृतीय संयुक्त वार्षिक प्रशिक्षण शिविर का उद्घाटन हुआ है।इस शिविर में प्रदेश के गया,औरंगाबाद और जहानाबाद के 655 एनसीसी कैडेट्स भाग ले रहे हैं। कैंप कमांडेंट कर्नल एमके शुक्ला ने शिविर का उद्घाटन किया गया है। इस मौके पर एनसीसी कैडेटो को संबोधित करते हुए कैंप कमांडेंट कर्नल एमके शुक्ला ने कहा कि एनसीसी में शामिल होने वाला व्यक्ति अनुशासन, एकता के साथ राष्ट्रीय एकता और आत्मरक्षा के लिए प्रतिबद्धता से बंधता है। शिविर में शामिल सभी एनसीसी कैडेट्स को ड्रिल, मैप रीडिंग, स्वास्थ्य,योग आदि प्रशिक्षण दिया जायेगा।शिविर में अनेक प्रतिस्पधाओं का भी आयोजन किया जाएगा।इस मौके पर 6 बिहार बटालियन एनसीसी के कमांडिंग ऑफिसर कर्नल एमके शुक्ला,सूबेदार मेजर अमलेंदु मंडल,सूबेदार संतोष कुमार, सुंदर, प्रमोद,राकेश नायब सूबेदार मुकेश अरविंद, बीएचएम महेश,पीआई स्टाफ अरुंजय, कानाराम,भोला, अर्जुन,राहुल, विकास, आशिष सहित एनसीसी कैडेट्स मौजूद थे।

पर्यावरणीय असंतुलन वैश्विक समस्याओं से समाधान का एकमात्र विकल्प पर्यावरण संरक्षण

प्रात: किरण संवाददाता

गया कॉलेज गया के प्राचार्य डा सतीश सिंह चंद्र के दिशा निर्देश पर शिक्षा विभाग के बीएड प्रशिक्षु द्वारा मध्य विद्यालय रामपुर में पर्यावरण संरक्षण पर बच्चों के बीच जानकारी साझा की गई है। इस मौके पर विद्यालय के प्रधानाध्यापक को डॉक्टर धनंजय धीरज विभागाध्यक्ष शिक्षा विभाग एवम अभिषेक कुमार इंटरनसिप समन्वयक डा आर एन प्रियादर्शनि ने प्रशिक्षुओं की ओर से पौधा भेंट किया है।

इस अवसर पर छात्र शिक्षकों एवं विद्यार्थियों ने मिलकर परिसर के साफ-सफाई की एवं उक्त अवसर पर कई पौधे भी धरती की गोद में समर्पित किए गए हैं। प्रशिक्षुओं से जानकारी साझा करते हुए डॉ धनंजय धीरज ने कहा कि ग्लोबल वार्मिंग एवं पर्यावरणीय असंतुलन जैसी वैश्विक समस्याओं से समाधान का एकमात्र विकल्प पर्यावरण संरक्षण ही है।वृक्षों की अंधाधुंध कटाई एवं प्लास्टिक के बढ़ते हुए प्रयोग के कारण आज पर्यावरणीय संकट न मात्र भारत बल्कि संपूर्ण विश्व के लिए एक चुनौती बन गई है ऐसे में इन छात्रों के बीच इस बात की जागरूकता अति आवश्यक है कि अधिक से अधिक वृक्षारोपण ही हमारे पर्यावरण को संतुलित रख सकता है वृक्षों के रोपण के साथ-साथ उनके संरक्षण की भी महती की आवश्यकता है। असमय वर्षा अम्ल वर्षा असहनीय गर्मी जल स्तर का निरंतर गिरते जाना आदि जैसी कई समस्याएं हैं जो प्रकृति के छेड़छाड़ का ही परिणाम है आतः हमें प्राकृतिक संसाधनों के सीमित उपयोग के प्रति जागरूक होना चाहिए और उनके सीमित प्रयोग के प्रति सबों को जागरूक करना भी हराम परम दायित्व है। इस कार्यक्रम में धन्यवाद ज्ञापन सहायक प्राध्यपक डॉ अमरेंद्र कुमार ने किया है।

वोट के बदले पैसे प्रकरण पर जेडीयू बिहार प्रदेश प्रवक्ता ने चुनाव आयोग द्वारा कार्रवाई पर भरोसा जताया

बेतिया।जेडीयू के बिहार प्रदेश प्रवक्ता धीरज कुशवाहा और मनोरंजन गिरी नें बगहा पहुंचकर चुनाव आयोग द्वारा कार्रवाई पर भरोसा जताया है। इस दौरान जेडीयू नेताओं ने 01 वाल्मीकिनगर लोकसभा सीट से एनडीए के जेडीयू प्रत्याशी सुनील कुमार के भारी मतों से जीत का दावा करते हुए देश में तीसरी बार नरेंद्र मोदी के पीएम बनने का दावा किया है। जबकि लालू परिवार को चारा खाने वाला दागी व सजायाफ्ता बताते हुए आरजेडी के जंगल राज वाले 15 साल के दिन याद दिलाये । दरअसल वाल्मीकिनगर के आरजेडी उम्मीदवार दीपक यादव के पक्ष में वोटरों को धमकाने की लिखित शिकायत कर महिला वोटर ने मंगलपुर औसानी पंचायत के मुखिया पति और नियोजित शिक्षक भोला नाथ यादव पर कई गंभीर आरोप लगाए हैं जिसमें आधार कार्ड जमा कर एक-एक हजार रुपए प्रति वोटर देने का प्रलोभन समेत जबरन आरजेडी को वोट करने का दबाव बनाने की शिकायत की गई है।

लावारिस तथा बेसहारा पशुओं को पेयजल की व्यवस्था हेतु एक प्रयास विषय पर संगोष्ठी का आयोजन

आरा इकाई के द्वारा सभागार में प्रधानाचार्या के अध्यक्षता में "लावारिस तथा बेसहारा पशुओं को पेयजल की व्यवस्था हेतु एक प्रयास" विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया, जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में आरा नगर निगम की महापौर श्रीमती इंदु देवी, विश्वविद्यालय के सी.सी.डी.सी. प्रो. प्रसुंजय कुमार सिन्हा, कार्यक्रम समन्वयक एन एस एस डॉ. साधना रावत की सहभागिता रही। सभा को संबोधित करते हुए समन्वय एन एस एस डॉ साधना रावत ने कहा कि समाज में रह रहे असहाय एवं लावारिश पशु - पक्षियों भी समाज का ही अंग है और उनके लिए पेयजल की व्यवस्था करना अपने आप में सराहनीय कार्य है। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि आरा नगर निगम की महापौर माननीय महोदया श्रीमती इंदु देवी जी ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि ऐसे कार्यो से हम सब को भी प्रेरणा मिलती है यह बहुत ही सराहनीय कार्य है और आरा नगर निगम सदैव ऐसे कार्यो को करवाने के लिए तत्पर रहता है। कार्यक्रम में सम्मिलित विशिष्ट अतिथि के रूप में सी सी डी सी प्रो. प्रसुंजय कुमार सिन्हा जी ने कहा कि यह उनके कार्यकाल मे पहली बार है।

भोजपुर जीविका के दीदियों ने मतदाता जागरूकता के क्षेत्र में पूरे देश में रचा इतिहास

प्रात: किरण संवाददाता

भोजपुर। जीविका भोजपुर के द्वारा आज 1500 से अधिक ग्राम संगठन में मतदाता जागरूकता को लेकर मेहंदी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें 2 लाख से अधिक जीविका दीदियों ने एक समय एक साथ भाग लिया जो अपने राज्य ही नही बल्कि पूरे देश में मतदाता जागरूकता के क्षेत्र में ऐतिहासिक कार्यक्रम रहा। आज जिले के 2 लाख घरों में एक साथ मतदाता जागरूकता का संदेश पहुंचने का कार्य जीविका के दीदियों के द्वारा किया गया।

इस कार्यक्रम से भोजपुर जिले के लगभग सभी गांव में जीविका दीदियों ने एक साथ ये संदेश पहुंचाने का कार्य किया है कि वोट हमारे लोकतंत्र के लिए कितना महत्वपूर्ण है और इस महत्वपूर्ण कार्य में प्रत्येक व्यक्ति की सहभागिता सुनिश्चित हो आज इस कार्यक्रम में उप विकास आयुक्त भोजपुर ने ज्ञान एवम उत्साह जीविका महिला ग्राम संगठन उदवंतनगर में इस मेंहदी प्रतियोगिता कार्यक्रम में अपनी गरिमा गरिमामई उपस्थिति दर्ज की और दीदियों का उत्साह वर्धन किया। उप विकास आयुक्त भोजपुर ने कहा की हमारे जिले का यह लक्ष्य था की कि हमारे यहां सातवें चरण में चुनाव होने होना है जिसकी तिथि 1 /6/2024 निर्धारित है। इस तिथि के अनुसार डीपीएम जीविका को ये लक्ष्य दिया गया था कि पूरे जिले में जीविका के ग्राम संगठनों के द्वारा 1 लाख 62 हजार 24 दीदियों की सहभागिता सुनिश्चित करनी है जो की एक ऐतिहासिक पहल।होगा। लेकिन उन्होंने बताया कि मुझे जानकार यह खुशी हो रही है कि इस कार्यक्रम में लगभग 2 लाख से अधिक जीविका जीविका के दीदियों ने अपनी सहभागिता सुनिश्चित कि। उप विकास आयुक्त भोजपुर ने दीदियों को उत्साहित करते हुए कहा कि हमारा जिला हर क्षेत्र में आगे है तो मतदान में पीछे क्यों ? हमारे जिले की जीविका दीदियो अगर मन बना ले तो यह काम भी असंभव नहीं है आपके दीदियों के बाल पर ही हम जिले का मतदान प्रतिशत अधिक से अधिक दर्ज करा सकते हैं।

वरुण कुमार डीपीएम जीविका ने कहा कि हमारे संगठन के द्वारा इतने बड़े पैमाने पर मतदाता जागरूकता का कार्यक्रम किया गया यह हमारे और हमारे संगठन के सभी अधिकारी/ कर्मी और जीविका दीदियों के लिए एक मील का पत्थर साबित हुआ है।इस कार्यक्रम में वरुण कुमार डीपीएम जीविका, प्रखंड परियोजना प्रबंधक अमरेंद्र कुमार, सामाजिक प्रबंधक प्रीति कुमारी ,संचार प्रबंधक सैफ राही उपस्थित रही।

एसबी कॉलेज में अंग्रेजी विभाग की ओर से व्याख्यान का आयोजन

व्याख्यान में स्नातक व पीजी के छात्र हुए शामिल

आरा। वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय की अंगीभूत इकाई एसबी कॉलेज में अंग्रेजी विभाग की ओर से एकदिवसीय व्याख्यान का आयोजन किया गया। प्रकृति का आख्यान:औपनिवेशिक लेंस के माध्यम से पारिस्थितिकी आलोचना और पारिस्थितिकी नारीवाद विषय पर आयोजित व्याख्यान में स्नातक और पीजी के विद्यार्थी शामिल हुए।इसमें छात्राओं की संख्या काफी अधिक रही। उद्घाटन प्राचार्या डॉ पूनम कुमारी, मुख्य वक्ता महाराजा कॉलेज की पीजी अंग्रेजी विभागाध्यक्ष सीनियर असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ वंदना सिंह, कॉलेज के बर्सर डॉ आरएन मिश्रा सहित अन्य ने संयुक्त रूप से किया। अध्यक्षता प्राचार्या डॉ पूनम कुमारी ने की। मुख्य वक्ता डॉ वंदना सिंह ने कहा कि मानवता, ग्रह और हमारे समुदायों को महिला नेतृत्व की अब पहले से कहीं अधिक आवश्यकता है। उन्होंने इसके कई बिंदुओं पर विस्तार से प्रकाश डाला। कहा कि आज पारिस्थितिकी नारीवाद की कई शाखाएं है, जिनमें अलग अलग दृष्टिकोण व विश्लेषण है।यह इस बात पर भी जोर देता है कि महिलाओं और प्रकृति दोनों का सम्मान किया जाना चाहिए। प्राचार्या डॉ पूनम कुमारी ने कहा कि यह एक जीवंत विषय है। डॉ आरएन मिश्रा ने कहा कि पारिस्थितिकी नारीवाद पर्यावरण के प्रति प्रतिबद्धता और महिलाओं और प्रकृति के बीच बने संबंधों के बारें में जोड़ता है। कार्यक्रम में डॉ कनक लता कुमारी, डॉ साधना रावत, डॉ अर्चना कुमारी, डॉ अभिनव कुमार,डॉ सुदीप्ता शर्मा, डॉ श्वेता, डॉ पूजा कुमारी, डॉ आदित्य कुमार आनंद, डॉ बिंकटेश, डॉ एसडी सिंह, डॉ अनामिका, डॉ आशा रानी, डॉ राकेश रंजन, डॉ डीपी राय, डॉ विनय, डॉ मुकेश कुमार सहित कई शिक्षक व छात्र छात्राएं उपस्थित थे।संचालन डॉ राजलक्ष्मी व धन्यवाद ज्ञापन सह संयोजक डॉ पंकज कुमार ने किया।

इंडिया गठबंधन की सरकार आई तो गरीब महिलाओं को एक लाख रुपए दस किलो अनाज गैस के दाम कम होंगे: तेजश्वी यादव

प्रात: किरण संवाददाता

सुगौली। संविधान और आरक्षण बचाने की यह लडाई है। जब हमलोगों की सरका बनेगी तो नौकरी मिलेगी। उक्त बाते सुगौली के विशुनपुरवा हाई स्कूल के प्रांगण में महागठबंधन प्रत्याशी के पक्ष में चुनावी सभा को संबोधित करते हुए कहा। उन्होंने कांग्रेस प्रत्याशी मदनमोहन तिवारी जी को लालू जी और मुकेश सहनी , राहुल गांधी के उम्मीदवार बताते हुए विजयी बनाने का अपील किया। उन्होंने कहा कि जब हमलोगों की सरका बनेगी तो एक करोड़ युवाओं को नौकरी मिलेगी। पांच किलो अनाज के बदले दस किलो दिया जाएगा। गरीब महिलाओं को प्रत्येक साल एक लाख रुपए हर महीने खाते में नगद पैसे आएंगे गैस का दाम घटेगा। यह लडाई बेरोजगारी गरीबी महंगाई मुद्दा है। मोदी जी चीनी मिल भी नहीं चलवाए। वहीं भीआइपी सुप्रीमो मुकेश सहनी ने कम शब्दों में अपना भाषण समाप्त करते हुए कहा कि हमारे कांग्रेस उम्मीदवार मदन मोहन तिवारी को मजबूती से जिताईए। हम सभी संविधान बचाने की लडाई लड रहे है। हमे परेशान किया जा रहा है। जिसका जबाब वोट से देना है। आप सभी लोग मिलकर इंडिया गठबंधन के प्रत्याशी को विजयी बनावे। इससे पहले स्थानीय नेताओं व कांग्रेस प्रत्याशी द्वारा दोनों को फूल माला पहनाकर स्वागत किया गया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता राजद प्रखंड अध्यक्ष ताराचंद यादव ने किया। जबकि संचालन कांग्रेस प्रखंड अध्यक्ष अजय झा ने किया। कार्यक्रम को कांग्रेस प्रत्याशी मदन मोहन तिवारी, स्थानीय विधायक ई.शशिभूषण सिंह, नरकटिया के विधायक शमीम अहमद, राजद नेता ओमप्रकाश चौधरी, वीआइपी नेता मनोज सहनी, राजद नेता रामबाबू यादव, जेपी यादव, रेयाजूल अंसारी, सुरेश यादव, प्रेमचन्द्र यादव, दीपू मिश्रा आदि ने संबोधित किया। मौके पर जिला युवा राजद अध्यक्ष मो. असलम, रेयाजूल हक मुन्ना, अरविंद यादव, शैलेन्द्र सिंह, अफरोज आलम, मो. सकिलुर्रहमान, विनोद बेदर्दी, धर्मेंद्र तिवारी, दीपू मिश्रा, अजय यादव आदि महागठबंधन के कार्यकर्ता मौजूद थे।

संयुक्त किसान मोर्चा द्वारा लाठीचार्ज के प्रतिरोध में कल निकाला जाएगा मौन जुलूस

प्रात: किरण संवाददाता

बक्सर । गोयल धर्मशाला बक्सर में संयुक्त किसान मोर्चा की ओर से आयोजित किसान में सर्व सम्मति से फैसला लिया गया की चौसा के बनारपुर,मोहनपूर्वा और कोच्चाढी में जिला प्रशासन के नेतृत्व में हुए पुलिसया तांडव,तोड़-फोड़,लूट-पाट एवं भीषण लाठीचार्ज के प्रतिरोध में 24 मई को11 बजे दिन मे बक्सर रेलवे स्टेशन से वीर कुंवर सिंह चौक तक किसानों का विशाल मौन जुलूस निकाला जाएगा। जिसका नेतृत्व संयुक्त किसान मोर्चा बिहार के नेतागण करेंगे। बैठक को संबोधित करते हुए किसान नेताओं ने कहा कि दिल्ली मे स्वाति मालीवाल को शायद एक लात लगाने वाले आज जेल में है।मगर मोदी राज में यह कैसी अंधेर गर्दी है कि सैकड़ों स्वाति मालीवाल के रूप में कोच्चाढी,बनारपुर और मोहनपुर्वा में 90 साल की बूढी दादी से लेकर जवान लड़की सहित सैकड़ों बूढ़े,दूध मुहें बच्चें एवं जवानों को शरीर का कोई अंग नहीं बचा जहां पुलिस की लाठी और बूट से हमला नहीं हुआ। फिर भी बक्सर जिला प्रशासन पर आज तक कोई कार्रवाई क्यों नहीं ? मोदी-नीतीश सरकार को इसका जवाब देना होगा।एक दर्जन बार मोदी जी ने बिहार का दौरा किए, कई रात पटना में गुजारे परन्तु अभी तक इन पीड़ितों से मिलने या उनके प्रति सहानुभूति में दो शब्द आज तक उनके मुहं से नहीं निकला। जैसे मणिपुर की घटना पर भी वे आजतक मौन है।चौसा कांड पर भी मौन है।मणिपुर मे अपना उम्मीदवार देने की हिम्मत भी नही हुई।फिर बक्सर क्यो आ रहे है।चौसा के बेकसूर दर्जनों किसान पुरुष एवं महिला जेल में महीनों से बंद है। सैकड़ों घायल के प्रति थोड़ी भी सहानुभूति तो उनके दिल मे होना चाहिए।आजाद भारत में इतना बड़ा भयानक लाठीचार्ज पुलिस अत्याचार का शायद कोई दूसरा मिशाल नहीं है। फिर भी डब्ल इंजन की सरकार का इस भयानक एवं दर्दनाक घटना पर चुप्पी, जनता के खिलाफ और जुल्मी जिला प्रशासन के पक्ष में है। मोदी जी को बक्सर की जनता से वोट मांगने से पहले इसका जवाब देना होगा। वर्ना बक्सर की जनता 1 जून को एन डी ए को परास्त कर अपना जवाब देगी।बैठक को किसान नेता दिनेश कुमार सिंह भारतीय किसान यूनियन के बिहार प्रभारी, अशोक प्रसाद सिंह महासचिव बिहार राज्य किसान सभा, मनोज कुमार संयोजक के के यू,अजय मिश्रा,रघुनाथ सिंह पुर्व प्रमुख,मनोज कुमार सिंह मुखिया औरंगाबाद,केदार सिंह जिला पार्षद,अभिमन्यु सिंहकैमूर,रितेश कुमार अधिवक्ता, राजू सिंह एवं विकास कुमार कैमूर,कालीचरण यादव,श्याम नारायण,शैलेश कुमार,अमरनाथ यादव,शिवजी सिंह ने किसान चौपाल को संबोधित किया।किसान चौपाल की अध्यक्षता किसान नेता लाल साहेब उपाध्याय ने की।

अमित शाह के कार्यक्रम को लेकर चलाया जनसम्पर्क

प्रात: किरण संवाददाता

आरा। पूरे बिहार में राजग के पक्ष में मतदाता उत्साहित है। आरा लोकसभा में राजग समर्थित भाजपा प्रत्यासी राजकुमार सिंह द्वारा क्षेत्र में किये गए कार्यो की प्रशंसा आज हर जगह हो रही है।

उक्त बातें लोजपा रामविलास संसदीय दल के प्रदेश अध्यक्ष सह पूर्व विधान पार्षद हुलास पांडेय ने आरा लोकसभा क्षेत्र के विभिन्न क्षेत्र में जन सम्पर्क कर लौटने के बाद कही। 24 मई को भारत सरकार के गृह मंत्री अमित शाह के आरा आगमन एवं कार्यक्रम को लेकर हुलास पांडेय ने लोगो को निमंत्रित करते हुए कहा कि अमित शाह के आगमन से आमजन उत्साहित है। आज घर घर मे भारत सरकार और बिहार सरकार द्वारा किये गए विकास कार्यो की चर्चा हो रही है।इन्होंने कहा कि आजादी के बाद आरा के लोगो ने पहली बार चौतरफा विकास कार्य सांसद राजकुमार सिंह के नेतृत्व में देखी है। जिसकी खुशी समाज के अंतिम पायदान पर खड़े लोगो के आंखों में दिख रही है। आज भोजपुर जिला के लगभग सभी गावो में सांसद राजकुमार सिंह द्वारा लगभग 168 करोड़ की योजना चल रही है या पूर्ण हो गई है। लोजपा रामविलास के राष्ट्रीय अध्यक्ष चिराग पासवान बिहार के सभी सीटों पर राजग प्रत्यासी को जिताने की अपील कर रहे। लोजपा रामविलास के सभी कार्यकर्ता तन मन धन से राजग प्रत्यासी को जिताने के लिए मेहनत कर रहे।वही दूसरी तरफ बिहार में महागठबंधन की सभी रणनीति ध्वस्त हो गई है। पांच चरण के चुनाव के बाद विपक्ष थका हुआ महसूस कर रहा। महागठबंधन के कार्यकताओं में अब निराशा छा गई है जबकि राजग के कार्यकर्ता समर्थकों में उत्साह है।

पहली बार सारा और करण के साथ काम करेंगे आयुष्मान

आयुष्मान खुराना जल्द ही करण जौहर के साथ काम करने वाले हैं। वो धर्मा और सिख्या एंटरटेनमेंट के बैनर तले बन रही एक फिल्म में नजर आएंगे। इसमें आयुष्मान के अपोजिट सारा अली खान नजर आएंगी। फिल्म के जरिए दोनों पहली बार साथ में स्क्रीन शेयर करते नजर आएंगे।

मेकर्स ने शुरू की फिल्म की शूटिंग

मंगलवार को मेकर्स ने इस फिल्म की अनाउंसमेंट करते हुए यह जानकारी दी। यह एक एक्शन-कॉमेडी फिल्म है जिसका टाइटल अभी तक फाइनल नहीं हुआ है। फिल्म की शूटिंग शुरू हो चुकी है और मेकर्स जल्द ही इसका टाइटल अनाउंस करेंगे। इसे आकाश कौशिक ने लिखा है और वो ही इससे डायरेक्टोरियल डेब्यू भी करेंगे। वो इससे पहले 'भूल भुलैया 2' की स्क्रिप्ट लिख चुके हैं।

आयुष्मान की सारा और करण के साथ पहली फिल्म

यह धर्मा और सिख्या की साथ में तीसरी फिल्म है। इससे पहले दोनों बैनर साथ मिलकर वेब सीरीज 'ग्यारह-ग्यारह' और 'किल' जैसे प्रोजेक्ट्स प्रोड्यूस कर चुके हैं। वहीं आयुष्मान की यह करण और सारा दोनों के ही साथ पहली फिल्म है। फिल्म से जुड़ी बाकी स्टार कास्ट की अनाउंसमेंट जल्द होगी। वर्कफ्रंट पर आयुष्मान की आखिरी फिल्म 2023 में रिलीज हुई ड्रीम गर्ल 2 थी। इस साल अब तक उनकी कोई फिल्म रिलीज नहीं हुई है। वहीं सारा इस साल अब तक मर्डर मुबारक और ए वतन मेरे वतन जैसी फिल्मों में नजर आई हैं।

नीना गुप्ता की राह पर चलीं एक्ट्रेस सुमोना चक्रवर्ती

आलिया भट्ट बी-टाउन की सबसे ज्यादा सुर्खियों में बनी रहने वाली अभिनेत्रियों में से एक हैं। अभिनेत्री सोशल मीडिया पर भी खूब चर्चा में रहती हैं।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक वह जल्द ही यश राज फिल्म्स की एक जासूसी फिल्म में नजर आ सकती हैं। उनके साथ फिल्म में शरवरी वाघ भी नजर आएंगी। अब सोशल मीडिया पर अभिनेत्री की एक तस्वीर वायरल हो रही है, जिसमें वह एक युवती के साथ दिख रही हैं। दावा किया जा रहा है कि वह लड़की यश राज फिल्म्स में काम करती है।

फूलों के गुलदस्ते के साथ दिखीं आलिया

सामने आई तस्वीर में आलिया भट्ट काले रंग की पोशाक में दिख रही हैं। उन्होंने अपने हाथ में एक गुलदस्ता ले रखा है। सोशल मीडिया पर इस तस्वीर के सामने आने के बाद ये हर तरफ छाई हुई है।

वहीं, अभिनेत्री के प्रशंसकों ने अटकलें लगानी शुरू कर दी हैं कि ये तस्वीर वाईआरएफ की आगामी जासूसी फिल्म के तैयारी के दौरान की है।

प्रशंसकों ने दी प्रतिक्रिया

फैंस को आलिया की इस फिल्म का बेसब्री से इंतजार है। ऐसे में सोशल मीडिया पर यह तस्वीर सामने आते ही प्रशंसक तरह-तरह की अटकलें लगाने लगे। एक यूजर ने लिखा, 'वाईआरएफ फिल्म की तैयारी जोरों पर है।' वहीं एक अन्य यूजर ने लिखा, 'वह 'वाईआरएफ' की जासूसी फिल्म के लिए तैयारी कर रही हैं।'

जुलाई से शुरू होगी फिल्म की शूटिंग

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक अभिनेत्री फिल्म में एक सैनिक की भूमिका में नजर आएंगी और इसके लिए वह दो महीनों से तैयारी कर रही हैं। उम्मीद की जा रही है कि फिल्म की शूटिंग जुलाई से शुरू हो जाएगी।

क्रिएटिव डिफरेंस के चलते नहीं बनी बात, रणवीर सिंह ने छोड़ी राक्षस

इस साल फिल्म हनुमान से चर्चा में आए डायरेक्टर प्रशांत वर्मा जल्द ही रणवीर सिंह को लेकर फिल्म राक्षस बनाने वाले थे। फिल्म की तैयारियां भी शुरू हो चुकी थीं, हालांकि अब ताजा रिपोर्ट्स की मानें तो रणवीर सिंह ने क्रिएटिव डिफरेंस के चलते फिल्म छोड़ दी है। हाल ही में आई रिपोर्ट में फिल्म से जुड़े एक सूत्र के हवाले से लिखा गया है कि रणवीर सिंह अब फिल्म राक्षस का हिस्सा नहीं हैं। खबर में लिखा गया है, रणवीर सिंह अप्रैल में हैदराबाद गए थे। उन्होंने फिल्म अनाउंसमेंट के लिए एक फोटोशूट भी करवाया था। जहां एक तरह ऑफिशियल अनाउंसमेंट की तैयारी हो रही थीं, वहीं दूसरी तरफ अब रणवीर सिंह ने प्रशांत वर्मा की फिल्म छोड़ दी है। खबर है कि रणवीर सिंह ने क्रिएटिव डिफरेंस के चलते फिल्म करने से इनकार कर दिया है। रिपोर्ट के अनुसार, मेकर्स और रणवीर सिंह ने बातचीत कर कुछ हल निकालने की कोशिश की थी, लेकिन बात नहीं बन सकी। आखिरकार रणवीर ने इस उम्मीद से फिल्म छोड़ दी कि वो भविष्य में किसी दूसरे प्रोजेक्ट में साथ काम करेंगे। रणवीर सिंह द्वारा फिल्म राक्षस छोड़ने के बाद अब डायरेक्टर प्रशांत वर्मा नए एक्टर की तलाश में हैं। प्रशांत वर्मा जल्द ही फिल्म जय हनुमान पर काम शुरू करने वाले हैं। वो चाहते हैं कि उससे पहले वो राक्षस फिल्म पूरी करें।

वर्कफ्रंट की बात करें तो रणवीर सिंह जल्द ही रोहित शेट्टी के कॉप यूनिवर्स की अगली फिल्म सिंघम अगेन में नजर आएंगे। इसके अलावा उनके पास जोया अख्तर की डॉन 3 और शक्तिमान जैसी फिल्में हैं। 12 जनवरी 2024 को प्रशांत वर्मा द्वारा लिखित और निर्देशित फिल्म हनुमान रिलीज हुई थी। तेलुगु भाषा में बनी इस सुपरहीरो फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर कई बड़े रिकॉर्ड बनाए थे। 350 करोड़ का कलेक्शन कर ये फिल्म 2024 की हाईएस्ट ग्रॉसिंग इंडियन फिल्म बन चुकी है, जबकि फाइटर जैसी फिल्म भी 350 करोड़ तक नहीं पहुंच सकी। साथ ही ये 2024 में रिलीज हुई तेलुगु और साउथ सिनेमा की भी हाईएस्ट ग्रॉसिंग फिल्म है।

फिल्मों से लेकर ओटीटी की क्वीन हैं शेफाली, डार्लिंग्स और दिल्ली क्राइम ने दिलाई अलग पहचान

बॉलीवुड की खूबसूरत अदाकारा शेफाली शाह आज किसी पहचान की मोहताज नहीं हैं। बॉलीवुड में उन्होंने अपने एक्टिंग के दम पर अपनी एक अलग पहचान बनाई है। 22 मई 1973 को महाराष्ट्र के मुंबई में जन्मी शेफाली आज अपना जन्मदिन मना रही हैं। आइए आज आपको उनके जन्मदिन पर उनकी जिंदगी से जुड़े कुछ दिलचस्प पहलुओं के बारे में बताते हैं।

शेफाली शाह अपनी माता-पिता की लाडली संतान हैं। दोनों ने उन्हें बेहद लाड़-प्यार से पाला। शेफाली बचपन से ही अभिनय करना चाहती थीं और फिर उन्होंने इसी फील्ड को अपना कार्यक्षेत्र भी बना लिया। अभिनेत्री ने फिल्म 'रंगीला' से बॉलीवुड में अपना डेब्यू किया था। यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर हिट रही थी और इस फिल्म में वे उर्मिला मातोंडकर और आमिर खान के साथ नजर आई थीं। शेफाली शाह ने कई फिल्मों में काम किया, लेकिन उन्हें वह सफलता नहीं मिली जो उन्हें ओटीटी पर मिली। वे फिल्मों में अक्षय कुमार की मां की भूमिका में भी नजर आ चुकी हैं। उन्हें फिल्मों में अपने किरदार के लिए कई पुरस्कार भी मिले, लेकिन एक्टिंग की भूख ओटीटी तक उन्हें खींच लाया। शेफाली शाह ओटीटी की क्वीन मानी जाती हैं। उन्होंने एक से बढ़कर एक हिट शो में काम किया है। अभिनेत्री के शो दिल्ली क्राइम ने तो ओटीटी के सभी रिकॉर्ड को ध्वस्त कर दिया। इस शो के दूसरे सीजन को अंतर्राष्ट्रीय एमी नामांकन मिला। शेफाली दिल्ली क्राइम में पुलिस अधिकारी वर्तिका चतुर्वेदी की भूमिका में नजर आई थीं। वहीं शेफाली शाह की निजी जिंदगी की बात करें तो शेफाली शाह अपने पति फिल्म निर्देशक विपुल शाह के साथ एक खुशहाल जिंदगी जी रही हैं। विपुल ने उन्हें काफी सपोर्ट किया है।

संजय दत्त ने इस वजह से छोड़ दी अक्षय कुमार की वेलकम टू द जंगल!

वेलकम फ्रेंचाइजी की तीसरी वेलकम टू द जंगल का क्रेज दर्शकों के बीच खूब छाया हुआ है। फैंस उत्सुकता के साथ इस फिल्म का इंतजार कर रहे हैं। फिल्म में सितारों की बड़ी टोली है। फिल्म को लेकर लगातार आ रही नई जानकारियों का फैंस इंतजार करते हैं। वहीं अब फिल्म को लेकर बड़ा अपडेट सामने आया है, जो दर्शकों को निराश भी कर सकता है। दरअसल, संजय दत्त निर्देशक अहमद खान की कॉमिक फिल्म वेलकम टू द जंगल में शामिल हुए थे। अब उनकी भूमिका पर संकट छाए हुए हैं। दरअसल, संजय दत्त को फिल्म में अक्षय कुमार, परेश रावल, सुनील शेट्टी और अन्य के साथ स्क्रीन स्पेस साझा करना था। हालांकि, वेलकम 3 पर ताजा खबर यह है कि संजय ने कॉमिक फिल्म से बाहर निकलने की तैयारी कर ली है। रिपोर्ट्स के अनुसार संजय दत्त ने वेलकम टू द जंगल से बाहर निकलने के लिए तारीख की समस्या का हवाला दिया। बताया जा रहा है कि संजय दत्त को लगा कि वेलकम टू द जंगल की शूटिंग अनियोजित तरीके से हो रही है और स्क्रिप्ट में बहुत सारे बदलाव किए जा रहे हैं, जिससे उनकी शूटिंग की डायरी खराब हो रही है और इसलिए उन्होंने अपने रास्ते अलग कर लिए हैं। अब संजय ने इस फिल्म से बाहर होने का मन बना लिया है तो ऐसे में निर्माता फिल्म में उनकी जरिए शूट किए गए हिस्से इसका उपयोग करना चाहते हैं और संजय को अतिथि भूमिका निभाने का श्रेय देने के लिए तैयार हैं। अब निर्माता नए बदलावों के अनुसार स्क्रिप्ट का निर्माण करेंगे।

कान में भारतीय फिल्मों के प्रदर्शन से खुश हैं शोभिता

अभिनेत्री शोभिता धूलिपाला कान फिल्म फेस्टिवल 2024 में अपना जलवा बिखेरा शोभिता की कान लुक की तस्वीरें सोशल मीडिया पर खूब छाई हुई हैं।

गोल्डन बॉडीकॉन ड्रेस में वह किसी गोल्डन स्टैच्यू से कम नहीं लग रही थीं। उन्होंने कान 2024 में भारतीय फिल्मों की उपस्थिति पर गर्व महसूस किया है। शोभिता ने बताया कि एक ही वर्ष में सात भारतीय फिल्में प्रदर्शित की गईं। अभिनेत्री ने कहा, यह कान्स में भारतीय फिल्मों के लिए एक अविश्वसनीय वर्ष है।

बिग बॉस को होस्ट करते नजर आएंगे रितेश देशमुख

मराठी भाषा में बना बिग बॉस नए तेवर और कलेवर के साथ आ गया है। इस बार बिग बॉस को होस्ट के तौर पर नया चेहरा भी मिल गया है। फिर से आपको खूब ड्रामा, मसाला और लड़ाई झगड़ा देखने को मिलने वाला है। इस बार एंटरटेनमेंट के इस डोज में डबल तड़का क्योंकि रितेश देशमुख लगाने वाले हैं। इसका अनाउंसमेंट हाल ही में किया गया। कलर्स मराठी के चैनल पर बिग बॉस के पांचवें सीजन का प्रोमो शेयर किया गया। इसे देख फैंस बिल्कुल सरप्राइज हो गए। रितेश देशमुख स्वैग और स्टाइल से...मूछों को ताव देते हुए, एंट्री लेते दिखे। रितेश ने अपने स्टाइल से बता दिया कि वो हर कंटेस्टेंट पर नजर रखने वाले हैं।

प्रोमो शेयर कर लिखा गया- मराठी मनोरंजन का बिग बॉस. सबको पागल बनाने आ रहे हैं... दमदार होस्ट, सुपरस्टार रितेश देशमुख!! ये शो कलर्स मराठी एयर किया जाएगा. साथ ही जियो सिनेमा ऐप पर फ्री में स्ट्रीम किया जाएगा। रितेश से पहले फिल्ममेकर महेश मांजरेकर इस रिएलिटी शो के होस्ट रह चुके हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक सीजन 4 काफी हिट साबित हुआ था, लेकिन अब महेश ब्रेक चाहते हैं इसलिए मेकर्स ने रितेश को फाइनल किया। ये खबर फैंस के लिए जहां बेहद एक्साइटिंग है वहीं महेश के चाहने वालों को ये रास नहीं आ रही है। प्रोमो पर मिक्स्ड रिस्पॉन्स देखने को मिल रहा है। कई यूजर्स महेश की वापसी की मांग कर रहे हैं तो वहीं कई का कहना है कि रितेश देशमुख बेहतर होस्ट साबित होंगे। बिग बॉस मराठी सीजन 5 की डेट फिलहाल फाइनल नहीं की गई है। लेकिन खबर है कि जून में इसकी शुरुआत होगी। अभी तक मेकर्स ने कंटेस्टेंट्स के नाम भी रिवील नहीं किए हैं। फिलहाल शो के सेट मेकिंग की तैयारी की जा रही है, इस बार पिछली बार से भी ज्यादा लग्जूरियस घर बनाने की प्लानिंग की गई है।

सेंसेक्स
74221.06 पर बंद
निफ्टी
22597.80 पर बंद

व्यापार

सोना
74114
चांदी
83094

संक्षिप्त समाचार

इंसोलेशन एनर्जी लि. ने वित्त वर्ष 24 में 419.50 प्रतिशत वृद्धि की रिपोर्ट दी

मुंबई एजेंसी। इंसोलेशन एनर्जी लिमिटेड (बीएसईः आईएनए) हाई परफार्मेंस सोलर पैनल्स, बैटरीज और पावर कंडीशनिंग यूनिट्स (पीसीयू) के उत्पादन में सुविज्ञता रखने वाली भारत की सोलर एनर्जी क्षेत्र की एक प्रमुख खिलाड़ी, कंपनी ने वित्त वर्ष 24 की दूसरी छमाही और वित्त वर्ष 24 के अपने ऑडिटेड वित्तीय परिणामों की घोषणा की है. प्रदर्शन पर टिप्पणी करते हुए इंसोलेशन एनर्जी लिमिटेड चेयरमैन श्री मनीष गुप्ता और मैनेजिंग डायरेक्टर श्री विकास जैन ने कहा,हम सहर्ष इन उत्कृष्ट परिणाम की घोषणा करते है.हमारे प्रोडक्ट आफरिंग को बढ़ाने के लिए हमारा अत्याधुनिक टेक्नोलॉजी का उपयोग करने पर फोकस निरंतर बना हुआ है और बढ़ता हुआ बाजार पैठ हमारी सफलता के लिए महत्वपूर्ण है.हमारा लक्ष्य उल्लेखनीय वैल्यू डिलीवर करते समय रिन्यूएबल एनर्जी की दिशा में ग्लोबल ट्रांजिशन के प्रति निरंतर योगदान देना है. एबिटडा और कर बाद लाभ मार्जिन में सकारात्मक रुझान प्रभावी ढंग से लागत को व्यवस्थित करने और कामकाज को अधिकतम करने की हमारी क्षमता पर रोशनी डालती है, जो सोलर एनर्जी उद्योग में एक लीडर के रूप में हमारी पोजीशन की फिर से पुष्टि करती है।

सैमसंग 'सॉल्व फॉर टुमॉरो' ने किया पहली 'डिजाइन थिंकिंग वर्कशॉप' का आयोजन

गुरुग्राम, भारत- 20 मई, 2024ऱ सैमसंग, भारत के सबसे बड़े कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स ब्राण्ड, ने देश के चुनिंदा स्कूलों में अपनी पहलह डिजाइन थिंकिंग एण्ड ट्रेनिंग वर्कशॉप की पेशकश की है। यह अनोखी पहल सैमसंग के 'सॉल्व फॉर टुमॉरो' प्रोग्राम का हिस्सा है। यह 'ह्यूमन-सेंटर्ड डिजाइन थिंकिंग' की रूपरेखा के माध्यम से विद्यार्थियों में जरूरी कौशल बढ़ाने पर फोकस करती है। इन कौशल में प्रॉब्लम सॉल्विंग, क्रिटिकल थिंकिंग, प्रोबिंग और क्रियेटिविटी शामिल हैं। राष्ट्रीय स्तर की शिक्षा एवं नवाचार प्रतियोगिता का मकसद अगली पीढ़ी में नवाचार की संस्कृति को बढ़ावा देना है। खासकर भारत के लिये तैयार की गई, एक दिन की वर्कशॉप ने विद्यार्थियों को डिजाइन थिंकिंग के आइडिया कोा पसंद करने लिये प्रोत्साहित किया। उन्हें दुनिया की असल समस्याओं को समझने और हल करने की प्रेरणा भी मिली।

पोको वनप्लस को पछाड़कर भारत का 6 एंड्रॉयड स्मार्टफोन ब्रांड बना

नई दिल्ली, एजेंसी। स्मार्टफोन उद्योग में तीव्र वृद्धि के लिए मशहूरए पोको इंडिया ने एक बार फ्रि एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। इनोवेशन की अपनी प्रतिबद्धता के साथ पोको ने 2024 की पहली तिमाही में 72.2 प्रतिशत की शानदार साल.दर.साल वृद्धि दर्ज करते हुए वनप्लस को पीछे छोड़ दिया है। आईडीसी की नई रिपोर्ट के अनुसार पोको 5.9 प्रतिशत बाजार हिस्सेदारी के साथ 2024 की पहली तिमाही में जबरदस्त वृद्धि करते हुए स्मार्टफोन शिपमेंट के मामले में वनप्लस से आगे निकल गया है। यह सफ्लता जैन ज़ी आबादी पर ध्यान केंद्रित करने की पोको की प्रभावशाली रणनीति का प्रमाण हैए जिसके अंतर्गत यह बेहतरीन परफ़ॉर्मेंस वाले स्मार्टफोन के विस्तृत पोर्टफ़ोलियो और मजबूत आफ्टर.सेल्स सर्विस एवं सपोर्ट नेटवर्क की मदद से ग्राहकों के अनुभव में सुधार लाता है। 2024 की पहली तिमाही के लिए जारी आईडीसी की रिपोर्ट में पोको की मजबूत विकास दर का खुलासा हुआ हैए जिसने इसे भारत में सर्वोच्च एंड्रॉयड स्मार्टफोन ब्रांडों में नंबर 6 के स्थान पर पहुँचा दिया है।

रिजर्व बैंक के एक्शन वाली तिमाही में पेटीएम का रेवेन्यू तीन फीसदी घटा

नई दिल्ली, एजेंसी। मोबाइल वॉलेट चलाने वाली कंपनी पेटीएम को तो जानते ही होंगे। इसी साल फरवरी महीने के दौरान कंपनी पर रिजर्व बैंक की गाज गिरी थी। आरबीआई के एक्शन के बाद से पेटीएम के शेयरों में जो पिटाई शुरू हुई, वह अभी तक उबर नहीं पाया है। आज ही कंपनी के तिमाही नतीजों की घोषणा हुई। इससे पता चला कि वित्त वर्ष 2023-24 की चौथी तिमाही में उसका रेवेन्यू तीन प्रतिशत घटकर 2,267 करोड़ रुपये रह गया है।

वित्त वर्ष 2023-24 की अंतिम तिमाही में कंपनी का रेवेन्यू गिरा है। यह वही समय है, जबकि रिजर्व बैंक ने फाइनेंसियल सर्विसेज देने वाली इस कंपनी एक्शन लिया था। हालांकि, कंपनी का कहना है कि यह गिरावट प्रमुख रूप से वृहद आर्थिक चुनौतियों, बढ़ी प्रतिस्पर्द्धा और नियामकीय बदलावों के कारण आई है। पेटीएम ने कहा कि राजस्व घटने के बावजूद उसने मुनाफा बढ़ाने और परिचालन दक्षता में सुधार की दिशा में महत्वपूर्ण प्रगति की है। तभी तो पूरे वित्त वर्ष के लिए परिचालन से प्राप्त राजस्व 25 प्रतिशत बढ़कर 9,978 करोड़ रुपये पर

पहुंच गया। यह वृद्धि मुख्य रूप से ग्रॉस मर्कंडाइज वैल्यू, डिवाइसों की संख्या और वित्तीय सेवाओं के ऑफर बढ़ने के कारण दर्ज की गई है।

क्या रहा कंपनी का जीएमवी

वित्त वर्ष 2023-24 में पेटीएम का ग्रॉस मर्चेंडाइज वैल्यू (जीएमवी) 39 फीसदी बढ़कर 18.3 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गया। कंपनी का कहना है कि मार्च 2024 तक प्लेटफॉर्म पर 1.07 करोड़ मर्चेंट सब्सक्राइबर थे जो एक साल पहले के मुकाबले 39 प्रतिशत ज्यादा है।

नुकसान कम हुआ

कंपनी का कहना है कि विकास और ऑपरेटिंग प्रॉफिट बढ़ने से कंपनी का ओवरऑल नुकसान 1,423 करोड़ रुपये रहा जो एक साल पहले की तुलना में 354 करोड़ रुपये कम है। कंपनी ने बताया कि इसके अलावा, कर्मचारी स्टॉक स्वामित्व योजना (ईएसओपी) से पहले पेटीएम का ब्याज, कर, मूल्य ह्रास और अमॉर्टाईजेश से पहले का लाभ बढ़कर 559 करोड़ रुपये पर पहुंच गया।पेटीएम की भुगतान सेवाओं का आकार वित्त वर्ष 2023-24 में 6,235 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। कंपनी ने कहा कइस वृद्धि के पीछे विस्तृत पैमाने पर डिजिटल भुगतान को अपनाया जाना और मर्चेंट बेस के विस्तार पर कंपनी का जारी फोकस मुख्य वजह है। वित्त वर्ष 2023-24 की चौथी तिमाही में साल-दर-साल आधार पर भुगतान सेवा का राजस्व सात फीसदी बढ़कर 1,568 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। मार्केटिंग सेवाओं का कारोबार 14 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 1,738 करोड़ रुपये हो गया। वित्त वर्ष 2023-24 में यूपीआई के लिए प्रोत्साहन राशि के मद में कंपनी ने 288 करोड़ रुपये दिये जबकि वित्त वर्ष 2022-23 में यह आंकड़ा 182 करोड़ रुपये था।

मार्च तिमाही में इकॉनामी को लग सकता है झटका!

नई दिल्ली, एजेंसी। वित्त वर्ष 2024 की मार्च तिमाही (जनवरी-मार्च) में देश के ग्रॉस डोमेस्टिक प्रोडक्ट (त्ळक्ष्क) की रफ्तार पर औद्योगिक उत्पादन और खेती-बाड़ी की सुस्ती का असर दिख सकता है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने उम्मीद जताई थी कि चौथी तिमाही में जीडीपी ग्रोथ 8 प्रतिशत रह सकती है, लेकिन विशेषज्ञों का कहना है कि ग्रोथ 7 प्रतिशत या इससे भी कम रह सकती है। वित्त वर्ष 2024 की पहली यानी जून तिमाही में 8.2 प्रतिशत ग्रोथ के बाद इकॉनमी सितंबर तिमाही में 8.1 प्रतिशत और दिसंबर तिमाही में 8.4 प्रतिशत बढ़ी थी। दिसंबर तिमाही का आंकड़ा आने के बाद सीतारमण ने कहा था, उम्मीद है कि चौथी तिमाही में भी ग्रोथ 8 प्रतिशत या इससे अधिक होगी, जिससे पूरे वित्त वर्ष 2024 में 8 प्रतिशत या इससे अधिक की ऐवरेज ग्रोथ हासिल होगी।

बैंक ऑफ बड़ौदा के चीफ इकनॉमिस्ट मदन सबनवीस ने कहा, चौथी तिमाही में जीडीपी ग्रोथ 7.1-7.2 प्रतिशत रह सकती है ग्रॉस वैल्यू एडिशन 6.8-6.9 प्रतिशत रह सकता है। मैन्युफैक्चरिंग और कंस्ट्रक्शन के बेहतर प्रदर्शन के साथ पूरे वित्त वर्ष में जीडीपी 7.9 प्रतिशत और जीवीए 7.3 प्रतिशत तक बढ़ने का अनुमान है।

ऑफिस स्पेस सॉल्यूशंस लिमिटेड का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम खुलेगा

ऑफिस स्पेस सॉल्यूशंस लिमिटेड के प्रत्येक 10 के अंकित मूल्य वाले इक्विटी शेयर का प्राइस बैंड 364 प्रति इक्विटी शेयर से 383प्रति इक्विटी शेयर तय किया गया है

मुंबई एजेंसी। सीबीआरई रिपोर्ट के अनुसार, भारत में सबसे बड़ी फ्लेक्सिबल वर्कस्पेस सॉल्यूशंस कंपनी, ऑफिस स्पेस सॉल्यूशंस लिमिटेड (कंपनी) 2024 को इक्विटी शेयरों का अपना आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (ऑफर) खोलने का प्रस्ताव करती है। एंकर निवेशक बोली की तारीख बोली/ऑफर खुलने की तारीख से एक कार्य दिवस पहले है।। बोली/ऑफर बंद होने की तारीख 27 मई, 2024 को होगी।

प्राइस बैंड 364 प्रति इक्विटी शेयर से 383प्रति इक्विटी शेयर तय किया गया है। न्यूनतम 39 इक्विटी शेयरों के लिए और उसके बाद 39 इक्विटी शेयरों के गुणकों में बोलियां लगाई जा सकती हैं।ऑफर में 1,280.00 मिलियन तक के कुल मिलाकर इक्विटी शेयरों का एक नया इश्यू (ताज़ा इश्यू) और मिलियन तक के कुल मिलाकर 12,295,699 इक्विटी शेयरों (ऑफर किए गए शेयर) तक की बिक्री का प्रस्ताव शामिल है। जिसमें कुल मिलाकर 6,615,586 इक्विटी शेयर शामिल हैं, जो कि पीक एक्सवी पार्टनर्स इन्वेस्टमेंट्स ङ्क (पूर्व में स्ह्टद्ब इन्वेस्टमेंट्स ङ्क के रूप में जाना जाता था) (पीक एक्सवी या प्रमोटर सेलिंग शेयरधारक) द्वारा मिलियन तक है, कुल मिलाकर 5,594,912 इक्विटी शेयर तक बिस्क लिमिटेड द्वारा मिलियन तक और लिंक इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट द्वारा मिलियन तक कुल मिलाकर 85,201 इक्विटी शेयर (सामूहिक रूप से, सेलिंग शेयरधारक और बेचने वाले शेयरधारकों द्वारा इक्विटी शेयरों की बिक्री के लिए ऐसे प्रस्ताव, बिक्री के लिए प्रस्ताव) शामिल हैं। यह ऑफर हमारी कंपनी की पोस्ट-ऑफर प्रदत्त इक्विटी शेयर पूंजी का प्रतिशत होगा।

आईआईएम लखनऊ ने व्यापक पर्यावरणीय स्थिरता रिपोर्ट जारी की

लखनऊ, एजेंसी। भारतीय प्रबंधन संस्थान लखनऊ(आईआईएमएल) ने हाल ही में अपने लखनऊ और नोएडा दोनों परिसरों में संसाधन पदचिह्न और ग्रीनहाउस गैस (जीएचजी) उत्सर्जन पर प्रकाश डालते हुए एक व्यापक पर्यावरणीय स्थिरता रिपोर्ट आयोजित की। वर्ष 2023 के लिए आधार रेखा के रूप में किया गया मूल्यांकन न केवल इसके पारिस्थितिक पदचिह्न को कम करने के तरीकों की पहचान करने के लिए एक आधार के रूप में काम करेगा, बल्कि जब पर्यावरणीय और सामाजिक रूप से जागरूक सीखने की प्रक्रिया प्रदान करने की बात आती है तो सिद्धांत और व्यवहार में स्थिरता को एकीकृत करने के लिए इसकी अटूट प्रतिबद्धता को भी दर्शाता है। एक प्रतिष्ठित भारतीय बी-स्कूल द्वारा। रिपोर्ट द एनर्जी एंड रिसोर्सेज इंस्टीट्यूट (टीईआरआई) द्वारा तैयार की गई है और संस्थान की परियोजना का नेतृत्व आईआईएम लखनऊ के उत्कृष्टता केंद्र, सेंटर फॉर बिजनेस सस्टेनेबिलिटी (सीबीएस) में प्रोफेसर कौशिक रंजन बंद्योपाध्याय और प्रोफेसर दीप्ति गुप्ता ने किया था।

केएफसी गर्मियों से राहत देने के लिए लाया है समर बेवरेजेस की नई रेंज

मुंबई, एजेंसी। पूरे देश में बढ़ते तापमान के साथ, हर कोई यही जानना चाहता है कि इस तपती गर्मी से राहत कैसे पायी जाए?

केएफसी इंडिया इसका समाधान लेकर आया है ङ्क चार अद्वितीय ताजगीभारे बेवरेज, जो न केवल ठंडक देते हैं, बल्कि गर्मी को क्रश भी कर देते हैं। ये ठंडक भरे बेवरेज तपती गर्मी के लिए बिल्कुल उपयुक्त हैं।क्लासिक क्रश लाइम में इंडियन मसाला और नींबू के रस के शानदार मिश्रण है, जो पीते ही ठंडक प्रदान करता है।अगर आपको पुदीने का स्वाद पसंद है, तो वर्जिन मोहितो पीकर देखें, जिसमें ठंडे सोडा के साथ नींबू और पुदीना का मिश्रण है।अगला समर बेवरेज है मसाला पेप्सी, एक मसालेदार वर्जन है। इसके बाद है माउंटेन ड्यू मोहितो, जिसमें पुदीना और नींबू के एक टैंजी मिश्रण को ताजगीभरे माउंटेन ड्यू के साथ बनाया गया है।

केवल 59 रुपये से शुरू होने वाले केएफसी के ये नए समर ड्रिंक गर्मियों की धूप से राहत देने के लिए उपयुक्त हैं।

इसलिए इंतजार ना करें। अपने नजदीकी केएफसी रेस्टोरेंट में जाएं और गर्मी से राहत पाएं। डाइन-इन और टेकअवे द्वारा चारों बेवरेजेस का आनंद लें।पूरे देश में बढ़ते तापमान के साथ, हर कोई यही जानना चाहता है कि इस तपती गर्मी से राहत कैसे पायी जाए?

गौतम अडानी की अब भारत से बाहर निकलने की है तैयारी

गौतम अडानी की नजर विदेशों में तीन बंदरगाहों पर

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत और एशिया के दूसरे सबसे बड़े रईस गौतम अडानी का जोर अब विदेशों में अपना कारोबार बढ़ाने पर है। बिजनस अखबार मिंट की एक रिपोर्ट के मुताबिक अडानी ग्रुप की नजर तीन विदेशी पोर्ट्स पर है और इसके लिए उसने तीन अरब डॉलर यानी करीब 2,49,77,49,00,000 रुपये का कैश चेस्ट बनाया है। ग्रुप इंडिया-यूरोप कॉरिडोर पर अपनी मजबूत उपस्थिति चाहता है। सूत्रों के मुताबिक देश में लौह अयस्क और कोयले के आयात की मांग बढ़ रही है जबकि फिनिश्ड गुड्स का एक्सपोर्ट बढ़ रहा है। अडानी ग्रुप इस मौके के हाथोंहाथ लेना चाहता है। उसकी नजर

यूरोप, अफ्रीका और साउथ ईस्ट एशिया में तीन बड़े पोर्ट्स पर है। ब्लूमबर्ग बिलिनेयर इंडेक्स के मुताबिक गौतम अडानी 104 अरब डॉलर की नेटवर्थ के साथ एशिया और भारत के दूसरे बड़े रईस हैं। दुनिया के अमीरों की लिस्ट में वह 14वें नंबर पर हैं।

सूत्रों के मुताबिक अडानी ग्रुप अपनी पोर्ट कैपेसिटी को बढ़ाना चाहता है। अभी उसकी कंटेनर हैंडलिंग कैपेसिटी सालाना करीब 600 मिलियन मीट्रिक टन है। इसमें करीब 420 मिलियन मीट्रिक टन डोमेस्टिक कैपेसिटी है। ग्रुप की योजना अगले दो साल में अपनी कैपेसिटी को बढ़ाकर 800 मिलियन मीट्रिक टन करने की है।

सोने के गिरे भाव, चांदी की कीमत रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंची

नई दिल्ली, एजेंसी। सर्राफा मार्केट में सोने-चांदी के भाव में बड़ा बदलाव आया है। आज यानी बुधवार 22 मई को चेन्नई, अहमदाबाद, आगरा, जयपुर, लखनऊ, कानपुर, दिल्ली, बरेली, एटा, कोलकाता लुधियाना, चंडीगढ़, गोरखपुर, इंदौर से लेकर कन्याकुमारी तक सोने-चांदी के रेट में बड़ा बदलाव हुआ है है।

सर्राफा मार्केट में आज 22 मई को 24 कैरेट सोना 100 रुपये सस्ता होकर 74114 रुपये प्रति 10 ग्राम के रेट पर खुला। जबकि, चांदी 221 रुपये प्रति किलो महंगी होकर 83094 रुपये प्रति किलो के रेट पर खुली। इससे पहले मंगलवार को सोना 74214 और चांदी 92873 रुपये पर बंद हुई थी।बता दें सोना 19 अप्रैल को 2024 को ऑल टाइम हाई 73596 रुपये पर था। जबकि, चांदी आज ऑल टाइम हाई 93094 रुपये प्रति किलो पर पहुंच गई है।

आईबीजेए के लेटेस्ट रेट के मुताबिक बुधवार 16 मई को 23 कैरेट सोने का भाव 100 रुपये गिरकर 73817 रुपये प्रति 10 ग्राम पर खुला। दूसरी ओर 22 कैरेट सोने की कीमत 92 रुपये गिरकर 67888 रुपये प्रति 10 ग्राम पर आ गई है। जबकि, 18 कैरेट गोल्ड का रेट भी 75 रुपये प्रति 10 ग्राम सस्ता होकर 55586 रुपये पर आ गया है। वहीं, 14 कैरेट गोल्ड की कीमत 58 रुपये कम होकर 43357 रुपये पर आ गई है।

पॉकेट एफएम का नया कमाल: 4 सुपरहीरो सीरीज़ ने 700 मिलियन बार सुने जाने का बनाया रिकॉर्ड

नई दिल्ली, एजेंसी। मनोरंजन के डिजिटल स्वरूप की दिन-ब-दिन बढ़ती लोकप्रियता और सुपरहीरो जॉनर की अकूत संभावनाओं को देखते हुए ऑडियो सीरीज़ प्लेटफॉर्म पॉकेट एफएम ने अपनी सुपरहीरो सीरीज़ की सफलता को लेकर आज एक दुर्लभ उपलब्धि से लोगों को अवगत कराने का फ़ैसला लिया. पॉकेट एफएमकी ओर से बताया गया कि उनकी चार सुपरहीरो ऑडियो सीरीज़ ऐसी हैं जिनमें से हरेक ने 100 मिलियन यानी 10 करोड़ से ज़्यादा बार सुने जाने का अनोखा कीर्तिमान स्थापित किया है. हाल के वर्षों में भारतीय सुपरहीरोज़ ने पारंपरिक माध्यमों से बाहर निकलकर डिजिटल मीडिया में अपनी ख़ास जगह बनाने में सफलता पाई है. उल्लेखनीय है कि पॉकेट एफएमइस क्रांतिकारी बदलाव में एक अग्रणी भूमिका निभा रहा है. नंबर ज़ीरो (140रू प्लेज़), 'शूरवीर (250रूप्लेज़), 'द न्यू अवतार (190रू प्लेज़) और 'सुपर योद्धा (140रू प्लेज़) जैसे पुरस्कृत शोज़ की अपार सफलता की दास्तां खुद-ब-खुद बयां कर रहे हैं. पॉकेट एफएमके इंडिया और न्यू मार्केट हेड सुयोग गोथि ने इस मौके पर कहा, 100 मिलियन प्ले के जश्न के इस ख़ास मौके पर हमें यह बताते हुए बेहद ख़ुशी का एहसास हो रहा है कि हमारे सुपरहीरो ऑडियो सीरीज़ को लोगों की ओर से अद्भुत प्रतिसाद मिल रहा है. सुपर योद्धा, द न्यू अवतार, शूरवीर, और नम्बर ज़ीरो जैसी सीरीज़ ने ना सिर्फ़ लोगों का खूब मनोरंजन किया ।

प्रोटीन से भरपूर प्राकृतिक आहार, जो प्रोटीन सप्लीमेंट्स का अच्छा विकल्प हो सकते हैं : समद्दर

भोपाल। प्रोटीन आपके शरीर की संपूर्ण सेहत के लिये जरूरी है ,क्योंकि ये मांसपेशियों ऊतकों और हॉर्मोन के लिए एक बिल्डिंग ब्लॉपक का काम करता है। प्रोटीन मेटाबोलिज़्छ्म को नियमित करने में सहायक होता है इम्युखन फंक्शकन को सहयोग देता है और लगातार ऊर्जा प्रदान करता है। सुविधा के लिये कई लोग प्रोटीन सप्लीकमेंट्स लेते हैं लेकिन हैदराबाद के नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ न्यूट्रीशन (एनआईएन) ने हाल ही में डाइट को लेकर नये दिशा.निर्देश जारी किये हैं, जो शरीर बनाने के लिये सप्लीनमेंट्स का इस्तेमाल न करने की सलाह देते हैं। ऋतिका समद्दर, रीजनल हेड. डिपार्टमेंट ऑफ क्लिनिकल न्यूएट्रीशन एण्डे डायटेटिक्सस, मैक्स हेल्थ केयर ने बताया कि एक अनुभवी डायटीशियन होने के नाते, मैं अपने क्लाइंट्स को प्रोटीन सप्लीशमेंट्स छोड़ने और प्रोटीन के प्राकृतिक स्त्रोतों जैसे कि बादाम को प्राथमिकता देने की सलाह लगातार देती हूँ। बादाम की तरह और भी विकल्प हैं, जो बिना साइड इफेक्टि्स के सेहत को कई फायदे देते हैं और संपूर्ण तंदुरुस्तील में योगदान देते हैं। मैं इस लेख में प्रोटीन के कुछ प्राकृतिक स्त्रोतों के बारे में बताने जा रही हूँए जो न केवल बेहद पौष्टिक हैं, बल्कि आसानी से आपकी डाइट में शामिल भी हो सकते हैं। ऋतिका समद्दर ने बताया कि बादाम प्रोटीन का पावरहाउस हैं और यह अनिवार्य पोषक.तत्वा बादाम में प्राकृतिक तरीके से अच्छी .खासी मात्रा में होता है। बादाम बेहद पौष्टिक होती है, इसका उपयोग कई तरीके से किया जा सकता है और अपनी डाइट में प्रोटीन को शामिल करने के लिये यह एकदम उचित है। बादाम में 15 जरूरी पोषक.तत्वप होते हैं, जैसे कि प्रोटीन, सेहतमंद फैट्स, फाइबर, विटमिन 'ई' और मैग्नींशियम।

जेएसडब्ल्यू सीमेंट राजस्थान में नई इंटीग्रेटेड सीमेंट फेसिलिटी स्थापित करने के लिए लगभग 3,000 करोड़ रुपए का निवेश करेगी

इस तरह उत्तर भारतीय बाजारों में भी हो जाएगा जेएसडब्ल्यू सीमेंट का प्रवेश

निवेश के लिए यह राशि इक्विटी और दीर्घकालिक ऋण के माध्यम से जुटाई जाएगी

JSW Cement

मुंबई एजेंसी। 24.25 बिलियन अमेरिकी डॉलर वाले जेएसडब्ल्यू समूह की कंपनी जेएसडब्ल्यू सीमेंट ने राजस्थान के नागौर जिले में एक ग्रीनफील्ड, इंटीग्रेटेड सीमेंट विनिर्माण सुविधा स्थापित करने के लिए लगभग 3,000 करोड़ रुपए का निवेश करने की योजना बनाई है। सीमेंट फैक्ट्री का निर्माण शुरू करने के लिए हाल ही में भूमि पूजन समारोह आयोजित किया गया। जेएसडब्ल्यू सीमेंट की ओर से नई सीमेंट सुविधा में किए जाने वाले निवेश में 3.30 एमटीपीए तक की क्लिंकराइजेशन यूनिट और 2.50 एमटीपीए तक की ग्राइंडिंग यूनिट के साथ-साथ 18 मेगावाट वेस्ट हीट रिकवरी बेस्ड बिजली संयंत्र भी शामिल है। खदान से विनिर्माण संयंत्र तक चूना पत्थर पहुंचाने के लिए 7 किमी लंबा ओवरलैंड बेल्ट कन्वेयर और भट्ठी में वैकल्पिक ईंधन का उपयोग करने की व्यवस्था भी इस निवेश का हिस्सा है। प्रस्तावित निवेश के लिए यह राशि इक्विटी और दीर्घकालिक ऋण के माध्यम से जुटाई जाएगी। जेएसडब्ल्यू सीमेंट को पहले ही कुछ नियामक और वैधानिक मंजूरी मिल चुकी है और वह अन्य जरूरी मंजूरियां हासिल करने की राह पर है। एक बार चालू होने के बाद, यह इकाई उत्तर भारत के

प्रतीक होगी। वर्तमान निवेश से 1,000 से अधिक प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर पैदा होने की उम्मीद है। जेएसडब्ल्यू सीमेंट के मैनेजिंग डायरेक्टर श्री पार्थ जिंदल के अनुसार, ''यह निवेश हमारे सीमेंट व्यवसाय के माध्यम से राजस्थान में किए जा रहे सबसे महत्वपूर्ण निवेशों में से एक है। हम इस क्षेत्र में पर्याप्त रोजगार के अवसर पैदा करने के साथ-साथ राज्य के आर्थिक विकास में योगदान देने के लिए राजस्थान सरकार के साथ काम करने के लिए बहुत उत्सुक हूं। नागौर में हमारी एकीकृत सीमेंट सुविधा स्थापित करने के लिए प्रस्तावित निवेश जेएसडब्ल्यू सीमेंट को अगले कुछ वर्षों के भीतर पूरे भारत में अपनी उपस्थिति दर्ज कराने की राह पर मजबूती से आगे बढ़ाता है। इस क्षेत्र में नई क्षमता हमें उत्तरी राज्यों राजस्थान, हरियाणा, पंजाब और एनसीआर क्षेत्र में अपने ग्राहकों की प्रचुर जरूरतों को पूरा करने में सक्षम बनाएगी।'' जेएसडब्ल्यू सीमेंट के सीईओ श्री नीलेश नार्वेकर ने कहा, ''यह निवेश उत्तर भारत के तेजी से बढ़ते और आकर्षक सीमेंट बाजारों में हमारे प्रवेश का प्रतीक होगा। इन राज्यों में सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि दर सबसे अधिक है और यहां इन्फ्रास्ट्रक्चर के क्षेत्र में और मकान

संक्षिप्त समाचार

शाबाश... तेलंगाना के मजदूर की बेटी ने तोड़ा विश्व रिकॉर्ड

पैरा एथलेटिक्स में हासिल किया पहला मुकाम

नईदिल्ली (एजेंसी)। एक प्रेरणादायक उपलब्धि में, तेलंगाना के वारंगल के दिहाड़ी मजदूरों की बेटी दीप्ति जीवनजी ने जापान में

विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप में महिलाओं की 400 मीटर टी20 वर्ग दौड़ में 55.07 सेकंड के विश्व रिकॉर्ड समय के साथ स्वर्ण पदक जीता। दीप्ति ने 2023 में पेरिस में विश्व चैंपियनशिप में अमेरिका की ब्रेन्ना क्लार्क द्वारा बनाए गए 55.12 सेकंड के पिछले रिकॉर्ड को तोड़ दिया। 20 वर्षीया की उपलब्धि असाधारण है, क्योंकि एक वंचित परिवार से आते हुए, उसने इस उपलब्धि को हासिल करने के लिए सभी बाधाओं के खिलाफ लड़ाई लड़ी। अभी कुछ साल पहले, जीवनजी प्रशिक्षण के लिए हैदराबाद जाने के लिए बस का टिकट भी नहीं खरीद सकते थे। दीप्ति जीवनजी ने दौड़ की मजबूत शुरुआत की और पहले 200 मीटर में आगे रहीं। हालांकि क्लार्क अंत तक पहुंच गए, लेकिन दीप्ति ने आखिरी पांच मीटर में जीत हासिल करने के लिए अंतिम धक्का लगाया।

तुर्की की आयसेल ओन्डर 55.19 सेकेंड के साथ दूसरे और इक्काडोर की लिजानशेला एंगुलो 56.68 सेकेंड के साथ तीसरे स्थान पर रहीं। टी20 वर्गीकरण बौद्धिक रूप से अक्षम एथलीटों के लिए है। दीप्ति की एथलेटिक यात्रा को कोच पुलेला गोपीचंद द्वारा संचालित एक एथलेटिक्स प्रतिभा खोज कार्यक्रम, गोपीचंद-माइत्रा फाउंडेशन द्वारा भी समर्थन दिया गया था। पिछले कुछ सालों में उन्होंने कई राष्ट्रीय स्तर के पदक जीते हैं।

भारतीय लड़कियों ने यूरोप दौरे का किया विजयी आगाज

ब्रेडा (नीदरलैंड) (एजेंसी)। हिना बानो और कनिका सिवाज के तेज तरक गोल की बदौलत भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम ने नीदरलैंड के ब्रेडा में नीदरलैंड के क्लब ब्रेडेज हॉकी वेरेनिगिंग पुश के खिलाफ 2-0 से जीत दर्ज करने के साथ अपने यूरोप दौरे की शुरुआत की। दोनों टीमों को पेनल्टी कॉर्नर के जरिए मौके मिलने के बावजूद पहला क्वार्टर गोलरहित रहा। इसी तरह, भारत दूसरे क्वार्टर में भी अपने तीन पेनल्टी कॉर्नर में से किसी को भी गोल में बदलने में असमर्थ रहा। आखिरकार तीसरे क्वार्टर में गतिरोध टूटा, जब भारत के लिए एक महत्वपूर्ण पेनल्टी कॉर्नर पर हिना बानो ने गोल किया जिससे स्कोर 1-0 हो गया। ब्रेडेज़ हॉकी वेरेनिगिंग पुश ने आक्रामक रूप से बराबरी का प्रयास किया, लेकिन तीसरे क्वार्टर में तीन पेनल्टी कॉर्नर मिलने के बावजूद मेजबान टीम किसी को भी गोल में तब्दील नहीं कर सकी। चौथे और अंतिम क्वार्टर में कनिका सिवाच ने नेट पर गोल करके भारत की बढ़त दोगुनी कर दी। भारतीय रक्षात्मक इकाई ने मैच के अंतिम कुछ मिनटों में अपनी क्लीन शीट बनाए रखने के लिए अच्छा प्रदर्शन किया और जीत सुनिश्चित की। भारतीय जूनियर महिला टीम अपना अगला मैच 22 मई को नीदरलैंड के ब्रेडा में बेल्जियम के खिलाफ खेलेगी।

गेंदबाजों के बाद कोरी और हरमीत की तूफानी बल्लेबाजी

अमेरिका ने टी20 मैच में बंगलादेश को हराया

ह्यूस्टन (एजेंसी)। गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन के बाद कोरी एंडरसन (34) और हरमीत सिंह (33) की नाबाद तूफानी बल्लेबाजी के दम पर अमेरिका ने टी-20 मुकाबले में बंगलादेश को पांच विकेट से हरा दिया है। इसके साथ ही अमेरिका ने तीन मैचों की श्रृंखला में 1-0 से बढ़त बना ली है।

टी-20 विश्वकप से पहले अमेरिकी टीम को मंगलवार देर रात तीन मैचों की श्रृंखला के पहले मुकाबले में ऐतिहासिक जीत मिली है। अमेरिका की जीत के हीरो हरमीत सिंह ने 13 गेंदों पर 33 रनों की विस्फोटक पारी खेली। 157 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी अमेरिका की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने चौथे ओवर में ही कप्तान मोनंक पटेल (12) का विकेट रनआउट के रूप में गवां दिया। उसके बाद नौवें ओवर में ऐंड्रियस गौस 18 गेंदों में 23 रन बनाकर आउट हुए। 12वें ओवर में स्टीवन टेलर (20) रन बना कर आउट हुए।

ऐरन जोंस (4) और नीतिश कुमार (10) रन बनाकर आउट हुए। 94के स्कोर पर पांच

विकेट गवांने के बाद संकट में फंसी अमेरिका की टीम को कोरी एंडरसन और हरमीत सिंह ने संभाला। एंडरसन ने 25 गेंदों में नाबाद (34) और हरमती ने 13 गेंदों में दो चौके और तीन छक्के लगाते हुए नाबाद (33) रनों की पारी खेली। दोनों बल्लेबाजों ने तूफानी अंदाज में बल्लेबाजी करते हुए 19.3 ओवर में 156 रन बनाकर अपनी टीम को पांच विकेट से ऐतिहासिक जीत दिला दी। बंगलादेश की ओर से मुस्तफिजुर रहमान ने दो विकेट लिए। शोरिफुल इस्लाम और रिशाद हुसैन ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

अमेरिका ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी बंगलादेश की लिटन कुमार दास और सौम्य सरकार की सलामी जोड़ी ने पहले विकेट लिये 34 रन जोड़े। पांचवें ओवर में जसदीप ने लिटन को पगबाधा कर पवेलियन भेज दिया। छठें ओवर में सौम्य सरकार भी चलते बने। उन्हें स्टीवन टेलर ने आउट किया। तौहिद ह्रिदोय की ने 47 गेंदों में चार चौके और दो छक्के लगाते हुए (58) रनों की पारी खेली।

महमुदुल्लाह ने (31), सौम्य सरकार (20) लिटन दास ने (14) रन बनाकर आउट हुए। अमेरिका के लिए स्टीवन टेलर ने दो विकेट चटकाए। वहीं सौरभ, अली और जेस्सी को एक-एक बल्लेबाज को आउट किया। दोनों टीमों के बीच श्रृंखला का दूसरा मैच गुरुवार को ह्यूस्टन में खेला जाएगा।

कंगाल पाकिस्तान में आटा तक नहीं खरीद पा रहे लोग

बेशर्म क्रिकेटर आजम खान नोट से पोछ रहा पसीना

कराची (एजेंसी)। पाकिस्तान के युवा विकेटकीपर बल्लेबाज आजम खान विवाद में फंस गए जब सोशल मीडिया मंचों पर उन्हें अमेरिकी डॉलर से भौंहों से पसीना साफ करते हुए देखा गया। इस वीडियो में पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम और कुछ अन्य खिलाड़ी भी दिख रहे हैं। पाकिस्तान के क्रिकेट प्रशंसक देश की आर्थिक स्थिति को देखते हुए आजम और अन्य खिलाड़ियों की उनकी असंवेदनशीलता के लिए आलोचना कर रहे हैं।

वीडियो में बाबर हंसते हुए आजम से पूछते हैं, क्या हुआ अब्बा? आजम इसका जवाब देते हुए कहते हैं, बहुत गर्मी है। इस दौरान आजम अपने हाथ में पकड़े डॉलर के नोट से पसीना भी साफ करते हैं जिससे टीम के उनके साथ हंसने लगते हैं। सोशल मीडिया पर एक यूजर ने लिखा, ''पाकिस्तान के खेल इतिहास में कुछ लोगों को छोड़कर, किसी के पास किसी भी तरह का करिश्मा और प्रभाव नहीं है, एक युवा बच्चे के लिए आकांक्षा करने के लिए कुछ भी नहीं है। मौजूदा लोग बस निराशाजनक हैं।'

एक अन्य यूजर ने शिक्षा की आवश्यकता पर जोर देते हुए कहा, इसलिए हम हमेशा कहते रहते हैं कि बुनियादी शिक्षा जरूरी है, ये लोग दुनिया

भर में घूमते हैं, लेकिन बुनियादी मानवीय मूल्यों को नहीं सीखते हैं। उन्हें अंतरराष्ट्रीय मंच पर भेजने से पहले उन्हें स्कूल भेजें।' एक फैन ने लिखा कि जब पाकिस्तानी लोग भोजन की कमी से जूझ रहे थे तब आजम गरीब लोगों का मजाक उड़ा रहे थे।

पाकिस्तानी टीम फिलहाल इंग्लैंड दौरे पर है, जहां दोनों टीम के बीच चार टी-20 मैच की सीरीज खेली जानी है। पहला मैच आज लीड्स में होगा। टी-20 वर्ल्ड कप से पहले इस फुल ड्रेस रिहर्सल की तरह देखा जा रहा है। पिछली बार जब दोनों टीम की टक्कर 2022 टी20 विश्व कप फाइनल में हुई थी। ऑस्ट्रेलिया के ऐतिहासिक मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड में अंग्रेजों ने पाकिस्तान को बुरी तरह हराया था।

सचिन सर्जेराव ने विश्व पैरा एथलेटिक्स में एशियाई रिकॉर्ड के साथ बरकरार रखा स्वर्ण पदक

कोबे (जापान) (एजेंसी)। भारत के सचिन सर्जेराव खिलाड़ी ने विव पैरा एथलेटिक्स चैम्पियनशिप में पुरूषों के शॉटपुट एफ46 वर्ग में एशियाई रिकॉर्ड के साथ स्वर्ण पदक जीता और भारत ने टूर्नामेंट में अब तक का अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन भी कर दिखाया है। भारत के अब पांच स्वर्ण समेत 11 पदक है। इससे पहले भारत ने 2023 में पेरिस में तीन स्वर्ण समेत दस पदक जीते थे।

सचिन ने 10.30 मीटर का थ्रो फेंककर 16.21 मीटर का अपना ही रिकॉर्ड बेहतर किया जो उन्होंने पिछले साल पेरिस में विश्व पैरा एथलेटिक्स चैम्पियनशिप में बनाया था। सचिन ने स्वर्ण जीतने के बाद कहा, 'मैं इसकी ही उम्मीद कर रहा था और मैं बहुत खुश हूं। मैं पेरिस पैरालम्पिक के लिये क्वालीफाई कर चुका हूं और वहां भी स्वर्ण जीतने की कोशिश करूंगा।

अभी टूर्नामेंट के तीन दिन बाकी है और कोच सत्यनारायण को पदक संख्या में इजाफा होने की उम्मीद है। उन्होंने कहा, 'हमें दो और स्वर्ण की उम्मीद है। पदकों की संख्या 17 तक जानी चाहिए। इससे पहले कल पैरालम्पिक चैम्पियन सुमित अंतिल ने एफ64 भालाफेंक में अपना स्वर्ण पदक बरकरार रखा था। थंगावेलु मरियप्पन और एकता भयान ने भी स्वर्ण पदक जीते थे।

बीमार मां को अस्पताल में छोड़ना कठिन था लेकिन KKR भी परिवार है : गुरबाज

अहमदाबाद (एजेंसी)। अफगानिस्तान के विकेटकीपर बल्लेबाज रहमानुल्लाह गुरबाज ने बताया कि सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ आईपीएल प्लेऑफ में कोलकाता नाइट राइडर्स के लिए खेलने के लिए वह अपनी बीमार मां को अस्पताल में छोड़कर आए थे क्योंकि इस टीम को भी वह अपना परिवार मानते हैं। इस सत्र में पहला मैच खेलने वाले गुरबाज ने दो मैच लेने के अलावा 14 गेंद में 23 रन बनाकर केकेआर की जीत में अहम भूमिका निभाई। वह इंग्लैंड के फिल साल्ट की जगह टीम में आए थे। केकेआर ने सनराइजर्स को आठ विकेट से हराकर फाइनल में जगह बनाई।

गुरबाज ने मैच के बाद कहा, 'एक क्रिकेटर को हमेशा पता होना चाहिए कि उसे क्या करना है। लीग क्रिकेट में बहुत कम क्रिकेटर ही खेल पाते हैं। मौका मिलने पर अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना चाहिए। मौका नहीं मिलने पर भी हमेशा तैयार रहना चाहिए। उन्होंने कहा, 'मेरी मां अभी भी बीमार है। मैं वहां गया और मुझे यहां से फोन आया कि फिल साल्ट जा रहा है। उन्होंने कहा कि गुरबाज हमें तुम्हारी जरूरत है। मैने कहा कि ठीक है, मैं आ रहा हूं। मेरी मां अस्पताल में है और मैं उनसे लगातार बात कर रहा हूं लेकिन यह भी मेरा परिवार है। मुझे दोनों में संतुलन बनाना है। यह कठिन है लेकिन बनाना जरूरी है।

गुरबाज ने कहा कि केकेआर ने टॉस जीतने पर पहले गेंदबाजी का फैसला लेने का ही सोचा था। सनराइजर्स के कप्तान पैट कमिंस का टॉस जीतकर बल्लेबाजी का फैसला गलत साबित हुआ। गुरबाज ने कहा, 'हमें पता है कि सनराइजर्स की बल्लेबाजी कितनी मजबूत है। हमें लक्ष्य का पता होना चाहिए ताकि उस हिसाब से खेल सकें। हमने अच्छी गेंदबाजी की और सनराइजर्स जैसी टीम को 160 रन पर रोकना बहुत बड़ी बात थी।% उन्होंने कहा कि अफगानिस्तान के खिलाड़ियों की नजरें अगले महीने होने वाले टी20 विश्व कप पर है क्योंकि फ्रेंचाइजी क्रिकेट से बढ़कर देश के लिए खेलना है।

टी20 विश्व कप में पाकिस्तान की सफलता की कुंजी होंगे बाबर आजम

इस्लामाबाद(एजेंसी)। जांचे और परखे बाबर आजम की टी20 विश्व कप के लिए पाकिस्तान के कप्तान के रूप में वापसी पिछले 18 महीने में पाकिस्तान क्रिकेट में आए भारी बदलावों की अगली कड़ी है लेकिन यह चैम्पियन बल्लेबाज टीम की सफलता की कुंजी साबित हो सकता है। नवंबर 2022 में इंग्लैंड से टी20 विश्व कप फाइनल में बाबर की कप्तानी वाली पाकिस्तानी टीम की हार के बाद से पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड में चार अध्यक्ष बदले, चयन समिति बदली गई और शाहीन शाह अफरीदी को कप्तान बनाने का प्रयोग सफल नहीं रहा।

अब सीमित ओवरों के प्रारूप के लिए टीम को गैरी कर्स्टन के रूप में नया कोच मिला है। पाकिस्तान ने एक से 29 जून तक अमेरिका और वेस्टइंडीज में होने वाले टी20 विश्व कप के लिए अभी तक 15 सदस्यीय टीम का ऐलान नहीं किया है। भारत में पिछले साल 50 ओवरों के विश्व कप के सेमीफाइनल में नहीं पहुंचने के बाद बाबर ने जका अशरफ के पीसीबी प्रमुख रहते सभी प्रारूपों की कप्तानी से इस्तीफा दे दिया था। अब उन्हें नये अध्यक्ष मोहसिन नकवी ने टी20 टीम की कमान फिर सौंपी है।

हरफनमौला इमाद वसीम और तेज गेंदबाज मोहम्मद आमिर ने भी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास का फैसला वापस ले लिया चूंकि कैरेबियाई प्रीमियर लीग में उनके अनुभव का फायदा टीम को वेस्टइंडीज में होगा। अप्रत्याशित प्रदर्शन करने में सक्षम पाकिस्तानी टीम का टी20 विश्व कप में अच्छा अतीत रहा है। यह तीन बार फाइनल में पहुंचा और 2009 में खिताब जीतने के अलावा तीन अन्य बार सेमीफाइनल तक पहुंचा है। कर्स्टन के गुरूमंत्र पर पाकिस्तानी खिलाड़ियों ने अमल करना शुरू कर दिया है।

अफरीदी ने पीसीबी के एक पॉडकास्ट में कहा, 'गैरी ने हमसे कहा है कि अपनी जर्सी के पीछे लिखे नाम के लिए नहीं बल्कि शर्ट के सामने लगे बैज के लिए खेलो। मैं इसे भूल नहीं पाऊंगा। भारत और पाकिस्तान के बीच नौ जून को होने वाले मुकाबले पर सभी की नजरें हैं जो न्यूयॉर्क में 34000 की क्षमता वाले नासाउ काउंटी इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में खेला जाएगा।

भारत में लोग कोहली को नहीं चुनने के कारण ढूंढते हैं, वह मेरी पहली पसंद : पोंटिंग

बेंगलूरू(एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के महान क्रिकेटर रिकी पोंटिंग हैरान हैं कि भारत में लोग विराट कोहली को राष्ट्रीय टीम में नहीं चुनने के कारण क्यो ढूंढते हैं और उनका कहना है कि यह करिश्माई बल्लेबाज टी20 विश्व कप के लिए उनकी पहली पसंद है। आईपीएल में 14 मैचों में 708 रन बना चुके कोहली जबर्दस्त फॉर्म में हैं लेकिन उनके स्ट्राइक रेट को लेकर लगातार चर्चा हो रही है।

दिल्ली कैपिटल्स के मुख्य कोच और आस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान पोंटिंग ने कहा, 'यह बहुत हैरानी भरा है। मुझे लगता है कि भारत में लोग हमेशा उसे राष्ट्रीय टीम में नहीं चुनने के कारण ढूंढते रहते हैं या यह जताने की कोशिश में रहते हैं कि वह टी20 क्रिकेट में बाकियों की तरह बेहतरीन नहीं है। पोंटिंग का मानना है कि अगले महीने वेस्टइंडीज और अमेरिका में होने वाले टी20 विश्व कप में कोहली को कप्तान रोहित शर्मा के साथ पारी का आगाज करना चाहिये क्योंकि बाद में सूर्यकुमार यादव समेत अन्य तेजी से रन बना सकते हैं।

उन्होंने कहा, 'सलामी जोड़ी को लेकर चयनकर्ताओं को फैसला लेना है क्योंकि यशस्वी जायसवाल भी टीम में है। जायसवाल के बल्लेबाजी क्रम पर फैसला लेना होगा लेकिन मुझे यकीन है कि पारी का आगाज कोहली और रोहित करेंगे। उन्होंने कहा, 'वह शीर्षक्रम में भूमिका बखूबी निभा सकता है। सूर्यकुमार और बाकी बल्लेबाज बाद में तेजी से रन बना सकते हैं। पोंटिंग ने कहा कि आजकल क्रिकेट में औसत से अधिक तरजीह स्ट्राइक रेट को मिल रही है लेकिन भारतीय टीम के लिए कोहली की उपयोगिता को कमतर नहीं आंका जा सकता। उन्होंने कहा, 'तीन या चार साल पहले टीमें सोचती थी कि शीर्षक्रम पर कोई 80 या 100 रन बना ले, भले ही इसके लिये 60 गेंद खेल जाए। लेकिन अब टीमें चाहती है कि बल्लेबाज 15 गेंद में 40 रन बना जाए।

फिटनेस और फॉर्म को लेकर संशय के बीच अभ्यास के लिए रोलां गैरो पहुंचे राफेल नडाल

पेरिस (एजेंसी)। रिकॉर्ड 14 बार के फ्रेंच ओपन चैम्पियन राफेल नडाल तैयारी के लिए रोलां गैरो लौटे हैं हालांकि उनके फॉर्म और फिटनेस को लेकर संशय की स्थिति है। 37 वर्ष के नडाल अपने कोच कार्लोस मोया और दो अभ्यास जोड़ीदारों के साथ यहां पहुंचे। फ्रेंच ओपन के मुख्य स्टेडियम पर अभ्यास देखने के लिए करीब 6000 दर्शक मौजूद थे। करीब डेढ घंटे तक चले अभ्यास सत्र के बाद नडाल ने प्रशंसकों को आटोग्राफ दिए और लॉकर रूम में चले गए। फ्रेंच ओपन रविवार से शुरू हो रहा है। नडाल कूल्हे की चोट के कारण 2023 में लगभग पूरे सत्र से बाहर रहे। वह हाल ही में इटालियन ओपन के दूसरे दौर में हुबर्ट हुरकाज से हार गए थे। अभी उन्होंने बताया नहीं है कि वह फ्रेंच ओपन खेलेंगे या नहीं।

ऋषभ पंत या संजू सैमसन, टी20 विश्व कप के लिए युवराज सिंह ने इस पर जताया भरोसा

नईदिल्ली (एजेंसी)। युवराज सिंह ने टी20 विश्व कप 2024 में बाएं-दाएं बल्लेबाजी संयोजन के लिए अपनी प्राथमिकता पर कायम रहते हुए युवराज ने महत्वपूर्ण विकेटकीपर की भूमिका के लिए संजू सैमसन की तुलना में ऋषभ पंत को प्राथमिकता दी है। टी20 विश्व कप एक जून से वेस्टइंडीज और यूएसए में खेला जाएगा और भारत अपने अभियान की शुरूआत 5 जून से आयरलैंड के खिलाफ करेगा।

दोनों विकेटकीपर बल्लेबाज इंडियन प्रीमियर लीग के मौजूदा सीजन में शानदार फॉर्म में हैं। संजू सैमसन ने न केवल कप्तानी की जिम्मेदारी संभाली है, बल्कि इस साल राजस्थान रॉयल्स के लिए बल्लेबाजी क्रम में भी अहम भूमिका निभाई है। वह इस सीजन में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ियों की सूची में सातवें स्थान पर हैं। उन्होंने 14 मैचों में पांच अर्द्धशतकों के साथ 156.32 के शानदार स्ट्राइक रेट सहित 504 रन बनाए हैं, जबकि अपनी टीम को आठ जीत और प्लेऑफ में जगह दिलाई है।

दूसरी ओर ऋषभ पंत ने एक घातक कार दुर्घटना से उबरने के बाद शानदार वापसी की जिसने उन्हें 14 महीने तक मैदान से दूर रखा। सीजन की शांत शुरुआत के बावजूद 26 वर्षीय खिलाड़ी ने तेजी से वापसी की और 13 मैचों में 155.40 के स्ट्राइक रेट से 446 रन बनाए जिसमें तीन अर्धशतक शामिल हैं।

युवराज ने कहा, मैं ऋषभ को चुनूंगा। जाहिर है संजू भी शानदार फॉर्म में हैं, लेकिन ऋषभ बाएं हाथ के हैं और मेरा मानना ??है कि ऋषभ में भारत के लिए मैच जीतने की अपार क्षमता है, जो उन्होंने अतीत में किया है। उन्होंने कहा, %टेस्ट क्रिकेट में बहुत कुछ है और मुझे लगता है कि वह बड़े मंच पर मैच विजेता हो सकता है।

शारजाह चैलेंजर शतरंज

भारत की दिव्या देशमुख खिताब जीतने के करीब

शारजाह (एजेंसी)। सातवें शारजाह मास्टर्स शतरंज के साथ साथ इस समय शारजाह चैलेंजर का मुक़ाबला भी अब अफेन अंतिम पड़ाव पर पहुँच गया है । चैलेंजर वर्ग में 38 देशो के कुल 98 खिलाड़ी खेल रहे है और ऐसे में इस ओपन टूर्नामेंट में जिसमें गिनती की महिला खिलाड़ी भाग ले रही है भारत की 19 वर्षीय दिव्या देशमुख नें अब तक बेहद शानदार खेल दिखाया है और फिलहाल दिव्या 8 राउंड के बाद 6.5 अंक बनाकर रूस की 20 वर्षीय लेया गारीफुलिना के साथ सयुंक्त बढ़त पर चल रही है और अंतिम राउंड में दिव्या अब सफ़ेद मोहरो से लेया से मुक़ाबला खेलेंगी । इस टूर्नामेंट में दिव्या नें अब तक अपराजित रहते हुए 5 जीत और 3 ड्रॉ के साथ 2607 रेटिंग का प्रदर्शन करते हुए 6.5 अंक बनाए है । अन्य भारतीय खिलाड़ियों में आराध्य गर्ग , नितीश बेरुलकर और हर्ष सुरेश 5.5 अंक बनाकर शीर्ष 10 के अंदर जगह बना सकते है ।

इस वर्ष होने वाले शतरंज ओलंपियाड के पहले दिव्या नें अपने इस प्रदर्शन से भारतीय महिला टीम में चयन की संभावना को बेहद मजबूत कर दिया है । फिलहाल दिव्या 2461 लाइव रेटिंग के साथ कोनेरु हम्पी , हरिका द्रोणावल्ली और आर वैशाली के बाद भारत की नंबर चार महिला खिलाड़ी है । आपको बता दे की पिछले बार की कांस्य पदक विजेता भारतीय टीम में कुल पाँच खिलाड़ी देश का प्रतिनिधित्व करेंगे ।

संक्षिप्त समाचार

पूर्व मंत्री के घर बिजली चोरी पकड़ी, एक लाख से अधिक का जुर्माना; पुलिस में रिपोर्ट दर्ज

जयपुर। राजस्थान में पूर्व मंत्री नफीस अहमद के घर बिजली चोरी पकड़ी गई है। जयपुर विधुत वितरण निगम के भवानीमंडी स्थित कार्यालय की टीम ने नफीस अहमद के घर एक लाख 25 हजार की बिजली चोरी की विजिलेंस चैकिंग रिपोर्ट (वीसीआर) भरकर कनेक्शन काट दिया। झालावाड़ जिले के पिड़ावा निवासी नफीस अहमद पिछले कई दिनों से बिजली की आपूर्ति व्यवस्थित नहीं नहीं होने को लेकर बार-बार शिकायत करत रहे थे। इस पर मंगलवार को अधीक्षण अभियंता शंभूनाथ के नेतृत्व में टीम नफीस अहमद के घर पहुंची। बिजलीकर्मी व्यवस्थित आपूर्ति नहीं होने की जांच करने लगे तो लाइन में बिजली चोरी पकड़ी गई। इस पर बिजली चोरी की रिपोर्ट तैयार करते हुए जुर्माना अदा करने का नोटिस दिया गया है। नफीस अहमद के घर में बिजली की सर्विस लाइन में कट लगाकर बिजली चोरी की जा रही थी। इस पर टीम ने मीटर हटाकर कनेक्शन काट दिया। अब यदि पूर्वमंत्री तय समय सीमा में जुर्माना अदा नहीं करते हैं तो उनके खिलाफ पुलिस में रिपोर्ट दर्ज करवाई जाएगी। उल्लेखनीय है कि नफीस अहमद साल,1990 में स्व.भैरोंसिंह शेखावत सरकार में जनता दल कोटे से मोटर गैराज राज्यमंत्री बने थे।

राम मंदिर सहित कई मुद्दों पर भड़का रही भाजपा, खरगे ने कहा- भाजपा को बहुमत हासिल करने से रोकेगा इंडी गठबंधन

नईदिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने भाजपा पर राम मंदिर, हिंदू-मुस्लिम और भारत-पाकिस्तान के नाम पर लोगों को बार-बार भड़काने और उन्हें भावनात्मक रूप से लूटने का आरोप लगाया है। उन्होंने दावा किया कि लोग अब सत्तारूढ़ पार्टी का असली रंग समझ गए हैं। उन्होंने यह भी कहा कि हिंदू-मुस्लिम बयानबाजी के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को सार्वजनिक जीवन छोड़ देना चाहिए। खरगे ने एक साक्षात्कार में कहा कि विपक्षी गठबंधन आइएनडीआइए के पक्ष में भीतर ही भीतर लहर चल रही है और यह गठजोड़ लोकसभा चुनाव में भाजपा को बहुमत हासिल करने से रोकने में सफल रहेगा। जनता अब हमारे समर्थन में और उस भाजपा तथा आरएसएस की विचारधारा के खिलाफ लड़ रही है, जो समाज में नफरत एवं विभाजन फैलाते हैं। लोगों को लगता है कि यह लड़ाई अब लोकतंत्र और संविधान को बचाने की है और वे हमारी पार्टी को समर्थन दे रहे हैं। मुझे लगता है कि भाजपा अपनी सरकार नहीं बना पाएगी। कांग्रेस प्रमुख ने कहा- केवल हम ही नहीं, बल्कि जनता भी हमारे लिए लड़ रही है। हम जिस विचारधारा को मानते हैं, लोग उसका समर्थन कर रहे हैं और हमारे लिए लड़ रहे हैं। यह स्पष्ट है कि भाजपा पिछड़ जाएगी और हम आगे बढ़ेंगे। खरगे का कहना था कि लोग महंगाई और बेरोजगारी से भी परेशान हैं, जो इस चुनाव में दो प्रमुख मुद्दे बनकर उभरे हैं। भाजपा पहले किए गए वादों को भी पूरा नहीं कर पाई है, चाहे वह दो करोड़ नौकरियां देना हो, विदेश से काला धन वापस लाना हो या किसानों की आय दोगुनी करना हो। ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी प्रतिदिन हिंदू-मुस्लिम बयानबाजी कर रहे हैं और समाज में नफरत को बढ़ावा दे रहे हैं। इसके चलते उन्हें सार्वजनिक जीवन छोड़ देना चाहिए। कांग्रेस अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री मोदी के इरादे साफ नहीं हैं, क्योंकि वह चुनाव प्रचार के दौरान हिंदू-मुस्लिम बयानबाजी के साथ प्रतिदिन नफरत भरे भाषण दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री भैंस छीनने और मुसलमानों को बजट का 15 प्रतिशत हिस्सा देने जैसी बातें करते हैं। ऐसी बातें कहकर वह खुद समाज में विभाजन पैदा कर रहे हैं। उन्होंने मोदी से हिंदू-मुस्लिम पर अपने भाषणों का रिकार्ड देखने का आग्रह करते हुए यह भी कहा कि इस पर भी वह झूठ बोल रहे हैं।

अंटार्कटिका में पर्यटन को लेकर भारत ने जताई चिंता, कहा- बर्फीले महाद्वीप में टूरिज्म नियंत्रित करने की जरूरत

कोच्चि, एजेंसी। भारत ने मंगलवार को अंटार्कटिका में नियंत्रित पर्यटन की जरूरत पर जोर देते हुए कहा है कि यह एक बड़ा मुद्दा है क्योंकि पिछले कुछ वर्षों में बर्फीले महाद्वीप में पर्यटकों की संख्या तेजी से बढ़ी है। पृथ्वी विज्ञान मंत्री किरन रिजिजू ने यहां 46वीं अंटार्कटिका संधि सलाहकार बैठक (एटीसीएम) के उद्घाटन के अवसर पर कहा, यह बर्फीला विस्तार सिर्फ एक जमा हुआ रेगिस्तान नहीं है बल्कि यह एक गतिशील, जीवित प्रयोगशाला है, जो सुरक्षा और अध्ययन के लिए हमारी सर्वोच्च प्रतिबद्धता की मांग करती है। अंटार्कटिका के लिए संसद के रूप में माना जाने वाला एटीसीएम 56 देशों की भागीदारी के साथ बर्फीले महाद्वीप की देखरेख के लिए सर्वोच्च मंच है। इनमें से 29 देशों को सलाहकार का दर्जा मिला है। यह

दर्जा निर्णय लेने की शक्तियों के साथ आता है। एटीसीएम सभी निर्णय सर्वसम्मति से लेता है। एटीसीएम में अंटार्कटिका में पर्यटन के नियमन की रूपरेखा तैयार करने के लिए एक अलग कार्य समूह बनाया गया है।

नोएडा एयरपोर्ट तक ट्रेन भी चलेगी, 61 किमी का ट्रैक; एनसीआर में कहां-कहां नए रेलवे स्टेशन

नईदिल्ली, एजेंसी। नोएडा एयरपोर्ट को दिल्ली-हावड़ा और दिल्ली-मुंबई रेलमार्ग से जोड़ा जाएगा। इस ट्रैक पर पांच नए स्टेशन बनेंगे। उत्तर मध्य रेलवे ने मंगलवार को इसकी डिटेल प्रोजेक्ट रिपोर्ट (डीपीआर) बनाकर प्रस्तुत कर दी है। भारत सरकार और रेल मंत्रालय ने परियोजना को मंजूरी भी दे दी है। यमुना प्राधिकरण के सीईओ अरुणवीर सिंह ने बताया कि नोएडा एयरपोर्ट को दिल्ली-हावड़ा और मुंबई से जोड़ने की योजना एक वर्ष पहले बननी शुरू हुई थी। उत्तर मध्य रेलवे को स्टडी कर डीपीआर तैयार करने की जिम्मेदारी दी गई थी। रेलवे ने अब इसका खाका तैयार कर मंगलवार को डीपीआर प्रस्तुत कर दी। इन दोनों रेलमार्ग को एयरपोर्ट से जोड़ने के लिए 61 किलोमीटर का ट्रैक बिछेगा। यह ट्रैक हरिणाया में पलवल के पास रुंधी स्टेशन से शुरू होगा और यमुना को पार कर उत्तर प्रदेश में प्रवेश करेगा। फिर नोएडा एयरपोर्ट से होते हुए बुलंदशहर के चोला स्टेशन पर खत्म होगा। ट्रैक बिछने के बाद एयरपोर्ट से रुंधी स्टेशन की दूरी 19.20 किलोमीटर और चोला स्टेशन से एयरपोर्ट की 18.6 किलोमीटर रहेगी। एयरपोर्ट पर जीटीसी तक भूमिगत ट्रैक बनाकर नमो भारत को जोड़ने का भी प्रस्ताव रखा गया है। इसके अलावा बुलेट ट्रेन चलाने को लेकर भी बात चल रही है। तीनों ट्रेनों को जीटीसी से कनेक्ट करना आसान नहीं होगा। ऐसे में यमुना इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड (यापल) किन्हीं दो ट्रेनों से जोड़ने पर विचार कर रहा है।

महिलाओं की दुर्दशा से दुखी हूं, चुनाव जीतते ही करूंगी संदेशखाली का दौरा: ममता बनर्जी

कोलकाता, एजेंसी। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बशीरहाट लोकसभा सीट के लिए एक चुनावी रैली के दौरान कहा कि वह टीएमसी उम्मीदवार हाजी नुरुल की जीत के बाद संदेशखाली का दौरा करेंगी। उन्होंने कहा कि चुनाव में जीत के बाद कुछ ही दिनों के भीतर संदेशखाली में सभी लोगों से मिलेंगी। ममता ने दावा किया कि संदेशखाली की महिलाओं ने भाजपा का प्लान नाकाम कर दिया है। महिलाओं पर हमले, जमीन पर कब्जा करने और अन्य आरोपों की शिकायतों के बाद सुर्खियां बटोरने के बाद संदेशखाली में बनर्जी की यह पहली यात्रा होगी।

मंगलवार को बशीरहाट में एक रैली को संबोधित करते हुए ममता बनर्जी ने कहा, मुझे संदेशखाली की महिलाओं और जिस तरह से उन्हें अपमानित किया गया, उसके लिए खेद है। किसी को भी महिलाओं की गरिमा के साथ खिलवाड़ नहीं करना चाहिए। बता दें कि सुंदरबन की सीमा से लगे संदेशखली के नदी किनारे क्षेत्र उत्तर 24 परगना जिले के बशीरहाट लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र के अंतर्गत आते हैं। यहां से टीएमसी ने हाजी नुरुल को पार्टी का प्रत्याशी बनाया है। ममता बनर्जी ने जनसभा में लोगों को आश्वस्त करते हुए कहा, संदेशखाली के बारे में झूठ अब सामने आ गया है। वे फिर से संदेशखली जा रहे हैं। भाजपा के पास हिंसा भड़काने की नई योजना है। हम किसी भी तरह की हिंसा की इजाजत नहीं देंगे। उन्होंने कहा, हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि अनादर का खेल फिर कभी किसी और द्वारा नहीं खेला जाए। अगर चीजें सामने नहीं आई होतीं, तो लोग संदेशखाली में भाजपा की साजिश नहीं समझ पाते।

भाजपा के विज्ञापनों पर कलकत्ता हाई कोर्ट के आदेश का स्वागत करते हुए ममता बनर्जी ने कहा कि भाजपा गरीबों को पैसा देने के बजाय झूठ फैलाने के लिए विज्ञापनों पर पैसा बर्बाद कर रही है। बनर्जी ने कहा, हाई कोर्ट के आदेश ने साबित कर दिया है कि हमारे दावे सही थे। भगवान जगन्नाथ पर भाजपा प्रवक्ता और पार्टी उम्मीदवार संबित पात्रा की टिप्पणी पर बनर्जी ने कहा, भाजपा का दुस्साहस यह है कि एक नेता कह रहा है कि भगवान जगन्नाथ मोदी के भक्त हैं। अगर यह सच है, तो किसी को मंदिर में ही रहना चाहिए। और हम आपकी पूजा करेंगे, जैसे हम भगवान जगन्नाथ की करते हैं। उन्होंने कहा, कुछ दिन पहले धुपगुड़ी में हमारी एक महिला कार्यकर्ता को एआईटीसी का हिस्सा बनने के लिए भाजपा द्वारा बार-बार धमकी दी गई। भाजपा ने चेतावनी दी कि अगर उसने अपना जुड़ाव तृणमूल कांग्रेस के साथ खत्म नहीं किया तो उसके परिवार के स्वामित्व वाले पेट्रोल पंप को बंद कर दिया जाएगा।

दिल्ली, यूपी और राजस्थान समेत पूरे उत्तर भारत में गर्मी दिखा रही तेवर

नईदिल्ली, एजेंसी। दिल्ली समेत उत्तर-पश्चिम भारत के राज्यों में अभी गर्मी के तेवर में नरमी के कोई संकेत नहीं हैं। भारत मौसम विभाग (आइएमडी) ने रेड अलर्ट की स्थिति को अगले पांच दिनों के लिए बढ़ा दिया है। पश्चिम-उत्तर की तरफ से लगातार आ रही शुष्क हवा को देखते हुए माना जा रहा कि सप्ताह भर तक ऐसी ही स्थिति बन रह सकती है।

पाकिस्तान में एक पश्चिम विक्षोभ की स्थिति जरूर बन रही है, लेकिन उसकी दिशा अभी बहुत स्पष्ट नहीं है। ऐसे में पंजाब, राजस्थान, हरियाणा, दिल्ली, गुजरात एवं पश्चिम उत्तर प्रदेश में प्रचंड गर्मी का सिलसिला जारी रह सकता है। स्थानीय कारणों से हरियाणा एवं दिल्ली के कुछ स्थानों पर सोमवार को हल्की बूंदाबांदी जरूर हुई, लेकिन इससे अधिकतम तापमान पर कोई खास फर्क नहीं पड़ा। मौसम विभाग ने उत्तर-पश्चिम के मैदानी क्षेत्रों में यथास्थिति की आशंका जताई है।

गुजरात एवं राजस्थान से होकर आने वाली गर्म हवा ने 17 मार्च से दिल्ली समेत उत्तर-पश्चिम भारत के अन्य राज्यों को भी चपेट में ले लिया। असर मध्य प्रदेश तक देखा जा रहा है। अधिकतम तापमान में गिरावट के संकेत नहीं है। यहां तक कि अगले 24 घंटे के दौरान कुछ स्थानों के तापमान में दो से तीन डिग्री सेल्सियस की वृद्धि हो सकती है।

मौसम विभाग ने बताया है कि सोमवार को दिल्ली के आसपास 20 से 40 किमी की रफ्तार से हवा चली। जाफरपुर, नजफगढ़, द्वारका, पालम, एयरपोर्ट, आयानगर एवं हरियाणा के झज्जर, गुरुग्राम, फरुखनगर के कुछ स्थानों में हल्की वर्षा भी हुई, किंतु उससे अधिकतम तापमान में कोई राहत नहीं मिल पाई।

दक्षिण-पश्चिम बंगाल की खाड़ी के ऊपर मंगलवार से कम दबाव का एक क्षेत्र बनने की संभावना है। इसके उत्तर-पूर्व की ओर बढ़ने और 24 मई की सुबह तक बंगाल की खाड़ी के मध्य भाग में आकर एक चक्रवात में बदलने की आशंका है। यह उत्तर-पूर्व की ओर बढ़ना जारी रखेगा। धीरे-धीरे तेज होता जाएगा।

24 से 25 मई के बीच बंगाल की खाड़ी में 70 किमी प्रतिघंटे की रफ्तार से हवा चल सकती है। इसे देखते हुए मछुआरों को समुद्र से शीघ्र लौट आने की सलाह दी गई है। इस बीच बंगाल एवं बिहार के सीमांचल समेत कई क्षेत्रों में प्री-मानसून वर्षा प्रारंभ हो गई है। मध्य प्रदेश एवं विदर्भ की कुछ जगहों पर ओलावृष्टि से लोगों को गर्मी से राहत मिली है। इस बीच, मौसम विभाग ने बताया है कि मानसून 19 मई को निकोबार के द्वीपों तक पहुंच चुका है। अरब सागर से आगे कोमोरिन क्षेत्र, मालदीव एवं बंगाल की खाड़ी के कुछ हिस्से की ओर यह धीरे-धीरे बढ़ रहा है। अगले दो दिनों में दक्षिण-पूर्व के कुछ हिस्सों तक पहुंच सकता है। केरल, तमिलनाडु एवं आंध्र प्रदेश समेत दक्षिण के कई राज्यों में भारी बारिश की स्थितियां बनी हुई हैं।

नॉर्वे और स्पेन समेत तीन देशों ने फलस्तीन को दी मान्यता, फैसले पर भड़क उठा इजरायल

बार्सिलोना, एजेंसी। पिछले साल 7 अक्तूबर से ही इजरायल-हमास के बीच युद्ध जारी है। इस युद्ध में 30 हजार से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है। हमास के अंत का लक्ष्य लेकर गाजा पर बम बरसा रहे इजरायल को एक बड़ा झटका लगा है। नॉर्वे, आयरलैंड और स्पेन ने फलस्तीन को देश के रूप में मान्यता देना की घोषणा कर दी है। नॉर्वे के प्रधानमंत्री जोनास गार स्टोर ने कहा कि इजरायल के हित में यही है कि टू-स्टेट सॉल्यूशन हो जाए। दरअसल, टू-स्टेट सॉल्यूशन का मतलब है कि इजरायल और फलस्तीन दोनों को देश का दर्जा मिले। भारत भी टू-स्टेट सॉल्यूशन की वकालत करता आया है। पीएम जोनास गार स्टोर ने आगे कहा कि जबतक फलस्तीन को देश की मान्यता नहीं दी जाती तबतक मध्य पूर्व में शांति नहीं हो सकती। गहर स्टोरे ने कहा कि स्कैंडिनेवियाई देश आधिकारिक तौर पर 28 मई तक एक फिलिस्तीनी राज्य को मान्यता देगा। उन्होंने कहा, ÷फिलिस्तीनी राज्य को मान्यता देकर, नॉर्वे अरब शांति योजना का समर्थन करता है।पिछले हफ्तों में कई यूरोपीय संघ के देशों ने संकेत दिया है कि वे फलस्तीन को मान्यता देने की योजना बना रहे हैं। उनका तर्क है कि क्षेत्र में स्थायी शांति के लिए

दो-राज्य समाधान आवश्यक है। बता दें कि नॉर्वे यूरोपीय संघ का सदस्य नहीं है। नॉर्वे के ऐलान के बाद आयरलैंड के प्रधानमंत्री सिमॉन हैरिस ने भी फलस्तीन को देश के रूप में मान्यता देने की बात कही। हैरिस ने संवाददाताओं से बातचीत करते हुए कहा कि आज आयरलैंड, नॉर्वे और स्पेन ने फलस्तीन को मान्यता देना का फैसला किया है। स्पेन के पीएम पेड्रो सैंशेज ने कहा कि इस मामले पर हमारी कैबिनेट की मीटिंग 28 मई को होगी। इन तीनों देश के फैसले से इजरायल नाराज है। इजरायल ने आयरलैंड और नॉर्वे से अपने राजदूतों को तत्काल वापस लौटने का आदेश दिया है। इजरायल ने कहा कि इस फैसले से अतिवाद बढ़ेगा और मध्य पूर्व में अशांति बढ़ेगी।

जॉर्जिया में तेज रफ्तार ने ली तीन भारतीय छात्रों की जान, घायलों को अस्पताल में कराया गया भर्ती

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के जॉर्जिया राज्य में एक भीषण सड़क दुर्घटना में तीन भारतीय-अमेरिकी छात्रों की मौत हो गई और दो अन्य घायल हो गए। तेज रफ्तार के कारण कार पलटी और दुर्घटनाग्रस्त हो गई। स्थानीय पुलिस के अनुसार, मृतकों की पहचान श्रीया अवसरला, अन्वी शर्मा और आर्यन जोशी के रूप में हुई है। तीनों की उम्र 18 साल बताई जा रही है। बता दें कि यह दुर्घटना सोमवार को मैक्सवेल रोड के उत्तर में स्थित वेस्टसाइड पार्कवे पर गाड़ी चलाते समय हुई। सभी पीड़ित की पहचान आर्यन जोशी, श्रीया अवसरला और अन्वी शर्मा के रूप में हुई है। बता दें कि आर्यन जोशी ने हाल ही में अल्फारेटा हाई स्कूल में अपना सीनियर ईयर पूरा किया है, जबकि श्रीया अवसरला और अन्वी शर्मा जॉर्जिया यूनिवर्सिटी में फर्स्ट ईयर के छात्र हैं। घायल छात्रों में जॉर्जिया स्टेट यूनिवर्सिटी में पढ़ने वाले और होंडा एकॉर्ड के ड्राइवर रितवाक सोमपल्ली और अल्फारेटा हाई स्कूल के सीनियर छात्र मोहम्मद लियाकाथ शामिल हैं। अल्फारेटा पुलिस के अनुसार, दुर्घटना का मुख्य कारण तेज स्पीड हो सकती है। वे दुर्घटना के सटीक कारण का पता लगाने के लिए गहन जांच कर रहे हैं। दुर्घटना तब हुई जब कार के ड्राइवर ने वाहन पर नियंत्रण खो दिया, जिससे वाहन पलट गया और पेड़ों की कतार में उल्टा जा गिरा। आर्यन जोशी और श्रीया अवसरला की मौके पर ही मौत हो गई। वाहन के पिछले हिस्से में बैठी अन्वी शर्मा को नॉर्थ फुल्टन अस्पताल ले जाया गया, जहां उसकी मौत हो गई। घायलों का इलाज उसी अस्पताल में चल रहा है।

राष्ट्रपति चुनाव परिणाम पलटने की साजिश मामले में सुनवाई, पूर्व मेयर रूडी ने खुद को बताया निर्दोष

न्यूयॉर्क, एजेंसी। न्यूयॉर्क के पूर्व मेयर रूडी गिउलिआनी और दस अन्य ने 2020 के राष्ट्रपति चुनाव के परिणामों को पलटने की साजिश रचने के आरोप में मंगलवार को एरिजोना अदालत में खुद को निर्दोष बताया। गिउलिआनी को पिछले हफ्ते समन भेजने के राज्य के प्रयासों की अनदेखी करने के लिए 10,000 डॉलर का मुचलका भरना होगा। एरिजोना रिपब्लिकन पार्टी के पूर्व अध्यक्ष केली वार्ड के साथ-साथ 11 अन्य लोगों पर साजिश, जालसाजी और धोखाधड़ी के आरोपों के लिए मंगलवार को फीनिक्स अदालत में मुकदमा चलाया गया। पूर्व मेयर गिउलिआनी वर्चुअली माध्यम से फीनिक्स अदालत कक्ष में उपस्थित हुए। इस दौरान उन्होंने और नौ अन्य लोगों ने खुद को निर्दोष बताया। मामले का ट्रायल 17 अक्टूबर को होगा। अदालत में गिउलिआनी ने कहा, वर्तमान में उनके पास कोई वकील नहीं है, लेकिन भविष्य में उनके पास एक वकील होगा। जब अदालत ने उनसे पूछा कि क्या उन्हें वकील की आवश्यकता होगी, तो उन्होंने नहीं में जवाब दिया। कहा कि मुझे लगता है कि मैं इसे स्वयं संभालने में सक्षम हूं। एरिजोना के अधिकारियों ने कई हफ्तों तक गिउलिआनी को उनके खिलाफ दर्ज अभियोग का नोटिस तामील कराने के लिए संघर्ष किया। फ्लोरिडा में उनके 80वें जन्मदिन मनाने के तुरंत बाद 17 मई की रात अधिकारी उन्हें नोटिस देने में सफल हुए। गिउलिआनी के अलावा अदालत में खुद को निर्दोष बताने की दलीलें देने वाले 10 प्रतिवादियों में से चार वर्चुअली और छह व्यक्तिगत रूप से उपस्थित हुए। प्रतिवादियों में पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की सहयोगी क्रिस्टीना बॉब और पूर्व ट्रम्प अभियान सहयोगी माइक रोमन शामिल हैं।

लू की चपेट में पाकिस्तान

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान में लू का कहर जारी है। अधिकारियों ने मंगलवार को परामर्श जारी कर लोगों से घरों में ही रहने को कहा है, क्योंकि देश भयंकर गर्मी का सामना कर रहा है। पाकिस्तान में सर्वाधिक जनसंख्या वाले प्रांत पंजाब ने एक सप्ताह के लिए सभी स्कूलों को बंद कर दिया है।अधिकारियों ने कहा कि कुछ क्षेत्रों में तापमान 50 डिग्री सेल्सियस को पार कर सकता है। हाल के वर्षों में पाकिस्तान जलवायु संबंधी सबसे गंभीर स्थिति का सामना कर रहा है। ग्लेशियर पिघलने और मानसून की सक्रियता बढ़ने से विनाशकारी बाढ़ आई और देश का करीब एक तिहाई भूभाग डूब गया था। पाकिस्तान में 1961 के बाद से अप्रैल में सबसे अधिक बारिश दर्ज की गई। पिछले महीने भारी बारिश से कई लोगों की मौत हुई और संपत्ति एवं खेती की भूमि नष्ट हो गई ।विशेषज्ञों का कहना है कि जलवायु परिवर्तन के कारण देश में भारी बारिश हुई। लंबे समय से विज्ञानी चेतावनी देते आ रहे हैं कि जीवाश्म ईंधन जलाने, वनों का विनाश और पराली जलाने के कारण हो रहा जलवायु परिवर्तन मौसम पर विपरीत प्रभाव डालेगा और तापमान चरम स्थिति तक पहुंच जाएगा।

राष्ट्रपति हर्जोग ने पीएम मोदी की तारीफ की, बोले- हमास हमले की निंदा करने वाले वह पहले नेता

येरुशलम, एजेंसी। दिल्ली में मंगलवार को इस्त्राइल राष्ट्रीय दिवस समारोह का आयोजन किया गया, जिसे इस्त्राइल के राष्ट्रपति इसहाक हर्जोग ने वर्चुअली संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि भारत और इस्त्राइल की साझेदारी मजबूत व्यापार और वाणिज्यिक संबंधों तक ही सीमित नहीं है, यह सार्थक सांस्कृतिक, शैक्षणिक, तकनीकी और वैज्ञानिक क्षेत्रों में भी है।

इस्त्राइल के राष्ट्रपति इसहाक हर्जोग ने सात अक्तूबर को हुए हमास के हमले की निंदा करने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का धन्यवाद किया है। उन्होंने कहा कि भारत दुनिया के सबसे बड़े देशों में से एक है और इस्त्राइल सबसे छोटे

देशों में से एक। फिर भी हम दोनों पूरी तरह से आधुनिक राष्ट्र हैं, जो दृढ़ लोकतांत्रितक आदर्शों पर आधारित है। उन्होंने कहा कि हम आपस में बहुत कुछ साझा करते हैं।

दरअसल, दिल्ली में मंगलवार को इस्त्राइल राष्ट्रीय दिवस समारोह का आयोजन किया गया, जिसे इस्त्राइल के राष्ट्रपति हर्जोग ने वर्चुअली संबोधित किया। उन्होंने कहा, भारत और इस्त्राइल की साझेदारी मजबूत व्यापार और वाणिज्यिक संबंधों से लेकर सार्थक सांस्कृतिक, शैक्षणिक, तकनीकी और वैज्ञानिक आदान-प्रदान तक है। बेशक, हमारे साझा संबंध संकट के समय में अतिरिक्त अर्थ रखते हैं, लेकिन सात अक्तूबर को हमास द्वारा इस्त्राइल पर किए गए हमले में हुए नरसंहार की निंदा करने वाले विश्व नेताओं में से भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पहले हैं। वह इतिहास के सही पक्ष पर खड़े रहे। मैं उन्हें तहे दिल से धन्यवाद देता हूं।

हर्जोग ने आगे कहा, 'जैसे-जैसे आपका लोकतंत्र और अर्थव्यवस्था बढ़ती है, वैश्विक नेतृत्व में आपकी भूमिका बढ़ती है और विस्तारित होती है' प्रधानमंत्री मोदी के इस तथ्य की हम इस्त्राइल में सराहना और स्वागत करते हैं।

भारत स्वयं सीमा पार आतंकवाद का शिकार- क्त्रात्रा

इससे पहले भारत के विदेश सचिव विनय मोहन क्त्रात्रा ने कहा, हम इस्त्राइल की आजादी के एक और वर्ष को मना रहे हैं, लेकिन हमारा दिल हाल की घटनाओं के बोझ से भारी है। 7 अक्टूबर को हुए आतंकी हमलों ने हम सभी को झकझोर कर रख दिया है भारत स्वयं सीमा पार आतंकवाद का शिकार है और आतंकवाद के सभी रूपों और अभिव्यक्तियों के प्रति शून्य-सहिष्णुता का दृष्टिकोण रखता है, आतंक के कृत्यों के लिए कोई औचित्य नहीं हो सकता है। हमारी संवेदनाएं और प्रार्थनाएं बंधकों और निर्दोष लोगों के परिवारों के साथ हैं।

भारत से मिला समर्थन आश्चर्य से कम नहीं : वहीं, भारत में इस्त्राइल के राजदूत नाओर गिलोन ने कहा, सात अक्तूबर को हुए हमास के हमले के बाद भारत सरकार और लोग इस्त्राइल के पक्ष में खड़े हैं और यह हम कभी नहीं भूलेंगे। यहां हमें जितना समर्थन मिला, वह किसी आश्चर्य से कम नहीं है। मुझे लगता है कि यह इस बात का प्रतिबिंब है कि भारत स्वयं कई वर्षों से आतंक का शिकार रहा है, लेकिन इससे भी अधिक, मुझे लगता है कि यह भारत और इस्त्राइल के बीच विशेष संबंधों का एक संकेत है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक देवन प्रसाद द्वारा आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, ए-24, सेक्टर-8, नोएडा, उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं - बी-126, मायापुरी इंडस्ट्रीयल एरिया, फेस-1, नई दिल्ली-110064 से प्रकाशित। सह संपादकः रंजीत राय फोन नं-011-45795464 (नोटः प्रकाशित सभी लेखों आदि से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं और किसी भी कानूनी वाद-विवाद का निपटारा दिल्ली उच्च न्यायालय में ही किया जाएगा।) RNI. No. DELHIN/2010/32488, Email: news@pratahkiran.com, मो. 9212228045, 8130691216, 9971557129